11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 8 अंक : 191 पटना (बिहार), मंगलवार 13 मई 2025 पेज - 12 मूल्य : 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

भारत ने आतंक के हेडक्वार्टर को नष्ट कर दिया: पीएम

दिल्ली ब्यूरो

दिल्ली : ऑपरेशन सिंदूर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हमारे बहादुर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के उद्देश्यों को हासिल करने में अद्वितीय वीरता दिखाई है। आज, मैं उनकी साहस, उनकी बहादुरी और उनके शौर्य को उन्हें समर्पित करता हूँ। मैं इस वीरता को हमारे राष्ट्र की प्रत्येक माता, बहन और बेटी को भी समर्पित करता हूँ।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर केवल एक नाम नहीं है, यह लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हमने सेनाओं को आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने की खुली छूट दी। आज, सभी आतंकी शिविरों ने हमारी बेटियों और बहनों के 'सिंदूर' को मिटाने का परिणाम समझ लिया है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोमवार के भाषण में भी उल्लेख किया कि भारत के पाकिस्तान पर हमले में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में यह भी कहा कि जब हमारे मिसाइलों और ड्रोनों ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह किया, तो न केवल उनकी इमारतें बल्कि उनका हौसला भी चकनाचूर हो गया।

भारत-पाक पर ट्रंप बोले- अमेरिका ने 'खतरनाक परमाणु युद्ध' को रोका :डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिकी हस्तक्षेप ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक खतरनाक परमाणु युद्ध को टालने में मदद की जब दोनों देशों ने कई संघर्षों के बाद संघर्ष विराम पर सहमति जताई। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, 'हमने एक परमाणु युद्ध

को रोका। मुझे लगता है कि यह एक खतरनाक परमाणु युद्ध हो सकता था, जिसमें लाखों लोग मारे जा सकते थे। इसलिए मुझे इस पर बहुत गर्व है।'

'व्यापार बड़ी वजह है, जिससे उन्होंने लड़ाई बंद की' :भारत-पाक के बीच युद्धविराम को लेकर ट्रंप ने कहा, 'हमने बहुत मदद की, और हमने व्यापार के साथ भी मदद की। मैंने कहा, चलो, हम आप लोगों के साथ बहुत सारा व्यापार करने जा रहे हैं। इसे रोक दो, इसे रोक दो। अगर आप इसे रोकते हो, हम व्यापार करेंगे। अगर इसे नहीं रोकते, हम कोई व्यापार नहीं करेंगे। लोगों ने वास्तव में व्यापार का इस्तेमाल उस तरह से नहीं किया जैसा मैंने किया। इससे मैं आपको बता सकता हूँ, और अचानक उन्होंने कहा, हमें लगता है कि हम रुकने वाले हैं, और वे रुक गए।'

भारत, पाकिस्तान डीजीएमओ की सोमवार की बातचीत पूरी :भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम समझौते की घोषणा के दो दिन बाद दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशक यानी डीजीएमओ की सोमवार की बातचीत पूरी हो चुकी है। दोनों सैन्य अधिकारियों ने 10 मई को दोनों पक्षों के बीच सैन्य कार्रवाइयों और गोलीबारी को रोकने पर पहुंची सहमति के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। बातचीत का नतीजा क्या निकला, अभी तक इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है।

दोनों देशों के बीच डीजीएमओ स्तर की वार्ता पहले सोमवार दोपहर के आसपास होने वाली थी, लेकिन बाद में यह शाम के लिए तय की गई। दोनों देशों ने शनिवार को पाकिस्तान डीजीएमओ द्वारा अपने भारतीय समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को किए गए कॉल के बाद गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को रोकने पर सहमति जताई।

वायुसेना अगले मिशन के लिए तैयार :एयर मार्शल ए के भारती ने सोमवार को मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत के सभी हवाई अड्डे, रक्षा प्रणालियाँ और उपकरण पूरी तरह से चालू हैं और अगले मिशन के लिए तैयार हैं। एयर मार्शल ने आगे कहा कि भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के पाकिस्तानी प्रयासों को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया।

पाकिस्तान ने 'चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया :डीजी एयर ऑपरेशन एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से चीन में बनी मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि पीएल-15 मिसाइल, जो चीनी मूल की है; यह मिसाइल अपने लक्ष्य से चूक गई, और आप इसके टुकड़े देख सकते हैं जो हमारे पास उपलब्ध हैं। एक और हथियार जो मिला है वह लंबी दूरी के रॉकेट थे। हमने लोइटर युद्ध सामग्री और मानव रहित हवाई प्रणालियों के बारे में बात की है... इन सभी को हमारे प्रशिक्षित चालक दल और वायु रक्षा प्रणाली ने नीचे गिरा दिया।

सीएम उमर अब्दुल्ला पुंछ में पीड़ितों परिवारों से मिले :जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को पुंछ जिले में पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित लोगों से मुलाकात की और क्षेत्र में बंकरों की स्थापना की जरूरत पर बल दिया। बुधवार से अब तक कुल 27 मौतों में से सबसे अधिक 20 मौतें पुंछ जिले में हुई हैं, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह घटना भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद की है, जिसमें 22 अप्रैल को पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत का बदला लेने के लिए पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया गया था। अब्दुल्ला ने अपने सलाहकार नासिर असलम वानी और विधायक एजाज जान के साथ पुंछ पहुंचे हैं। उन्होंने गोलाबारी में मारे गए लोगों के परिवारों, विशेष रूप से अमरजीत सिंह और अमरीक सिंह के परिवारों से मुलाकात की और शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

स्थिति सामान्य हो रही है ;राजस्थान में सोमवार सुबह सीमावर्ती जिलों में सामान्य स्थिति दिखाई दी। लोग चाय की दुकानों और अन्य जगहों पर जमा हुए और सामान्य बातचीत में व्यस्त हो गए। जम्मू कश्मीर से भी यही सूचना है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि रविवार से स्थिति सामान्य नजर आ रही है।

सभी 32 एयरपोर्ट खुले :भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने 15 मई तक 32 हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करने की सूचना जारी की थी। लेकिन सोमवार को बताया गया कि इन सभी एयरपोर्ट को खोल दिया गया है। ये हवाई अड्डे अब तत्काल प्रभाव से नागरिक विमान संचालन के लिए उपलब्ध हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे सीधे एयरलाइनों से उड़ान की स्थिति की जाँच करें और नियमित अपडेट के लिए एयरलाइन की वेबसाइट पर नजर रखें।

एक नजर

कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ने वाले नेताओं को पूरी करनी होगी ये शर्तें

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार चयन के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया के लिए डिजिटल फॉर्म का स्कैन कोड पोस्टर जारी किया है।सोमवार को बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में स्कैन कोड पोस्टर जारी किया।

पोस्टर जारी करने के बाद एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी चयन के लिए अर्हताएं तय की हैं और इस स्कैन कोड के माध्यम से डिजिटल फॉर्म भरने की व्यवस्था की गई है। सभी प्रत्याशियों को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा जारी किए गए विभिन्न कार्यक्रमों एवं जानकारियों को इस फॉर्म में दर्ज करना है। कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने आगे कहा कि इस तरीके से आए आवेदन की स्क्रूटनी होगी और फिर इसके आधार पर प्रत्याशियों की चयन प्रक्रिया अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल फॉर्म को भरने के लिए जरूरी है कि आपको कार्यों की साप्ताहिक अपडेटेड रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय और वार-रूम को नियमित रूप से भेजना होगा। साथ ही 3,000 घरों पर कांग्रेस का झंडा लगाने के साथ सभी फोटो अपलोड करना है। इसके अलावा बूथ कमेटी की अपडेटेड लिस्ट वेरिफिकेशन के लिए प्रदेश अध्यक्ष कार्यालय और वार रूम में जमा करना है और प्रत्येक पंचायत, वार्ड में 10 महिलाओं की शक्ति समिति की लिस्ट बनाकर भेजनी है।

उन्होंने बताया कि अंतिम अर्हता के रूप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जो भी प्रोग्राम दिया जाए, समय पर पूर्ण कर रिपोर्ट भेजने के साथ फेसबुक पर 25 हजार, इंस्टाग्राम पर 15 हजार फॉलोअर्स की संख्या सुनिश्चित करते हुए पंचायत-वार व्हाट्सएप ग्रुप बनाना भी अनिवार्य है।इस प्रक्रिया से युवा से लेकर प्रत्येक संभावित प्रत्याशियों को अपने दम पर टिकट वितरण में अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने में लाभ होगा।

पूर्णियाः में मजदूर के तीन बच्चों को एक साथ मिली सरकारी नौकरी

संवाददाता द्वारा

पूर्णियाः कहते हैं कि सफलता उसे ही मिलती है जो अनुशासन, दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ मेहनत करता है। बिहार के पूर्णिया और कटिहार जिले के चार बच्चों ने इसे सही साबित कर दिखाया है। बच्चों ने यह साबित कर दिया कि कठिन हालात भी आपके सपनों को रोक नहीं सकते। दरअसल पूर्णिया जिले के एक मजदूर के तीन बच्चों को एक साथ सरकारी नौकरी मिली है।

मामला पूर्णिया जिले के बनमनखी प्रखंड अंतर्गत हरमुढ़ी पंचायत के वार्ड नंबर 13 का है। यहां के निवासी सुरेश मंडल के तीनों बच्चों- दो बेटियां मीरा और जूली, और बेटा रविकांत ने बिहार पुलिस में सिपाही बनकर अपने परिवार का नाम रोशन किया है।

मीरा कुमारी (25), जूली कुमारी (27) और रविकांत कुमार (23) ने इंटर की पढ़ाई पूरी करने के बाद सिपाही भर्ती परीक्षा की तैयारी शुरू की।

वे सुबह दौड़ लगाते, व्यायाम करते और फिर पूरे मन से पढ़ाई में जुट जाते थे। उनके माता-पिता, सुनीता देवी और सुरेश मंडल, गांव में मजदूरी करते हैं, लेकिन तीनों बच्चों ने गरीबी को अपने सपनों के बीच नहीं आने दिया। आज बच्चों की कामयाबी पर लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं।

बौद्ध सर्किट को हाइवे से जोड़ने का काम कहां तक पहुंचा

संवाददाता द्वारा

बिहार में बौद्ध सर्किट को हाइवे और एक्सप्रेसवे से जोड़ने पर काम चल रहा है। भगवान बुद्ध से जुड़े धार्मिक स्थलों को आधुनिक फोरलेन सड़कों से जोड़ा जा रहा है। इसका काम अंतिम चरण में है। राज्य के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़कों का काम पूरा होने से धार्मिक पर्यटन को नया आयाम मिलेगा, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

सम्राट चौधरी सोमवार को बोधगया पहुंचे और मंदिर में दर्शन-पूजन का बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बुद्ध की ज्ञानभूमि बिहार में बौद्ध सर्किट पर तेजी से काम चल रहा है। अरबों रुपये की लागत से तैयार हो रहे इस सर्किट का उद्देश्य न केवल धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करना है बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित करना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार समतामूलक और समावेशी समाज के निर्माण के लिए लगातार काम कर रही है। डिप्टी सीएम ने बताया कि बौद्ध सर्किट के तहत फोरलेन सड़कों का निर्माण लगभग अंतिम चरण में है। कुछ मार्गों पर इस साल के अंत तक यातायात शुरू हो जाएगा।

इस सर्किट में मुख्य रूप से पटना-गया-डोभी रोड, आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे, पटना रिंग रोड (रामनगर से कच्ची दरगाह), दरियापुर-मनिकपुर-साहेबगंज-अरेराज-बेतिया सड़क और गया-हिसुआ-राजगीर-नालंदा-बिहारशरीफ सड़क शामिल है।

बस और बाइक की टक्कर में पूरा परिवार एक झटके में खत्म

क्राइम संवाददाता द्वारा

बिक्रमगंज : रोहतास जिले में सोमवार को एक बाइक और बस की टक्कर में पूरा परिवार एक झटके में खत्म हो गया। बाइक पर सवार पति-पत्नी और उनके दो बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा काराकाट थाना क्षेत्र में इटवा के पास बिक्रमगंज डेहरी एनएच पर हुआ। मृतकों की पहचान रमेश साह, उनकी पत्नी कंचन देवी, 7 साल की बेटी आराधना कुमारी और 3 वर्षीय बेटे आर्यन कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजन में कोहराम मचा हुआ है। गांव में चूल्हे नहीं जले। आक्रोशित लोगों ने एनएच पर जाम लगा दिया।

मृतक परिवार दिनारा थाना क्षेत्र के लडुई गांव के रहने वाले थे। रमेश अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अपने ससुराल करूप जा रहा था। इसी बीच विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बस से उनकी भिड़ंत्त हो गई। बताया जा रहा है कि चारों की मौके पर ही मौत हो गई। चारों की मौत की खबर मिलने के बाद लडुई और करूप, दोनों गावों में मातम छा गया। पूरे दिन इन गांवों में चूल्हे नहीं जले

दरभंगा में मधुबनी के व्यापारियों से 4 लाख की लूट, फिल्मी स्टाइल में ऑटो से खींचकर पीटा

क्राइम संवाददाता द्वारा

दरभंगा : दरभंगा में सोमवार को दिनदहाड़े मधुबनी के दो किराणा व्यापारियों से बदमाशों ने 4 लाख रुपये लूट लिए। वारदात विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के कटहलबाड़ी एफसीआई गोदाम के पास हुई। बाइक सवार लुटेरों ने फिल्मी स्टाइल में व्यापारियों को ऑटो से खींचकर बाहर निकाला। फिर उनकी पिटाई कर कैश लूटकर फरार हो गए। मारपीट में दोनों व्यापारी गंभीर रूप से जख्म हो गए। उनका डीएमसीएच के इमरजेंसी विभाग में इलाज चल रहा है। पीड़ित मधुबनी जिले के घोघरडीहा निवासी राजकुमार जैन (65) और उनके भतीजे संजीत कुमार (52) हैं। संजीत ने बताया कि दरभंगा जंक्शन रेलवे स्टेशन से उतरकर दोनों सुबह ऑटो में सवार हुए। वे शिवधारा बाजार समिति की ओर जा रहे थे। तभी एफसीआई गोदाम के पास बाइक से पहुंचे दो बदमाशों ने ऑटो रुकवा दिया। फिर उन्हें बाहर खींच लिया। इसके

बाद बदमाश उनके चाचा राजकुमार के हाथ से रुपयों से भरा बैग छीनने का प्रयास करने लगे।

विरोध करने पर बदमाशों ने दोनों व्यापारियों की पिस्टल के बट से पिटाई कर दी। इसके बाद वे बैग छीनकर फरार हो गए। बैग में चार लाख रुपये थे। आनन-फानन में डायल 112 की पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए डीएमसीएच पहुंचाया। वहां दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

सदर एसडीपीओ अमित कुमार ने डीएमसीएच पहुंचकर घायलों से घटना की जानकारी ली। बदमाशों को दबोचने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। संजीत कुमार ने बताया कि 407 पर मैदा लोड करा उन्हें यहां से ले जाना था। इसके अलावा बाजार समिति से किराना सामग्री की भी खरीदारी करनी थी। पुलिस ने बताया कि बदमाश मधुबनी से ही व्यवसायियों की रकी कर रहे थे।

के विक्रम राव : पत्रकारों के लिए लड़ने वाला आखिरी मसीहा चला गया

नवेन्दु उन्मेष

सोमवार की सुबह वरिष्ठ पत्रकार डा. के विक्रम राव के सुपुत्र का मेरे पास मैसेज आया कि पिता जी नहीं रहे। मैसेज पढ़कर मैं स्तब्ध रहा गया। डा. राव जब भी कोई फीचर लिखते थे तो मुझे भेज देते थे। मैं जिस भी अखबार में रहा उनका फीचर अवश्य प्रकाशित किया।

वे जब भी रांची आते मुझसे मिलते। मैं जब भी लखनउ जाता उनसे मिलना नहीं भूलता। वे एक बड़े पत्रकार थे। वे पत्रकारों के हक के लिए लड़ने वाले एक मात्र पत्रकार थे। उनके संघर्ष का परिणाम था कि सरकार को पत्रकारों के लिए वेतन आयोग की स्थापना करनी पड़ी। अखबारों के मालिकों को पत्रकारों को न्यूनतम वेतनमान देना पड़ा। रेलवे में पत्रकारों के लिए छूट की व्यवस्था की गयी। डा. राव डंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। उन्होंने कुछ दिनों पूर्व मुझे बताया था कि एसोसिएशन के देशभर में लगभग चालीस हजार सदस्य हैं।

डा. राव ने आपातकाल के दौरान पत्रकारों और समाचार पर अंकुश लगाये जाने का जमकर विरोध किया था। तब इंदिरा गांधी ने उन्हें गिरफतार कर जेल में डाल दिया था। वे लगभग 16 माह जेल में रहे। जीवनपर्यन्त वे पत्रकारों के हक के लिए लड़ते रहे। प्रेस कौंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य के रूप में भी उन्होंने पत्रकारिता की गरिमा को बचाये रखने का काम किया।

डंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन का 1996 में एक बार रांची के मेकन हाल में अधिवेशन का आयोजन किया

गया था जिसका उद्घाटन तत्कालीन रेल मंत्री रामबिलास पासवान ने किया था। उस दौरान ही उनके साथ मेरे आत्मीय संबेध हो गये थे। हम दोनों घूम-घूमकर अधिवेशन की व्यवस्था में लगे रहे। एक दिन मैंने उनसे पूछा आप तो यूनियन चलाते हैं लेकिन आपका घर कैसे चलता है। उन्होंने उत्तर दिया मेरी पत्नी रेलवे में डाक्टर है। इस कारण मुझे घर चलाने की चिंता नहीं रहती। मैंने संकल्प लिया है कि मैं आखिरी दम तक पत्रकारों के लिए लड़ता रहूगा। दो दिन पूर्व शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिले थे। मुझे जो तस्वीर भेजी उसे देखकर मुझे लगा वे काफी वृद्ध हो चुके हैं। लेकिन मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने उनके स्वास्थ्य के बारे में अवश्य पूछा। इसका भी मैसेज डा. राव ने मुझे भेजा।

तेलुगु भाषी होने के बावजूद डा. राव की हिन्दी में अच्छी पकड़ थी। वे अंग्रेजी के पत्रकार थे और टाइम्स ऑफ इंडिया से अवकाश ग्रहण करने के बाद हिन्दी में लिखा करते थे। उन्होंने वायस ऑफ अमेरिका के वाशिंगटन डीसी स्थित कार्यालय में भी कार्य किया था। उन्होंने पत्रकारिता पर कई पुस्तकों की रचना की। उन्होंने कई देशों में घूमकर वहां के पत्रकारों की स्थिति की जानकारी हासिल की। इसके बाद भारत सरकार को कई सुझाव दिये कि यहां के पत्रकारों के लिए क्या किया जाना चाहिए। अवकाश ग्रहण करने के बाद वे एक स्तंभकार के रूप में काफी चर्चित रहे। विभिन्न राजनीतिक विशयों पर प्रतिदिन लेख लिखा करते थे और आपने मित्र पत्रकारों को छपने के लिए भेज दिया करते थे। नहीं छपने पर फोन कर कारण भी जानना चाहते थे।

डा.के विक्रम राव के पिता रामा राव भी एक पत्रकार थे। पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा स्थापित नेशनल हेराल्ड के लखनउ संस्करण के वे संपादक थे। डंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन की स्थापना 28 अक्टूबर 1950 को नई दिल्ली में की गयी थी। कई सालों तक के चलपति राव इसके अध्यक्ष रहे। चलपति राव ने देशभर के पत्रकारों को एक मंच पर लाने का काम किया। उनके निधन के बाद डा. के विक्रम राव को उसका अध्यक्ष चुना गया। वे मुझसे अकसर कहा करते थे कि झारखंड में हमारी यूनियन की स्थिति अच्छी नहीं है। तुम इसे संगठित करने का पुनः प्रयास करो लेकिन चूंकि मेरी दिलचस्पी यूनियनबाजी में कभी नहीं रही इस कारण मैंने कभी इस ओर ध्यान नहीं दिया।

आज डा. राव जब दुनिया छोड1कर चले गये तो ऐसा लगता है कि पत्रकारों ने अपने लिए संघर्ष करने वाला एक सच्चा मसीहा खो दिया

बिहार 8716 करोड़ की लागत से बनेगी 12 हजार किमी लंबी सड़क

संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण पथों के निर्माण से न केवल गांवों और शहरों के बीच की दूरी घट रही है, बल्कि राज्य की सामाजिक संरचना को नया आयाम और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिल रही है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम के तहत 8,716 करोड़ रुपए की लागत से 6,938 पथों (लंबाई 12,105 किलोमीटर) का रिमोट के माध्यम से कायारंभ किया।

इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीण पथों के सुदृढ़ीकरण को और गति मिलेगी। उन्होंने ग्रामीण पथों की मरम्मत एवं रखरखाव पर जोर देते हुए कहा कि जिन ग्रामीण पथों की मरम्मत की आवश्यकता है, उन्हें बरसात के पूर्व ठीक कराया जाना चाहिए। हम लोगों का उद्देश्य है कि ग्रामीणों को हमेशा एक मजबूत, सुरक्षित और आरामदायक सड़क की सुविधा सतत मिलती रहे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ग्रामीण पथों के चौड़ीकरण के कार्य को प्रारंभ कराने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि नए ग्रामीण पथों के निर्माण होने से राज्य के किसी भी सुदूरवर्ती क्षेत्र से भविष्य में मात्र चार घंटे में राजधानी पटना तक की सुगम और निर्बाध यात्रा पूरी करने के सरकार के लक्ष्य को पूरा किया जा सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण कार्य विभाग की उपलब्धियों पर एक लघु फिल्म प्रस्तुत की गई। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण कार्य विभाग की पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने विभाग के तहत कार्यान्वित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना एवं अन्य राज्य योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के अंतर्गत ग्रामीण सड़कों और पुलों के निर्माण की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

पिक्सल लर्न एजुकेशन एकेडमी के तरफ से डोरंडा के मेकॉन मे इंटर स्कूल कंपटीशन का आयोजन किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - पिक्सल लर्न एजुकेशन एकेडमी के तरफ से डोरंडा के मेकॉन में इंटर स्कूल कंपटीशन का आयोजन 11 मई को किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के इवेंट हुए। इसमें दार अल अरकम स्कूल मांडर के बच्चों ने भाग लियाऔर शानदार सफलता प्राप्त की। इस प्रतियोगिता में जमशेदपुर व अन्य शहरों के लगभग 10 प्रतिष्ठित विद्यालयों ने भाग लिया। दार अल अरकम स्कूल मांडर के बच्चों ने सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के जूनियर विंग में ओवैस खान, सादिया फिर-दौस, नायाब तबस्सुम, मोहम्मद यूसुफ – राज्य स्तर पर प्रथम स्थान वहीं सीनियर विंग में फातिमा शकीला, बारीरा फिरदौस, आइशा रहमानी, अंबर तारीक – राज्य स्तर पर तृतीय स्थान स्पेलिंग प्रतियोगिता में तनजीम फातिमा, सादिया फिरदौस, नायाब तबस्सुम, मोहम्मद यूसुफ – राज्य स्तर पर तृतीय स्थान, हैंडराइटिंग में जुवैरिया सुंदुस राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान तथा इरम सबा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल का मान बढ़ाया। स्कूल परिवार ने विजेताओं को उनकी मेहनत और सफलता पर हार्दिक बधाई दी '

चान्हो के ताला में राष्ट्रीय वयोश्री योजना योजना के तहत एक दिवसीय शिविर का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - चांन्हो प्रखंड के ताला पंचायत भवन में सोमवार को राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर में राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु 100 वरिष्ट नागरिकों का जांच एवं पंजीकरण किया गया है। इस शिविर में व्हील चेयर,कमोड व्हील चेयर,वॉकिंग स्टीक, कान की मशीन, वॉकर, कमर बेल्ट, घुटना बेल्ट, इत्यादि सहायक उपकरण जांच एवं पंजीकरण के बाद निशुल्क वितरण किया जाएगा, शिविर आयोजनकर्ता पुनम उरांव (मुखिया ताला पंचायत) कमस्ती उरांव (पंचायत समिति सदस्य, ताला),अफरोज अंसारी (दिव्यांग समाजसेवी) के द्वारा शिविर आयोजन किया गया है,इस शिविर में दीप्ति आसरा रांची से जाहिद उपस्थित थे इस शिविर को सफल बनाने में सोमा उरांव ,मोजम्मिल अंसारी, एतवा उरांव, दुखना उरांव का महत्वपूर्ण सहयोग रहा ।

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर एक साथ एक समय में गृहे गृहे गायत्री यज्ञ का आयोजन

मंडरो: अखिल विश्व गायत्री परिवार के आह्वान पर बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के उत्तरी महादेववरन, शाहाबाद, हाट रोड, मिर्जाचौकी बाजार, निमगाछी, गांधीनगर, चौधरीपट्टी, बड़तल्ला, लॉकडाउन मार्किट, फौजदारी, सलेमपुर, वर्णवाल पट्टी समेत हजारों घरों में एक साथ एक समय में गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार के गृहे गृहे गायत्री यज्ञ अभियान के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस यज्ञ के लिए शांतिकुंज हरिद्वार से यज्ञ सामग्री के पैकेट सभी को दिए गए थे। वही अखिल विश्व गायत्री परिवार की प्रखंड समन्वयक सुप्रिया वर्णवाल के द्वारा बताया गया कि गायत्री हवन करने से आयु, आरोग्य ,धन,यश, प्रजा ,आत्मा और पशुओं की समृद्धि होती है। यह हवन नकारात्मकता को दूर करता है वातावरण को शुद्ध करता है और मन को शांत करता है ।गायत्री हवन करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी होती है और जीवन में सुख समृद्धि आती है।ऑपरेशन सिंदूर चलकर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को बर्बाद करने वाली भारतीय सेना के अदम्य साहस को नमन करने ,देश के चारों ओर रक्षा कवच बनाने और समर्थ भारत के लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से बुद्ध पूर्णिमा को एक साथ एक समय में घर-घर गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। सामूहिक रूप से किए गए अनुष्ठान से एक वातावरण का निर्माण होता है। नागरिकों के आत्मविश्वास और सैनिकों के सु-रक्षा में वृद्धि करता है ।इसे ध्यान में रखते हुए बुद्ध पूर्णिमा को यज्ञ दिवस के रूप में मनाया गया। वही बताया गया कि यह अभियान हर साल बुद्ध पूर्णिमा पर आयोजित किया जाता है। इसमें लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है ।अभियान का मुख्य उद्देश्य घर-घर में गायत्री और यज्ञ की स्थापना करना है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं बल्कि एक वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है।

विश्व रेड क्रॉस दिवस एवं रवीन्द्र जयंती प्रतियोगिताओं के विजेता हुए पुरस्कृत

हेनरी डुनेंट एवं रवीन्द्र नाथ टैगोर आज भी युवाओं एवं साहित्यप्रेमियों के प्रेरणास्रोत : डॉ. एन. सी. गाँधी

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। स्थानीय दीनबंधु उच्च विद्यालय स्थित रवीन्द्र सभागार में पिछले दिन विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान तथा क्रीड़ा संस्थान तथा योगमाया मानवोत्थान ट्रस्ट के युग्म बैनर तले आयोजित विश्व रेड क्रॉस दिवस एवं रवीन्द्र जयंती प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समाजसेवी रीता चौरसिया, दीनबंधु स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. एन. सी. गाँधी, प्रधानाध्यापक काजल कांति सिकदार, झारखण्ड प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन, देवघर जिलाध्यक्ष डॉ. जय चंद्र राज, वेक्सो इंडिया के संरक्षक गणेश प्रसाद उमर, केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव, समाजसेवी सुमन सौरभ एवं देवघर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष रवि कुमार केशरी के करकमलों से प्रशस्ति पत्रों से पुरस्कृत किया गया। ज्ञात हो सनराइज द्वारिका ऐकाडेमी के सुप्रीत चटर्जी को प्रथम, सुप्रभा शिक्षा स्थली की श्रेया केशरी को द्वितीय, गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल के उत्सव कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। रक्तदान-महादान है, शीर्षक निबंध लेखन प्रतियोगिता

में राम मंदिर बीपीजे हाई स्कूल की अंजलि कुमार ओझा को प्रथम, दीनबंधु उच्च विद्यालय की शिवानी झा को द्वितीय जबकि संदीपनी पब्लिक स्कूल की पलक झा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ था। मौके पर रवीन्द्र कवितापाठ में प्रथम पुरस्कार विजेता धृति चटर्जी, नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थानधिकारी गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल की अपेक्षा आर्या, द्वितीय स्थानधिकारी नंदन कानन लिटल फ्लावर स्कूल की मान्यता कुमारी ने अपनी अपनी प्रस्तुति से सबको मंत्रमुग्ध किया। मौके पर डॉ. गाँधी ने कहा- हेनरी डुनेंट एवं रवीन्द्र नाथ टैगोर आज भी युवाओं एवं साहित्यप्रेमियों के प्रेरणास्रोत हैं। रवीन्द्र नाथ के व्यक्तित्व पर विचार प्रकट करते हुए काजल सिकदार ने कहा- रबीन्द्रनाथ ठाकुर विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता हैं। उन्हें बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले युगद्दष्टा माना जाता है। वे एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार सम्मानित व्यक्ति हैं। वे एकमात्र कवि हैं जिसकी दो रचनाएँ दो देशों का राष्ट्रगान बनीं- भारत का राष्ट्र-गान 'जन गण मन' और बाँग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बांङ्ला' - गुरुदेव की ही रचनाएँ हैं।

सदर अस्पताल के सभागार में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज फ्लोरेंसिया नाईटेंगल के याद में विश्व नर्सिंग दिवस के अवसर सदर अस्पताल देवघर के सभागार में विश्व नर्सिंग दिवस मनाया गया. सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी, उपाधीक्षक डॉक्टर प्रभात रंजन, डॉक्टर शरद कुमार, डाक्टर चित्तरंजन पंकज, डॉक्टर प्रियंका सहित झारखंड चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र के नेतृत्व में वरीय एएनएम दीदी मीना पांडेय, अनीता कुमारी, मंजू टुडू के द्वारा सदर अस्पताल के दर्जनों नर्स के उपस्थिति में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच केक काटकर मनाया गया. सिविल सर्जन ने सभी नर्सों को संबोधन करते हुए इमानदारी पूर्वक बीमार लोगों की सेवा करने का आव्हान किया साथ ही कहा कि आपके व्यावहार और सेवा भावना से ही मरीजों की आधी बीमारी ठीक हो जाती है. वहीं संघ के जिलाध्यक्ष श्री मिश्रा ने सभी एएनएम बहनो को

चाकलेट देकर उनका अभिवादन किया. श्री मिश्रा ने कहा जिस तरह से स्वास्थ्य सेवा लोगों के जिंदगी के लिए अहम है तो एएनएम के बिना स्वास्थ्य सेवा अधूरी है. आबादी के अनुपात में एएनएम की संख्या कम रहने के कारण इन पर कार्य दबाव अत्याधिक रहता है,लेकिन काम के अनुरुप इन्हें वेतन सहित अन्य सुविधाओं का अभाव रहता है. अनुबंध और आउट सोर्सिंग पर दस हजार के मानदेय पर इनकी नियुक्ति कर इनका शोषण किया जाता है. संघ ने सरकार से मांग की है कि आबादी के अनुरुप पांच हजार की आबादी पर दो एएनएम के अनुसार पद सृजन कर सभी पदों पर एएनएम की नियमित नियुक्ति की जाय, एएनएम का ग्रेड पे 2800 किया जाय, दस साल की सेवा पूरी कर चुके सभी एएनएम को एम ए सी पी का लाभ दिया जाय. अनुबंध या आउट सोर्सिंग पर बहाली में समान कार्य के बदले समान वेतन भुगतान किया जाय. कार्यक्रम में इनके अलावा संघ के संयुक्त सचिव संजीव मिश्र, उपाध्यक्ष रवि रंजन, विजय सिंह, शाहनवाज, सुरेस, शैलेश, रानी रीतम,मीना झा,उषा, अनीता, अंजू प्रियंका, संगीता सहित दर्जनों एएनएम मौजूद थी.

डिवाईन पब्लिक स्कूल की संस्थापक सह सचिव ममता किरण को भारत प्रतिभा सम्मान परिषद दिल्ली द्वारा किया गया सम्मानित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भारत प्रतिभा सम्मान परिषद दिल्ली द्वारा राजधानी दिल्ली में आयोजित तीसरे भारत प्रतिभा सम्मान पुरस्कार समारोह 2025 में डिवाईन पब्लिक स्कूल की संस्थापक सह सचिव ममता किरण को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का आयोजन प्रधानमंत्री संग्रहालय, तीन मूर्ति मार्ग, नई दिल्ली में किया गया था। ममता किरण को यह पुरस्कार शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। ममता किरण अपने सामाजिक योगदान के कारण सैकड़ो वंचित परिवार, महिलाओं व बच्चों के लिए प्रेरणा स्रोत रही है। जब भी समाज के पिछड़े व वंचित वर्गों के मदद की बात आती है ममता किरण हमेशा सबसे आगे होती हैं। पुरस्कार स्वरूप ममता किरण को सनद व पदक प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पुडूचेरी की पूर्व उपराज्यपाल और 1972 में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी रैंक में शामिल होने वाली भारत की पहली

महिला आईपीएस डॉङ्ग किरण बेदी व भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी उपस्थित थे। भारत प्रतिभा सम्मान परिषद द्वारा आयोजित किये जाने वाले इस पुरस्कार समारोह का उद्देश्य भारत की जमीनी स्तर की प्रतिभा को सम्मानित करना है। जिसके अंतर्गत वर्ष 2025 के कार्यक्रम में समाज और राष्ट्र के प्रति उत्कृष्ट कार्य करने के लिए 14 अलग-अलग श्रेणीयों में ममता किरण सहित कुल 15 असाधारण व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने की खुशी जाहिर करते हुए ममता किरण ने भारत प्रतिभा सम्मान परिषद को धन्यवाद दिया एवं भविष्य में भी स्वयं को शिक्षा व समाज के लिए समर्पित रखने की बात कही। उल्लेखनीय है कि भारत प्रतिभा सम्मान परिषद एक गैर-लाभकारी संगठन है जो असाधारण व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करने और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को मान्यता देने के लिए काम करता है। यह परिषद भारत स-रकार द्वारा मान्यता प्राप्त है और नीति आयोग और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के साथ पंजीकृत है। ममता किरण को इससे पहले भी अप्रैल 2025 में ग्लोबल ट्रायम्फ फाउंडेशन द्वारा शेरेटन ग्रैंड पैलेस, इंदौर में आयोजित वर्ल्ड वीमेन आइकॉन अवार्ड 2025 में वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला आइकॉन पुरस्कार प्रदान किया गया है। जिसकी जानकारी भी ममता किरण ने दी साथ ही बताया कि ऐसे अवाड्र्स का मिलना गौरवान्वित करने के साथ ही समाज के लिए आगे आने को प्रेरित करता है और वे हमेशा समाज सेवा में अपना योगदान देती रहेंगी।

झारखंड लॉन बॉल संघ के उपाध्यक्ष बने डॉ सुनील खवाड़े

देवघर की टीम भी भाग लेगी बोलिंग प्रीमियर लीग में ऑक्शन के द्वारा टीम लिया जाएगा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड लॉन बॉल संघ के महासचिव मधुकांत पाठक के अध्यक्षता में एक मीटिंग जूम ऐप के माध्यम से किया गया।जिसमें झारखंड के सभी जिले के अध्यक्ष/ सचिव, राष्ट्रीय, अंतराष्ट्रीय, खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमे लॉन बॉल से संबंधित विषयों पे चर्चा किया गया।।सभी जिलों से कम से कम 10 खिलाड़ियों 5 महिला एवं पुरुष 5 का रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य किया गया।। कोच और ऑफिशियल के लिए सेमिनार आयोजित किया जाएगा। इस दौरान झारखंड लॉन बॉल संघ के महासचिव मधुकांत पाठक ने देवघर जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ

सुनील खवाड़े को उपाध्यक्ष पद का प्रस्ताव दिया जिसे सर्व सम्मति से सभी ने स्वीकार करते हुए झारखंड लॉन बॉल संघ का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।। झारखंड लॉन बॉल संघ के महासचिव मधुकांत पाठक ने झारखंड बॉल्स प्रीमियर लीग कराने पर भी विचार किया गया जिसमें संभावित 6 टीम के खेलने की संभावना है।।जिसमें आसाम,बंगाल,देवघर,रांची,बोका-रो और एक अन्य टीम के भाग लेने की संभावना है। जो जून के अंतिम सप्ताह में होने की संभावना है।

सुनील खवाड़े ने जिम्मेदारी देने के लिए महासचिव मधुकांत पाठक एवं सभी जिला के अध्यक्ष / सचिव का आभार प्रकट किया और कहा की जहां खेल वहां खवाड़े है और जो जिम्मेदारी मिलेगी उसको निभाएंगे। देवघर जिला लॉन बॉल संघ के अध्यक्ष आशीष झा सचिव कृष्ण कुमार बर्नवाल, उपाध्यक्ष नवीन शर्मा ने पुष्प गुच्छ देकर डॉ सुनील खवाड़े को उपाध्यक्ष बनने पे बधाई दिया। उपाध्यक्ष बनने में देवघर जिला लॉन बॉल संघ के पदाधिकारियों सहित खिलाड़ी सूरज,शुभम, आइनिश,सोनी,छोटी,मयूरी गुप्ता ने बधाई दिया।।

क्रेशर प्लांट में अज्ञात चोरों द्वारा किया गया चोरी ,थाना में प्राथमिकी दर्ज

मंडरो: मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक क्रेशर प्लांट में अज्ञात चोरों द्वारा किया गया चोरी । मिली जानकारी के अनुसार क्रेशर मालिक रितिक जायसवाल द्वारा बताया गया कि मेरा क्रेशर प्लांट मौजा भुतहा प्लॉट नंबर 9 खाता नंबर 28 थाना मिजाचौकी जिला साहिबगंज में स्थित है ।जो कि कुछ दिनों से बंद पड़ा हुआ था ।जिसका देखरेख नाइट गार्ड मनोज ठाकुर है। दिनांक 12 मई को रात 1:00 बजे कुछ अज्ञात नकाबपोश लोग क्रेशर पर आए और गार्ड को रूम में बंद कर बैटरी 12 पीस ,दो इनवर्टर, गियर बॉक्स 5 पीस, कैमरा दो पीस उसका सारा सेटअप, मोटर चार पीस सीकर 90 फीट लंबा, तार 8 बंडल , टीवी 55 इंच व बहुत सारे इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर लिया गया। वही चोरी मामले को लेकर मिजाचौकी थाना में प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर आवेदन दिया गया। वही 29/25 प्राथमिकी दर्ज कर मिजाचौकी पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी -सह- अंचल अधिकारी ने विभिन्न विकास योजनाओं का किया निरीक्षण

साहिबगंज: प्रखंड विकास पदाधिकारी- सह- अंचल अधिकारी मो. यूसुफ ने आज राजमहल प्रखंड के पंचायत कसवा, लालमाटी एवं खुटहरी का दौरा कर ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान पंचायत कसवा और लालमाटी में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत लंबित आवास निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। प्र-खंड विकास पदाधिकारी ने लाभुकों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और निर्देश दिया कि वे जल्द से जल्द आवास निर्माण कार्य पूर्ण करें। साथ ही पंचायत सचिव राकेश कुमार को निर्देशित किया गया कि दो दिनों के भीतर सभी पात्र लाभुकों को कार्य की प्रगति के अनुसार अगली किस्त का भुगतान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा पंचायत खुटहरी में मनरेगा अंतर्गत संचालित बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना एवं बिरसा हरित ग्राम योजना का भी निरीक्षण किया गया। बीडीओ ने इस वर्ष चयनित लाभुकों को गड्ढा खुदाई के पश्चात घेराबंदी शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने रोजगार सेवक को निर्देशित किया कि आवास योजना के अंतर्गत कार्य कर रहे लाभुकों को मनरेगा मद से मिलने वाली मजदूरी का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण के दौरान बीपीओ गगन बापू, आवास कोऑर्डिनेटर रविकांत रवि, पंचायत सचिव सिराजुल हक, राकेश कुमार, राहुल कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा पर अखंड कीर्तन का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 24 घंटे का अखंड कीर्तन बाबा नाम केवलम का आयोजन किया गया एवं जिसका समापन आज प्रातः में हुआ। आनंदमार्ग जागृति राजाबगीचा में प्रातः 5 बजे पांचजन्य के बाद जन्मोत्सव कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। उसके बाद सम्पूर्ण हर्षोल्लास के साथ जन्मदिवस मनाया गया। जिससे पूरा भक्तिमय माहौल हो गया ।इस अवसर पर आश्रम एवं शहर में घूम घूम कर प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ो लोगों ने भाग लिया, इस अवसर पर आचार्य परमानन्द अवधुत जी ने मार्ग गुरुदेव श्री श्री आनंदमूर्ति जी के अवतरण एवं अवदान के बारे में बताया कि श्री श्री आनंदमूर्ति जी का जन्म 1921 में वैशाखी पूर्णिमा के

दिन बिहार के जमालपुर में एक साधारण परिवार में हुआ था। परि-वार का दायित्व निभाते हुए वे सामाजिक समस्याओं के कारण का विश्लेषण उनके निदान ढूंढने एवं लोगों को योग, साधना आदि की शिक्षा देने में अपना समय देने लगे। उसके आचार्य ब्रजगोपालनंद अवधूत जी ने संस्था के सन्दर्भ में बताया कि सन् 1955 में उन्होंने आनंद मार्ग प्रचारक संघ की स्थापना की। श्री श्री आनंदमूर्ति जी ने समझा कि जिस जीवन मूल्य (भौतिकवाद) को वर्तमान मानव अपना रहे हैं वह उनके न शारीरिक व मानसिक और न ही आत्मिक विकास के लिए उपयुक्त है अतः उन्होंने ऐसे समाज की स्थापना का संकल्प लिया, जिसमें हर व्यक्ति को अपना सर्वांगीण विकास करते हुए अपने मानवीय मूल्य को ऊपर उठने का सुयोग प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि हर एक मनुष्य को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में विकसित होने का अधिकार है और समाज का कर्तव्य है कि इस अधिकार को ठीक से स्वीकृति दें। अगर व्यक्ति का लक्ष्य समान है तो उनके बीच एकता लाना संभव है। वरिष्ठ आचार्य भावनन्द अवधूत जी ने बताया की आध्यात्मिक भावधारा का सृजन कर विश्व बंधुत्व के आधार पर एक मानव समाज की स्थापना को वास्तविक रूप दिया जाना। तत्पश्चात भुक्ति प्रधान सुनील जी ने सबों का धन्यवाद ज्ञापन किये एवं बाबा जन्मदिन की हार्दिक दिये ।सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन आनंदमार्ग प्रचारक संघ देवघर के द्वारा किया गया।

नालंदा जिले में भाभी से मजाक करने पर युवक की हत्या

नालंदा, । नालंदा जिले थरथरी थाना क्षेत्र अंतर्गत कौशल्या बिगहा गांव में सोमवार को बदमाश ने लाठी से पीटकर चचेरे भाई की हत्या कर दी। मृतक 45 वर्षीय अरुण गोप बताये जाते हैं। घटना के संबंध में बताया जाता है कि पत्नी को गाली देने के संदेह में बदमाश ने घटना को अंजाम दिया है ।मृतक के परिजनों ने बातया कि अरुण सोमवार की सुबह बाजार से मटन खरी-दकर लाएं और भाभी को वह पकाने बोले भाभी ने कुछ देर में पकाने की बात कही तो वह मजाक में गाली देने लगे समीप में चचेरी भाभी थी।

एक नजर

भाजपा बिहार झारखंड के क्षेत्रीय संगठन प्रभारी नागेंद्र नाथ त्रिपाठी राकेश के यहाँ पहुचे

उत्तर बिहार के बड़े शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अशोक सिंह भी शादी में पहुँचे

सोनपुर, भाजपा नेता राकेश सिंह के बड़े भाई अरविंद सिंह की पुत्री की शादी में कई बड़े बड़े अधिकारी और एनडीए नेता का आने जाने का लगा रहा ताता भाजपा बिहार झारखंड के क्षेत्रीय संगठन प्रभारी नागेंद्र नाथ त्रिपाठी, सुबहेदार साहब, उत्तर बिहार के बड़े शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अशोक सिंह जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह महामंत्री निरंजन शर्मा महामंत्री विवेक सिंह महामंत्री धर्मेन्द्र साह मंडल अध्यक्ष दीपक गुप्ता बबलू सिंह दीपक शर्मा अभिषेक कुशवाहा अनिल सिंह जीतेन्द्र सिंह मंडल अध्यक्ष भूलन जी सहित अनेक लोगो का आगमन देर रात्री तक आने जाने का लगा रहा ताता सभी लोगो ने वर वधु को शुभकामनाएँ दिया इस अवसर पर गाड़ी का काफिला देर रात्री तक लगा रहा इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मंटू बाबा रामानंद सिंह सुमंत तिवारी मोनू सिंह चंदन सिंह राहुल सिंह संतोष शर्मा गुड्डू सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

दफन हुए शहीद मोहम्मद इम्तियाज मंत्री महोदय ने दी सलामी

पटना , ।भारत माता की जयघोष एंव शहीद ईम्तेयाज अमर रहें के साथ सारण के लाल शहीद मोहम्मद इम्तियाज को दफनाया गया जो जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर मे पाक गोलीबारी मे 10/05/2025 को शहीद हुए। उनके अंतिम यात्रा मे बिहार सरकार के मंत्री कृष्ण कुमार सिंह मंटु जी उनके पैत्रिक आवास गरखा प्रखंड के नारायण पुर गाँव मे सामिल हुए। मंत्री महोदय ने शहीद के परिजन को बिहार सरकार द्वारा देय राशी इक्कीस लाख(21 लाख की घोषणा की)। तथा परिजन द्वारा स्मारक, शैक्षणिक संस्थान एंव चिकित्सालय शहीद के नाम पर करने की माँग रखी जिसे मंत्री महोदय ने स्वीकार कर माँग को जल्द पुरा कराने का घोषणा किया। मंत्री जी के साथ प्रियदर्शी चौरसीया जदयु नेता,सांसद प्रतिनिधि सह भाजपा नेता राकेश सिंह ,भाजपा नेता राहुल पासवान, भाजपा नेता संजय सिंह ,संतोष सिंह ,दीपु सिंह, मनोज पटेल, सुभाष राम, भाजपा नेता नजरे ईमाम, स्थानीय मुखिया गुलाम गौस, मो असलम,मो मुस्तफा,मु मनान मिंया आदि सामिल हुए।

सरस्वती शिशु मंदिर लल्लू पोखर जयंत चौधरी को दी गई विदाई

मुंगेर। सरस्वती शिशु मंदिर लल्लू पोखर में सोमवार को विद्यालय परिसर में सादे समारोह के बीच तत्कालीन प्रधानाचार्य जयंत चौधरी को विद्यालय परिवार की ओर से विदाई दी गई। विद्यालय प्रबंधन समिति की मौजूदगी में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपने प्रधानाचार्य रहे जयंत चौधरी को भरे आवाज में शुभकामनाएं देते हुए नए दायित्व के लिए प्रेरित किया। विदाई समारोह की अध्यक्षता सरस्वती शिशु मंदिर लल्लू पोखर के नवनियुक्त प्रधानाचार्य राजेश कुमार ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला निरीक्षक सतीश कुमार सिंह मौजूद थे। इस अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर तथा सरस्वती शिशु मंदिर के विभिन्न इकाइयों से आए प्रधानाचार्य तथा लल्लू पोखर विद्यालय के आचार्य समूह के द्वारा तत्कालीन प्रधानाचार्य जयंत चौधरी को अंग वस्त्र उपहार एवं पुष्प कुछ देकर सम्मानित किया गया। ज्योति युगल सरस्वती शिशु मंदिर फुलका के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार तथा पूर्व आचार्य श्रीधर कुमार ने उपहार एवं गुलाब भेंट कर जयंत चौधरी को नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी। मौके पर पंकज कुमार सिन्हा, पूर्णिमा गुप्ता, निभा कुमारी, काव्या सोनी, शिप्रा गुप्ता, बिंदिया कुमारी, अकदस सना, मनीष कुमार, नीरज कुमार, निलेश कुमार मौजूद थे।

सामाजिक लोगों ने उठाया समाज को नशा मुक्त करने का बीड़ा

अररिया । फारबिसगंज के रामपुर में पिछले दिनों नशे में आदि युवकों द्वारा एक युवक की नृशंसतापूर्वक की गई हत्या के बाद नशा मुक्ति को लेकर ग्रामीणों द्वारा छेड़ा गया अभियान अब ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्र में भी फैलनी शुरू हो गई है। नशे के आदि युवा पीढ़ी को नशा से मुक्त कराने और उन्हें जागरूक करने को लेकर फारबिसगंज के जुम्मन चौक पर सोमवार शाम सामाजिक कार्यकर्ता एवं राजद के नगर निकाय प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष वाहिद अंसारी के नेतृत्व में सामाजिक लोगों की एक बैठक हुई,जिसमें जुम्मन चौक और उसके आसपास के इलाकों में नशे की अवैध बिक्री और नशे के लिए आने वाले युवकों को खदेड़े जाने की रणनीति पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की गई। बैठक में युवाओं को नशे से होने वाले नुकसान और स्वास्थ्य को होने वाली हानि को लेकर जागरूक करने पर बल दिया गया।समाज से नशा को मुक्त कर आदर्श समाज स्थापित किए

आनंद पूर्णिमा उत्सव – बाबा श्री श्री आनंदमूर्ति जी के जन्मोत्सव पर भव्य आयोजन

जमालपुर। बाबानगर के रूप में प्रसिद्ध जमालपुर शहर के वलीपुर स्थित आनंदमार्ग आश्रम, मधु मंजुल में विगत 9 मई से आरम्भ हुए 72 घंटे का अखंड संकीर्तन का विधिवत समापन हो गया। बाबा नाम केवलम्‍ के मंत्रोच्चारण के साथ चल रहे तीन दिवसीय संकीर्तन के उपरांत ध्यान और विशेष साधना का आयोजन किया गया। परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री आनंदमूर्ति जी का जन्म वर्ष 1921 में बैसाखी पूर्णिमा, जो आनंद मार्ग में आनंद पूर्णिमा के नाम से प्रसिद्ध है, के पावन अवसर पर संपूर्ण विश्व में आनंदमार्गी अनुयायी बड़े हर्षोल्लास के साथ इस दिव्य दिन को मनाते हैं। प्रातः 6:07 बजे गुरुदेव के जन्म के शुभ क्षण पर शंख ध्वनि के साथ जयघोष किया गया। इसके उपरांत, प्रभात संगीतों में से पांच चयनित गीतों का समर्पित भाव से गायन किया गया। जिससे संपूर्ण वातावरण भक्ति और आनंद से भर गया। श्रद्धालु झूम उठे और भावविभोर हो गए। इसके पश्चात ध्यान, संकीर्तन और आनंदवाणी पाठ का आयोजन हुआ। ज्ञातव्य है कि आनंद मार्ग प्रचारक संघ की केंद्रीय समिति द्वारा प्रतिवर्ष आनंदवाणी का चयन किया जाता है, जिसे समस्त विश्व में इस दिन श्रद्धापूर्वक पढ़ा और आत्मसात किया जाता है। इस पाठ के माध्यम से समाज सेवा का संकल्प लिया जाता है। उक्त अवसर पर केंद्रीय संपर्क सचिव आचार्य कल्याणमितत्रानंद अवधूत ने आनंद वाणी का सारगर्भित व्याख्यान दिया। तत्पश्चात एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो वलीपुर आश्रम से प्रारंभ होकर सदर फाड़ी, सदर बाजार होते हुए बाबा के जन्मस्थान दलहट्टा, केशोपुर तक पहुंची। वहां पर भी प्रभात संगीत, संकीर्तन बाबा नाम केवलम कीर्तन एवं आनंदवाणी, व्याख्यान का आयोजन हुआ, जिसमें आचार्य रूद्रप्रकाशआनंद जी ने अपने

विचार प्रस्तुत किए। पूरे दिनभर वलीपुर आश्रम में विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। तपती गर्मी को देखते हुए आश्रम परिसर एवं बाबा जन्मस्थान पर शरबत का वितरण किया गया, जिससे हजारों स्थानीय लोग लाभान्वित हुए। इसके अतिरिक्त सैकड़ों लोगों को नारायण सेवा के अंतर्गत भोजन कराया गया तथा 104 साड़ी का वितरण भी किया गया। सांयकालीन कार्यक्रमों में प्रभात संगीत पर आधारित लगभग 10 प्रस्तुतियों का आयोजन होगा, जिसमें आनंद मार्ग के बच्चों द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। इसके उपरांत सम्मिलित आहार का भी आयोजन किया जाएगा। चार दिनों तक चले इस कार्यक्रम में आध्यात्मिक और सामाजिक दोनों ही स्तरों पर शहर को विशेष रूप से लाभ हुआ। यह उत्सव इस बात का प्रमाण है कि आनंद मार्ग केवल साधना ही नहीं, समाज सेवा में भी सदैव अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। इस आयोजन को सफल बनाने में डायसिस सचिव आचार्य सद्विरानंद अवधूत, केंद्रीय जनसंपर्क सचिव आचार्य कल्याणमित्रानंद अवधूत, मुंगेर के भूक्तिप्रधान रंजीत कुमार, हांगकांग के धर्म प्रचार सचिव आचार्य रूद्रप्रकाशानंद, रमेश, प्रफुल्ल, विवेक, श्यामकांत, ब्रजेश एवं अन्य समर्पित सेवकों ने योगदान दिया।

जगधत्री पूजा समिति की ओर से तपिश भरी गर्मी में रेल यात्रियों के बीच वितरित किए गए शीतल पेयजल

समिति की ओर से मॉडल रेलवे स्टेशन परिसर में लगाया निःशुल्क पेयजल सेवा शिविर

जमालपुर। तपिश भरी गर्मी से रेल यात्रियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सोमवार को अमृत भारत रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित जमालपुर स्टेशन परिसर में मां जगधत्री पूजा समिति रामपुर कॉलोनी जमालपुर की ओर से निशुल्क पेयजल सेवा शिविर लगाया गया। रेल यात्रियों के लिए लगाया जाए निशुल्क पेयजल सेवा शिविर का नेतृत्व समिति के संयोजक रिंकू सिंह कर रहे थे। सेवा समिति के माध्यम से जमालपुर रेलवे स्टेशन पर आने जाने वाले रेल यात्रियों के बीच निशुल्क शीतल पेयजल वितरित किए गए। सेवा शिविर के आरंभ में पूर्व टिकट निरीक्षक जेएन सिंह की पांचवी

पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सेवा शिविर के माध्यम से स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक एवं दो पर आने जाने वाले यात्रियों को पानी का बोतल वितरण किया गया। जबकि मुजफ्फरपुर-भागलपुर इंटरसिटी, किऊल-मालदा ट्रेन के जनरल बोगी में सफर करने वाले यात्रियों को पानी पिलाकर गर्मी से राहत पहुंचाने का काम किया। इधर जगधत्री पूजा समिति की ओर से यात्रियों की सेवा पानी पिलाकर किए जाने पर रेल अधिकारियों ने जगधत्री पूजा समिति को धन्यवाद ज्ञापन किया। स्टेशन प्रबंधक संजय कुमार ने कहा कि इस भीषण गर्मी में रेल यात्रियों को पानी पिलाकर समिति के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता पुण्य का कार्य कर रहे हैं। मौके पर सफाई निरीक्षक मुकेश कुमार, जगधत्री पूजा समिति के अध्यक्ष रामगोपाल शर्मा, सचिव कमल किशोर पासवान, कोषाध्यक्ष अमित कुमार, संजय सिंह, मनोज सिंह,विनोद सिंह, गुड्डू, उत्तम,रिया, छवि बनर्जी, बंदना सिंह, श्वेता सिंह, मिली गांगुली सहित समिति के अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

मोहनपुर गांव से चोरी हुई ट्रैक्टर पांच दिन बाद बरामद

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर। धरहरा थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव से चोरी हुआ ट्रैक्टर पुलिस ने शाहपुर थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव से बरामद किया। साथ ही पुलिस ने इस संबंध मे एक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक सूर्यगढ़ा थाना क्षेत्र के अलीनगर गांव निवासी जनार्दन यादव का पुत्र धीरज कुमार है। पुलिस गिरफ्तार युवक से गहन पूछताछ कर रही है।युवक से पूछताछ के क्रम मे पुलिस को पता चला कि उसके पिता और भाई भी ट्रैक्टर चोरी मामले मे पूर्व से जेल मे बंद है।थानाध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार पाठक ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर चोर को ट्रैक्टर के साथ पकड़ा गया है।बरामद किए गए ट्रैक्टर पर अंकित इंजन व चेसिस नंबर का मिलान कर लिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मंगलवार को आरोपी को कोर्ट मे पेश कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब हो कि मोहनपुर गांव निवासी कपिलदेव यादव के पुत्र नीतीश कुमार का 7 मई को खुशहालपुर बजरंगबली के पास से ट्रैक्टर ट्रेलर समेत चोरी कर ली गई थी। घटनास्थल बाद आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा था । चर्चा है कि ट्रैक्टर चोरी मामले मे स्थानीय कुछ लोगो की मिलीभगत है। सीसीटीवी फुटेज मे कुछ लोगो पर आशंका जताई जा रही है।हालांकि पुलिस इसकी खंडन कर रही है।

बुद्ध पूर्णिमा पर अंबेडकर युवा मंच की ओर से आयोजित की गई बुद्ध जयंती सह महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

मुंगेर। बुद्ध पूर्णिमा के पावन मौके पर सोमवार को मुंगेर जिला मुख्यालय से सटे पूरब सराय स्थित संत शिरोमणि रविदास आश्रम में अंबेडकर युवा मंच के तत्वावधान में बुद्ध जयंती सह महापरिनिर्वाण दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाल्मीकि पासवान व मंच संचालन प्रदेश अध्यक्ष मणि कुमार बौद्ध ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता बीआरएम कॉलेज मुंगेर के प्राध्यापक प्रोफेसर डॉक्टर अभय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि महात्मा बुद्ध आज के ही दिन जन्म लिए थे। आज ही के दिन इनको ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और आज के ही दिन महात्मा बुद्ध महापरिनिर्वाण हुए थे। दुनिया को चार आर्य सत्य दिए, इस संसार में दुख है। इसका कारण है, तो इस

दुख का निवारण भी है। महात्मा बुद्ध ने कहा था कि मैं कोई मुक्तिदाता नहीं हूं, बल्कि मार्गदर्शक हूं। बुद्ध ने हमें युद्ध नहीं मानवता का पाठ पढ़ाया। भारत बुद्ध की धरती है, बुद्ध ने मानवता के पाठ पढ़ाया। मणि कुमार बौद्ध ने अष्टांगिक मार्ग पर चर्चा करते हुए कहा कि अष्टांगिक मार्ग बुद्ध द्वारा सिखाई गई प्रथाओं का एक समग्र और परस्पर संबद्ध समूह है, जो स्वयं को दुख से मुक्ति दिलाने और ज्ञान प्राप्त करने का एक तरीका है। रिसर्च स्कॉलर हेमंत कुमार ने पंचशील के महत्व पर विशेष रूप से चर्चा किया। जबकि रिसर्च स्कॉलर अमन रंजन यादव ने संघ, धम्म एवं दसशील पर विशेष चर्चा की। मौके पर अवधेश पासवान, रंजीत पासवान, रघुनंदन दास, चंदन दास ,संजय दास ,राकेश कुमार, मिथिलेश कुमार, विकास चंद्र, उजाला चंद्रा, सुधा पासवान, नंदन पासवान, विपिन कुमार, वकील वीरेंद्र कुमार, आजाद गौतम,शिक्षक राम जी मौजूद थे।

बुद्ध ने दिया था अमन चैन व शांति का संदेश:तेजस्वी

पूर्वी चंपारण, । अमन चैन व शांति का संदेश बुद्ध ने विश्व को दिया था, हमारे देश की यह खूबसूरती है कि अलग-अलग भाषा पहनावा यानी अनेकता मे एकता ही हमारी पहचान है। बेरोजगारी इस वक्त की सबसे बड़ी दुश्मन है, इससे हमसभी को लड़ना होगा। बिहार मे प्रति व्यक्ति आय मे बिहार सबसे पिछड़ा है । अब बिहार मे एक नये सरकार की गठन आपलोग किजिये, हमारी सरकार बनने के बाद बिहार को एक समृद्ध राज्य बनायेंगे । पहाड़पुर प्रखंड क्षेत्र के सिसवा कोड़र गाँव मे स्थित बौद्ध विहार में सोमवार को बुद्ध जयन्ती के अवसर पर आयोजित बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव मे मुख्य अतिथि के रुप मे बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा,कार्यक्रम की शुरूआत बौद्ध विहार मे स्थित भगवान बुद्ध मे मूर्ति पर माल्यार्पण साथ किया गया। मौके पर पीसी चन्द्रा व केसरिया के भंते बुद्ध शरण के मौजूद रहे। कार्यक्रम को राजद जिलाध्यक्ष व कल्याणपुर विधायक मनोज यादव,आलोक मेहता संजय यादव विधायक शशि सिंह राजेन्द्र कुमार राम लक्ष्मीनारायण यादव व कांग्रेस जिलाध्यक्ष गप्पू राय ने भी किया कार्यक्रम की अध्यक्षता नयन कुशवाहा व मंच संचालन दुर्गेश नारायण सिंह ने किया । कार्यक्रम

में बौद्ध विहार संचालन समिति के अध्यक्ष आनन्द कुशवाहा उपाध्यक्ष बुलेट सिंह कुशवाहा महासचिव शैलेश सिंह कुशवाहा संजय सिंह कुशवाहा चितरंजन कुशवाहा अखिलेश सिंह मौर्य सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा शत्रुघन कुशवाहा अवधेश सिंह कुशवाहा अमित सिंह कुशवाहा अनिल कुशवाहा नीरज मौर्य मुकेश कुशवाहा अरुण कुशवाहा मधुरेन्द्र कुशवाहा सहित भारी संख्या मे लोग मौजूद थे।

शेखपुरा पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, मोस्ट वांटेड नक्सली व बैंक लुटेरा सहित इनामी अपराधी गिरफ्तार

कैमूर का कुख्यात शूटर व शेखपुरा का इनामी बदमाश पकड़ा गया

रंजीत विद्यार्थी

शेखपुरा (मुंगेर): मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत शेखपुरा जिला पुलिस एवं एसटीएफ को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. बिहार स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने दो दिनों तक अलग-अलग जिलों में छापेमारी कर चार वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है. इनमें एक नक्सली, एक बैंक डकैती का अभियुक्त एक कुख्यात शूटर और शेखपुरा का टॉप-10 इनामी बदमाश धनराज शामिल है. सभी अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहे थे और इन पर कई संगीन धाराओं में मामले दर्ज हैं. एसटीएफ की कार्रवाई से तीनों जिलों की पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. गया जिले के आमस थाना क्षेत्र से वांछित नक्सली देव कुमार पासवान धराया: एसटीएफ की विशेष टीम ने 10 मई को गया जिले के आमस थाना क्षेत्र से वांछित नक्सली देव कुमार पासवान को गिरफ्तार किया. उल्लेखनीय है कि 8 नवंबर 2018 को डुमरिया थाना क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षा बलों द्वारा चलाये गये सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों ने आइईइडी ब्लास्ट किया था. इस घटना में देव कुमार की संलिप्तता पाई गई थी. लंबे समय से वह फरार चल रहा था. मुजफ्फरपुर में बैंक लूट का आरोपी चंदन कुमार पकड़ा गया: उसी दिन मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र से वांछित अपराधी चन्दन कुमार को गिरफ्तार किया गया. वह ब्रजेश कुमार का पुत्र है और मीनापुर थाना क्षेत्र के जामिन मठिया का निवासी है. उसके खिलाफ मोतीपुर थाना कांड संख्या 41/20 के तहत धारा 395 भा.दं.वि. के अंतर्गत मामला दर्ज है. इस कांड में बैंक ऑफ इंडिया,

मोतीपुर शाखा से करीब 14 लाख रुपये की लूट की गई थी. जांच में सामने आया कि चन्दन इस डकैती का मुख्य अभियुक्त है. एसटीएफ ने उसे कांटी क्षेत्र से छापेमारी कर पकड़ा. कैमूर के खजुरा बाजार हत्याकांड में शामिल मो अफरोज गिरफ्तार: 11 मई को एसटीएफ ने पटना के फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र से कुख्यात अपराधी मो अफरोज को दबोच लिया. वह मो फिरोज का पुत्र है और बीबीगंज चिटकोली, पटना का निवासी है. उस पर दुर्गावती थाना, कैमूर के कांड संख्या 150/25के तहत बीएनएस की धारा 109, 103, 3(5) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत मामला दर्ज है. मो अफरोज ने अपने साथियों के साथ नौ मई को खजुरा बाजार (दुर्गावती) में फायरिंग की थी, जिसमें उत्तर प्रदेश के चन्दौली जिले के निवासी तारकेश्वर पासवान एवं कृष्णा पासवान की गोली लगने से मौत हो गई थी. वह हत्या, लूट और आर्म्स एक्ट से जुड़े कई मामलों में पटना एवं कैमूर जिले में वांछित था. शेखपुरा का टॉप-10 इनामी बदमाश धनराज गिरफ्तार बिहार एसटीएफ और शेखपुरा पुलिस ने 11 मई को बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले के टॉप-10 अपराधियों में शामिल 25 हजार के इनामी बदमाश राजकुमार उर्फ धनराज कुमार को गिरफ्तार कर लिया. वह बरबीघा थाना क्षेत्र के बेलवा गांव निवासी सोनू राउत का बेटा है और कई संगीन मामलों में वांछित था. पुलिस ने उसे बरबीघा थाना कांड संख्या 50/24, मामले में गिरफ्तार किया है. उस पर भारतीय दंड विधान की धारा 394 के तहत लूट का केस दर्ज था. जानकारी के अनुसार, 3 फरवरी 2024 को बरबीघा क्षेत्र के राकेश कुमार के घर में हथियारबंद लुटेरों ने धावा बोल दिया था. अपराधियों ने परिवार को बंधक बनाकर स्वर्ण आभूषण और नगदी लूट ली थी. जांच में राजकुमार उर्फ धनराज की संलिप्तता सामने आई थी, जिसके बाद से वह फरार चल रहा था.उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था. एसटीएफ और शेखपुरा पुलिस की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर उसे पकड. लिया. धनराज के खिलाफ बरबीघा थाना में लूट, रंगदारी और हथियारबंदी से जुड़े कई गंभीर मामले दर्ज हैं. पुलिस अब उससे पूछताछ कर उसके गैंग और अन्य वारदातों की कड़ियां जोड़ने में जुटी है. उसकी गिरफ्तारी से इलाके में दहशत के बाद भी राहत का माहौल है.

एक नजर

ट्रांसफार्मर खराब रहने से भलार गांव मे बिजली गुल

दिव्य दिनकर संवाददाता

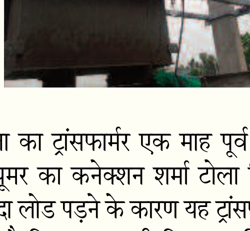

धरहरा। धरहरा प्रखंड क्षेत्र के भलार गांव के विद्युत उपभोक्ताओं को इस भीषण और तपिश भरी गर्मी में बिना बिजली के जीने को मजबूर होना पड़ रहा है। प्रचंड गर्मी मे भलार गांव की बिजली गुल रहने से उपभोक्ता परेशान है। उपभोक्त-ाओ ने बताया कि हरिजन टोला का ट्रांसफार्मर एक माह पूर्व जल गया। उक्त टोला के सभी कंज्यूमर का कनेक्शन शर्मा टोला स्थित ट्रांसफार्मर मे कर दिया गया। ज्यादा लोड पड़ने के कारण यह ट्रांसफार्मर भी खराब हो गया। स्थिति यह है कि जब इसकी शिकायत विद्युत विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारी बाबू को करते है तो वह फोन तक नही उठाते है। इस बात को लेकर स्थानीय लोगो मे आक्रोश है। प्रेम मोहन सिंह, बिरजू सिंह, शेखर सिंह धोनी सहित दर्जनों उपभोक्त-ाओं ने समस्या का यथाशीघ्र निदान नही किए जाने पर जन आंदोलन की चेतावनी दी। बात विद्युत विभाग के करें तो विद्युत विभाग के अधिकारी उपभोक्ताओं की आम समस्याओं के प्रति इस कदर उदासीन रवैया अपनाते हैं जैसे उन्हें विद्युत उपभोक्ताओं से महज बकाया बिजली बिल वसूलने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कई ट्रांसफार्मर में लगे उपकरणों की निम्न गुणवत्ता के कारण आए दिन ट्रांसफार्मर में गर्मी के दिनों में लोड बढ़ते ही ट्रांसफार्मर में छोटी-मोटी समस्याएं आने लगती है। जिस-के ऊपर समय रहते ध्यान नहीं दिए जाने के कारण अंततः ट्रांसफार्मर ओवरलोड के कारण जल जाता है। विद्युत विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण आम विद्युत उपभोक्ताओं को परेशानियां उठानी पड़ती है।

चेक बाउंस मामले का निष्पादन किया गया

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला जज राजकुमार वन और सचिव न्यायधीश तान्या पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में चेक बाउंस के मामले का निष्पादन में पक्ष-कारों को ओर अधिक रूचि लेने की जरूरत है, ताकि उनकी वित्तीय लेनदेन की समस्या का अधिक से अधिक निष्पादन हो , अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि इस बार व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत में एसिजेएम सप्तम कोर्ट के चेक बाउंस वाद के अभियोग संख्या -983/13 दोनों पक्षों के सहमति से निष्पादन कराया गया है,इस वाद के सुचक सुधीर कुमार सिंह शिवाजी पथ शक्ति नगर औरंगाबाद ने चेकवाउस मामले में नौरंजन पॉजा अकुई इन्दास बांकु-ड़ बंगाल पर केस दर्ज कराई जिसमें कहा था कि अपने मिल से गल्ले के खरिद बिक्री में 6 लाख 60 हजार बकाया था नौरंजन पॉजा ने दो चेक दिया था जो वाउंस हो गया था, वहीं एक दुसरे विकास कुमार कोर्ट के वाद संख्या -456/22 में अभियोगी अनील कुमार आजन मदनपुर ने 8 लाख पचास हजार लेकर अभियुक्त के चेक से पैसा भुगतान नहीं होने पर चेक बाउंस का केस 31/05/22 को युगेश प्रसाद वर्मा दधपी मदनपुर पर किया था, दोनों पक्षों को सूलह समझौता होने पर राष्ट्रीय लोक अदालत में निष्पादन कराया गया है, दोनों पक्षों ने खुशी जताई है।

आदर्श विवाह जागरुकता समारोह की तैयारी पूरी किया गया - सिद्धेश्वर विद्यार्थी

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में आदर्श विवाह जागरुकता समारोह की तैयारी पूरी किया गया - सिद्धेश्वर विद्यार्थी। बताते चलें कि इस समारोह कार्यक्रम की तैयारी समिक्षा बैठक के दौरान सामने आई। बैठक जनेश्वर विकास केंद्र के अध्यक्ष रामजी सिंह की अध्यक्षता और कार्यक्रम संयोजक आदित्य श्रीवास्तव के संचालन में संपन्न हुई। जनेश्वर विकास केन्द्र के सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि समिक्षा के अनुसार समारोह का उद्घाटन 13 मई को 2 बजे सिन्हा कालेज के प्रिंसिपल श्री सुधीर कुमार मिश्रा, पंचदेव धाम के संस्थापक श्री अशोक कुमार सिंह एवं आर एन ग्रुप औफ इंस्टीट्यूशन के निदेशक श्री शंभू पांडेय के हाथों किया जाएगा । तत्पश्चात ₹ दें दिया घर की दीया, फिर भी कहते क्या दियार₹ विषय पर संगोष्ठी आयोजित किया जाएगा । इसके मुख्य वक्ता के रूप में संपादक डा सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, प्रो दिनेश प्रसाद, प्रो संजीव रंजन, कवि लवकुश प्रसाद सिंह, विधि संघ के पूर्व अध्यक्ष रसि-क बिहारी सिंह , अधिवक्ता संघ अध्यक्ष संजय सिंह सहित जिले के नामचीन हस्तियां होंगे। इसके बाद पारंपरिक विवाह गीत प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। इसके तहत पुराने और परंपरा से जुड़े गीतों को शामिल किया जाएगा । चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा । अंत में बिना ताम-झाम और दहेज रहित आदर्श विवाह करने वाले जोड़ों को सम्मानित किया जाना है । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दहेज रुपी दानव को समाप्त करने का प्रयास है । दहेज के कारण आज बेटियां उपेक्षित है । बैठक में प्रो संजीव रंजन, कवि लवकुश प्रसाद सिंह, साहित्य संवाद सचिव उज्जवल रंजन ,प्रो दिनेश प्रसाद, साहित्य संवाद संयोजक लालदेव प्रसाद, सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद कुमार सिंह , कला कौशल के संयोजक आदित्य श्रीवास्तव उपस्थित थे।

कैथी नहर मोड़ पर दर्दनाक हादसा,यात्री शेड में घुसी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो

चालक की मौत, महिला गंभीर रूप से घायल पटना रेफर

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)। गोह थाना क्षेत्र के कैथी नहर के समीप स्थित यात्री शेड में सोमवार की अपराह्न करीब ढाई बजे एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो के जबरदस्त टक्कर मारने से मौके पर ही चालक की मौत हो गई, जबकि वाहन में सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। मृतक की पहचान भोजपुर जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ता-राव गांव निवासी 47 वर्षीय बिनोद राम, पिता हरी बंस राम के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोह ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें पटना रेफर कर दिया। शादी में शामिल होकर लौट रही थी महिला जानकारी देते हुए मलहद निवासी पूर्व पैक्स अध्यक्ष मंटू शर्मा ने बताया की नासरीगंज थाना क्षेत्र के धोबडीहा गांव निवासी हरेंद्र तिवारी की पत्नी पूनम देवी नौ मई को अपने मामा कृष्णनंदन शर्मा के घर मलहद गांव शादी समारोह में शामिल होने आई थीं। उनकी पुत्री की शादी दस मई को थी। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सोमवार को पूनम देवी चालक बिनोद राम के साथ स्कॉर्पियो से वापस लौट रही थीं। तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह पूनम देवी ने बताया कि चालक स्कॉर्पियो को बहुत तेज गति से चला रहा

था। उन्होंने बार-बार गाड़ी की रफ्तार कम करने को कहा, लेकिन चालक नहीं माना। जैसे ही वाहन कैथी नहर मोड़ के पास पहुंचा, स्कॉर्पियो सीधे यात्री शेड में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि यात्री शेड की छत उखड़कर वाहन पर गिर गई, जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जेसीबी से निकाला गया मलबे में दबा वाहन घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। गोह थाना अध्यक्ष मो. इरशाद ने बताया कि पहले ट्रैक्टर की मदद से मलबे में दबे वाहन को निकालने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। इस-के बाद जेसीबी मंगाकर मलबा हटाया गया और स्कॉर्पियो को बाहर निकाला गया। मौके पर पहुंचे एसआई रविन्द्र कुमार और रंजीत कुमार ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया। हादसे के बाद क्षेत्र में मातम का माहौल है।

अष्टभुजी धाम पिपरा को पर्यटन स्थल का दर्जा दिलाने का भरपूर प्रयास करूंगा नबीनगर विधायक- विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के बारुण प्रखंड के मशहूर ग्राम पिपरा में अवस्थित अष्टभुजी माता मंदिर के प्रांगण में अष्टभुजी महोत्सव की श-ुरूआत सुबह-सबेरे योग्य आचार्यों के वेद मंत्रोंच्चार के साथ की गई। अष्टभुजी महोत्सव समिति के आयोजित कार्यक्रम में अखिलेश मिश्रा नीरज मिश्रा द्वारा विशेष पूजा अर्चना कराई गई। षोडशोपचार विधि से पूजा अर्चना में यजमान के रूप में सुधीर पाल,अक्षय लाल गुप्ता, कुंदन भगत ने सराहनीय भूमिका निभाई। उसके बाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नवीनगर के वर्तमान विधायक विजय कुमार सिंह उर्फ डब्ल्यू बाबू जदयू के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुनिल कुमार,डॉ चंदन कुमार, मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह, प्रोफेसर विजय कुमार सिंह चुलबुल सिंह, सत्यचंडी धाम महोत्सव के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह,जिप प्रतिनिधि सत्येंद्र कुमार सिंह, हम के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील चौबे आयोजन

समिति के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष अजय कुमार, कोषाध्यक्ष रामेश्वर भगत,आलोक गुप्ता,संरक्षक अजीत मिश्रा, संयोजक सुरेश विद्यार्थी एवं अन्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। सभी अतिथियों को आयोजन समिति द्वारा पुष्प गुच्छ अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विजन क्लासेस के बच्चों द्वारा स्वागत गान की प्रस्तुति की गई। प्रदेश जदयू के वरीय नेता सुनील सिंह ने अपने संबोधन के क्रम में कहा कि शक्ति की पूजा बहुत ही प्राचीन है। बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर महात्मा बुद्ध की कहानी भी सुनाई। मुख्य अतिथि डब्लू बाबू ने कहा कि अष्टभुजी धाम को हम पर्यटक स्थल का दर्जा दिलाने का भरपूर प्रयास करुंगा। हमसे जितना संभव हो सकेगा हम इस स्थल को अपनी ओर से विकास करने का प्रयास करूंगा यह भी कहा कि मीडिया कर्मी लोग इस स्थल का जितना हो सके प्रचार कर सके तभी स्थल का अपेक्षित विकास होगा प्रोफेसर विजय कुमार सिंह ने इस स्थल की प्राचीनता की चर्चा की। मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह ने अष्टभुजी माता के उपासना को शक्ति उपासना का सर्वोपरि माध्यम बताया।तत्पश्चात विद्यालयी बच्चों का कार्यक्रम की शुरूआत की गई।विजन इंटर क्लासेस के डायरेक्टर आनंद कुमार के नेतृत्व में विद्यालयी बच्चों ने एक से एक बढ़कर प्रस्तुति दी।अष्टभुजी माता पर आधारित गीत प्रस्तुत किए गए हैं ए गिरी नंदिनी गीत की प्रस्तुति की गई दहेज गीत की प्रस्तुति की गई।सामूहिक नृत्य एवं एकल नृत्यकी शानदार प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय कुमार सिंह ने की जबकि संचालन की जिम्मेवारी पूर्व प्रधानाध्यापक राम प्रताप भारती ने निभाई। विभिन्न महोत्सव के आयोजकों को अंग वस्त्र मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। मौके पर नीतीश पांडेय, पैक्स अध्यक्ष नरेंद्र पांडेय,पूर्व मुखिया रमेश कुमार सिंह पंचायत समिति सदस्य सुनील यादव, शक्ति मिश्रा फाउंडेशन के अध्यक्ष शक्ति मिश्रा सौनोरा पैक्स के अध्यक्ष चंदन कुमार सिंह मधुसूदन त्रिवेदी सहित अन्य उपस्थित थे।

भाजपा के पूर्व विधायक अनिल सिंह पर प्राथमिकी

नवादा, ।नवादा नगर थाने में सोमवार को हिसुआ के भाजपा के पूर्व विधायक अनिल सिंह पर एक भाजपा कार्यकता ने लात घुसे से मारपीट और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है ।पीड़ित भाजपा कार्यकर्ता सह सोशल मीडिया क्षेत्रीय प्रभारी अविनाश कुमार ने इस घटना की लिखित शिकायत नगर थाना की पुलिस से कर पुलिस प्रशासन से जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाया था. जिस पर सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी है। नगर थाना की पुलिस को दिए गए लिखित शिकायत में भाजपा कार्यकर्ता वारसलीगंज थाना क्षेत्र के कोचगाँव के निवासी राजनीति सिंह के पुत्र अविनाश कुमार ने बताया है कि 8 मई को संध्या 5 बजे अपने साथी के साथ परिषद नवादा में मंत्री जीवेश मिश्रा से मिलने गए थे,जहां हिसुआ के पूर्व विधायक अनिल सिंह और उनके सहयोगी बगोदर हिसुआ के निवासी मुरारी सिंह और चितरंजन कुमार एवं पकड़िया गांव के संतोष

कुमारगाली गलौज कर लात घुसे से मारपीट करने लगे । जान से मारने की धमकी दी गई । कार्यकर्ता अविनाश कुमार ने पुलिस को दिए गए लिखित शि-कायत में यह भी बताया है कि भविष्य में हमारी जान माल का कोई नुकसान होता है तो इसके जिम्मेवार हिसुआ के पूर्व विधायक अनिल सिंह एवं उनके सहयोगी मुरारी सिंह ,चितरंजन कुमार और संतोष कुमार होंगे। फिलहाल इस घटना के बाद नगर थाना की पुलिस हिसुआ के पूर्व विधायक अनिल सिंह पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

रक्सौल बॉर्डर से 13 वर्षीय नाबालिग लड़की की मानव तस्करी की कोशिश नाकाम

-नेपाली युवक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण,)। भारत-नेपाल के रक्सौल बार्डर से मानव तस्करी की एक बड़ी कोशिश को एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम ने नाकाम कर दिया गया। सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती कर एक नेपाली युवक 13 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर नेपाल ले जाने की कोशिश कर रहा था लेकिन एसएसबी 47वीं बटालियन की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चंपारण और न्याय नेटवर्क परियोजना की संयुक्त का-र्रवाई में आरोपी युवक को रक्सौल बॉर्डर के पास इंडियन ऑयल डिपो से गिरफ्तार कर लिया गया। गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने

बॉर्डर के पास संदिग्ध हालत में एक युवक और नाबालिग लड़की को पकड़ा। काउंसलिंग के दौरान लड़की ने बताया कि कुछ दिनों से सोशल मीडिया के माध्यम से युवक से उसकी बातचीत हो रही थी। युवक ने उसे घर से चुपचाप निकल कर घोड़ासहन स्टेशन आने को कहा था, जहां से ट्रेन द्वारा वह उसे रक्सौल लेकर आया और फिर नेपाल ले जाने की योजना थी। लड़की ने बताया कि यह उनकी पहली मुलाकात थी और युवक ने नेपाल में शादी कर नौकरी करने का सपना दिखाया था। लड़की घोड़ासहन थाना क्षेत्र की निवासी है और उसकी उम्र लगभग 13 वर्ष है। इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है। मौके पर मौजूद टीम में एसएसबी इंस्पेक्टर विकास कुमार, अरविंद द्विवेदी, शिवांगी राज, जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी, सामाजिक कार्यकर्ता राज गुप्ता, गौरव कुमार दास समेत अन्य सदस्य शामिल थे। इस प्रकार एसएसबी,पुलिस और सामाजिक संगठनों की सक्रियता से एक और मासूम की जिंदगी बचा ली गई है।

किसान महापंचायत आज और कल, दूसरे दिन शामिल होंगे सांसद राजाराम सिंह

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) हमीदनगर पुनपुन बराज परियोजना से प्रभावित किसानों की समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा, अंचल कमिटी गोह के तत्वावधान में आज 13 व 14 मई को उपहारा थाना क्षेत्र के महेश परासी गांव में दो दिवसीय किसान महापंचायत का आयोजन किया गया है। इस दौरान कार्यक्रम के पहले दिन क्षेत्रीय किसान नेताओं द्वारा समस्याओं और मांगों पर चर्चा की जाएगी, जबकि दूसरे दिन कार-ाकाट के सांसद कामरेड राजाराम सिंह एवं किसान सभा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य कामरेड सरेश प्रसाद यादव व नेता श्याम सुंदर सभा को संबोधित करेंगे। महापंचायत की मुख्य मांगो मे सर्किल रेट से चार गुना अधिक मुआवजा दिया जाए।बकाश्त जमीन को रैयती घोषित किया जाए।बगीचों का मुआवजा उनकी आयु के अनुसार तय हो।जमीन की खरीद-बिक्री पर लगी रोक हटाई जाए।विस्थापित किसानों को पुनर्वासित किया जाए।किसान नेता श्याम सुंदर पर दर्ज फर्जी मुकदमा वापस लिया जाए।किसानों पर दमन करने वाले अधिकारियों को बर्खास्त किया जाए।लिफ्टिंग सिस्टम के माध्यम से सिंचाई की व्यवस्था की जाए।

दाउदनगर प्रखंड इकाई में प्रजापति समाज के कार्यकारिणी कमिटि का हुआ गठन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार कुम्हार (प्रजापति) समन्वय समिति प्रखंड इकाई दाउदनगर में 11 मई 2025 दिन रविवार को प्रखंड अध्यक्ष श्री बिनोद कुमार प्रजापति जी बारुण रोड, दाउदनगर के आवास पर उनकी अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गयी। जिसमें उपस्थित सदस्यों में से प्रखंड स्तरीय कार्यकारिणी कमिटि का गठन किया गया। प्रखंड संरक्षक के रूप में श्री लाल बहादुर प्रजापति, संयोजक श्री अजय प्रजापति, प्रवक्ता डॉ अमरजीत प्रजापति, उपाध्यक्ष श्री उदय प्रजापति, संयुक्त सचिव श्री राजेन्द्र प्रजापति, संगठन सचिव धर्मेन्द्र पंडित, युवा प्रखंड अध्यक्ष शिवपूजन प्रजापति, युवा प्रखंड सचिव चन्दन प्रजापति, महिला प्रखंड अध्यक्षा सोनिया कुमारी प्रजापति, महिला प्रखंड सचिव ममता देवी, प्रखंड कार्यालय सचिव राजदेव प्रजापति, सक्रिय सदस्य के रूप में कृष्णा प्रजापति, डॉ अजित कुमार प्रजापति, श महेंद्र प्रजापति, उमेश प्रजापति, गोपाल प्रजापति, नवल प्रजापति, उपेन्द्र प्रजापति, धिरेन्द्र प्रजापति, अनिल कुमार प्रजापति, चंद्रशेखर प्रजापति एवं सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में गोपाल प्रजापति, राजु प्रजापति, राधालाल प्रजापति, संतोष कुमार तथा रामा प्रजापति को सर्वसम्मति से चुना गया। साथ ही यह भी चर्चा हुई कि मिलर हाई स्कूल पटना में आगामी 25 मई 2025 को 'प्रजापति हुंकार रैली' को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर सफल बनाने एवं चट्टानी एकता के साथ मजबूती प्रदान करने के लिए रूपरेखा तैयार किया जा सके। बैठक में प्रखंड सचिव गुप्तेश्वर प्रजापति, कोषाध्यक्ष लौकेश कुमार प्रजापति,अनुमंडलीय अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति, प्रखंड मीडिया प्रभारी सुनील कुमार प्रजापति एवं अन्य सभी प्रजापति समाज के सदस्यगण उपस्थित रहे।

कम्युनिष्ट नेता और शिक्षक के जन्मदिन पर लगाया गया पौधा

रिपोर्ट - निशांत कुमार

हसपुरा (औरंगाबाद) :- हसपुरा प्रखंड में पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए अपने परिजनों के जन्मदिन, मृत्यु दिवस और शादी विवाह के अवसर पर पेंड लगाने के अभियान को गति दिया जा रहा है।इस अभियान के तहत हसपुरा प्रखंड के बंगाली बिगहा ग्राम में कम्युनिष्ट नेता और शिक्षक स्व. श्रवण कुमार सिंह के जन्मदिन पर चिक्कू का पौधा लगाया गया।इस अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र के डिप्टी डायरेक्टर कपिलदेव राम ने कहा कि अपने पूर्वजों के सम्मान में पौधा लगाना सराहनीय कार्य है। वरिष्ठ साहित्यकार प्रो अलखदेव प्रसाद अचल ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग से बचाव के लिए पेड़ लगाना जरूरी है।पर्यावरण तभी सन्तुलित होगा जब अधिक से अधिक पेंड लगाया जाएगा।इस अवसर पर शिक्षक अरविंद कुमार वर्मा,अभय कुमार,अरुण कुमार रंजन, कमाख्या नारायण सिंह,रामएकबाल सिंह ब्रजभूषण प्रसाद,सरस्वती देवी,तपेश्वरी सिंह ,शम्भू शरण सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु उच्च माध्यमिक विद्यालय औरंगाबाद में बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- मुख्यालय स्थित सूर्यमंदिर के नजदीक सरस्वती शिशु उच्च माध्यमिक विद्यालय में बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय परिसर में भव्य रूप से बुद्ध पूर्णिमा की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रभात फास्ट न्यूज के ब्यूरो चीफ एडिटर आलोक कुमार, प्रभारी प्रधानाचार्य श्री संजय कुमार सिंह जी, प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार कौशिक भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बहन अदिति ने अध्यक्षता के साथ ने भगवान बुद्ध के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित भाषण प्रस्तुत किया । कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में शांति, संयम और करुणा जैसे जीवनमूल्यों का संचार करना रहा। कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्य द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस आयोजन ने विद्यालय में अध्यात्मिकता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश प्रसारित किया।

सात वर्षीय बच्चे को परिजनों से मिलाया

एजेंसी

नई दिल्ली । पालम गांव थाना पुलिस ने घर का रास्ता भूले 7 वर्षीय बच्चे को परिजनों से मिलवाया है। बच्चा रास्ता भटक कर घर से काफी दूर निकल आया था। पुलिस टीम बच्चे के साथ विभिन्न इलाकों में घूमी। उसके फोटो ग्रुप में साझा किए गए। कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे के माता पिता का पता लगाया गया।पुलिस अधिकारी के अनुसार 10 मई को पालम नगर थाने को सूचना मिली के एक बच्चा गली नंबर 6 राज नगर पार्ट 2 में लावारिस हालत में घूम रहा है। तत्काल पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बच्चे को अपने कब्जे में लिया। उससे घर का पता पूछा गया तो वह सही जानकारी नहीं दे पाया। इसके बाद में पुलिस टीम ने इलाके की आरडब्ल्यूए व मार्केट एसोसिएशन से संपर्क किया। बच्चे का फोटो विभिन्न ग्रुप में साझा किया गया। जिस स्थान पर बच्चा मिला था वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की गई। बच्चे को लेकर उसके घर की तलाश भी की गई। काफी प्रयास के बाद पुलिस बच्चे के परिजनों को खोजने में सफल रही। बच्चे को सकुशल उन्हें सौंप दिया गया।

बहन ने सीमा हैदर को पाकिस्तान भेजने की मांग की, बोली- पाकिस्तान में उसके बच्चे...; उठाया यह सवाल

नोएडा। पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर की बहन रीमा का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वह रोते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से मदद की गुहार लगा रही है। उसने पीएम मोदी से अपील की है कि उसकी बहन को जल्द पाकिस्तान भेजा जाए। सीमा हैदर के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर के यूट्यूब चैनल पर जारी किए गए एक वीडियो में एक महिला ने खुद को सीमा हैदर की बहन रीमा बताया है। वीडियो में रोते हुए उसने सीमा हैदर से अपील की है कि वह पाकिस्तान वापस आ जाए क्योंकि उसके बच्चे पाकिस्तान में ही सुरक्षित हैं। उसने पीएम से अपील की है कि सीमा हैदर को जल्द पाकिस्तान भेजा जाए। जब वीजा पर आए पाकिस्तानियों को वापस भेजा जा रहा है तो बिना वीजा के पाकिस्तान से चोरी छुपे भारत आई सीमा हैदर को क्यों नहीं भेजा जा रहा है। ग्रेटर नोएडा कोतवाली क्षेत्र में 3 मई शनिवार की शाम करीब 7 बजे एक युवक सीमा हैदर के घर में घुस गया था और उस पर हमला कर दिया था। जानकारी के अनुसार, युवक ने पहले घर के मुख्य दरवाजे पर जोर-जोर से पैर मारे और फिर अंदर घुसते ही सीमा हैदर का गला दबाने लगा था। इसी दौरान उसने सीमा को तीन-चार थप्पड़ भी मारे थे। अचानक हुई इस घटना से सीमा हैदर घबरा गई और शोर मचा दिया था।

क्रूरता देख कांप जाएंगे: कुत्ते को ई-रिक्शा के पीछे बांधकर घसीटा, करिश्माई तरीके से बची जान

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा के कासना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत डाढ़ा गांव में एक व्यक्ति ई-ऑटो से एक कुत्ते को बेरहमी से घसीटते का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। पुलिस ने वीडियो सामने आने के बाद उसका संज्ञान लेकर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नितिन निवासी डाढ़ा के रूप में हुई है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि आरोपी जो अपने ई-ऑटो के पीछे कुत्ते को रस्सी से बांधकर काफी दूर तक खींचता चला गया। आरोप है कुत्ते को करीब 500 मीटर तक घसीटा गया। वहां से गुजर रहे है एक व्यक्ति ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। गनीमत रही कि घटना में कुत्ते की जान नहीं गई। हालांकि इस बर्बरता के खिलाफ सोशल मीडिया पर लोगों का आक्रोश दिखा। कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र शुक्ला का कहना है वीडियो में दिखाई दे रही अमानवीयता को देखते हुए पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और तत्परता दिखाते हुए आरोपी के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम समेत अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी नितिन को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी का कहना है वह कुत्ते को बांधकर ऑटो में बैठाकर ले जा रहा था। लेकिन रास्ते में वह गिर गया तो पता नहीं चल पाया।

दिल्ली विधानसभा बनेगी भारत की पहली सौर ऊर्जा से चलने वाली विधानसभा, हर महीने 15 लाख की होगी बचत

नई दिल्ली। विधानसभा ग्रीन एनर्जी की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाने जा रही है। यहां 12 मई को 500 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखी जाएगी, जिससे विधानसभा पूरी तरह सौर ऊर्जा से चलेगी। इसके बाद दिल्ली में भारत की पहली सौर ऊर्जा से चलने वाली विधानसभा होगी। दिल्ली विधानसभा परिसर में सोमवार को सौर ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखी जाएगी। एलजी वीके सक्सेना और विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता इसकी आधारशिला रखेंगे। सीएम रेखा गुप्ता भी इसमें शामिल होंगी। समारोह में उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और ऊर्जा मंत्री आशीष सूद भी अतिथि होंगे। इस परियोजना पर किस तरह काम होना है, इस पर चर्चा के लिए विधानसभा में एक बैठक आयोजित की। इसमें बताया गया कि मौजूदा समय में विधानसभा में लगे 200 किलोवाट रूफटॉप प्रणाली को हटाकर नया सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस काम को 45 दिन में पूरा किया जाएगा।

पाकिस्तान को भारत की सख्त चेतावनी-संघर्ष विराम तोड़ा तो देंगे तगड़ा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। संघर्ष विराम का फैसला पाकिस्तान की पहल पर लिया गया है लेकिन सशस्त्र बलों का ऑपरेशन 'सिंदूर' अभी जारी रहेगा। आगे की रणनीति तय करने के लिए 12 मई को 12:00 बजे दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच वार्ता होगी। संघर्ष विराम का उल्लंघन रोकने के लिए भारत ने आज सुबह डीजीएमओ को एक और हॉटलाइन संदेश भेजा है। यदि आज रात या बाद में इन्हें दोहराया जाता है, तो हम इनका कड़ाई से जवाब देंगे। सेना प्रमुख ने पाकिस्तान के किसी भी उल्लंघन के मामले में जवाबी कार्रवाई के लिए हमारे सेना कमांडर को पूर्ण अधिकार दिए हैं। संघर्ष विराम का फैसला भले हो गया हो, लेकिन सशस्त्र बलों के 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सेनाओं को कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं। इस ऑपरेशन में 100 आतंकी ढेर किये गए हैं, जिनमें तीन बड़े

आतंकी भी हैं। एलओसी पर गोलाबारी में करीब 40 पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए। भारतीय वायु सेना ने हमले करके पाकिस्तान के कई एयरबेस और थल सेना प्रतिष्ठान तबाह किये। भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 अफसरों-जवानों की मौत हुई है। पाकिस्तान के हमले में भारतीय वायु सेना के किसी एयरबेस को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, जबकि भारतीय वायु सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सभी हमले नाकाम किए। वायु सेना ने पाकिस्तान के 3 एयर डिफेंस सिस्टम बर्बाद किए और दो एयरबेस का रनवे तबाह किया है। तीनों सेनाओं के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) ने भारतीय सशस्त्र सेनाओं के %ऑपरेशन सिंदूर% की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। सेना के डीजीएमओ राजीव घई ने बताया कि पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष लोगों की हत्या किये जाने के बाद आतंक के षड्यंत्रकारियों को दंडित करने और उनके आतंकी ढांचे को नष्ट करने के स्पष्ट सैन्य उद्देश्य के साथ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा का उल्लंघन करके नागरिक आबादी वाले गांवों और गुरुद्वारों जैसे धार्मिक स्थलों पर गोलीबारी की, जिसमें हमारे नागरिक क्षेत्रों में कई लोगों की दुखद मृत्यु हुई। डीजीएमओ घई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों और उनके ढांचे को नेस्तनाबूद करके पहलगाम आतंकी हमले का जवाब दिया है। भारतीय वायु सेना ने आतंकी शिविरों पर हमला करने में भूमिका निभाई और भारतीय नौसेना ने सटीक हथियारों के मामले में साधन उपलब्ध कराए।

हत्या के मामले में नाबालिग को पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। बाहरी जिले के रणहौला इलाके में पांच दिन से लापता ई-रिक्शा चालक की हत्या कर दी गई। उसका शव एक प्लॉट से सड़ी गली अवस्था में मिला। पुलिस ने मामले की जांच करने के बाद इस मामले में एक नाबालिग को पकड़ा है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर हत्या करने के कारणों के बारे में जानकारी जुटा रही है। बाहरी जिले के डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि 9 मई को रणहौला थाना पुलिस को एक खाली प्लॉट में युवक के शव पड़े होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि शव 22 से 24 साल के युवक की है। लाश सड़ी गली अवस्था में थी। पुलिस ने तुरंत क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। मौके से कोई चश्मदीद पुलिस को नहीं मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच के दौरान मरने वाले युवक की पहचान रणहौला निवासी राहुल के रूप में हुई। वह पेशे से ई-रिक्शा चालक था। राहुल पांच मई से अपने घर से लापता था। परिवार वालों ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत रणहौला थाने में की थी। शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था और उसकी तलाश कर रही थी। शव मिलने के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान मृतक के परिवार वालों और उसके दोस्तों से पूछताछ की। साथ ही पुलिस ने घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की। फुटेज में दिख रहे संदिग्धों की जानकारी के लिए मुखबिरों को सक्रिय किया गया।

नेशनल टेक्नोलॉजी डे' पर पीएम मोदी ने कहा, 'यह पोखरण परीक्षण को याद करने का दिन'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नेशनल टेक्नोलॉजी डे' (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस) के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश के वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर शुभकामनाएं। यह हमारे वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त करने तथा 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद करने का दिन है। सभी हमारे राष्ट्र के विकास पथ में विशेष रूप से आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी खोज में एक ऐतिहासिक घटना थे।

उन्होंने आगे लिखा, हमारे लोगों द्वारा संचालित भारत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में एक वैश्विक लीडर के रूप में उभर रहा है, चाहे वह अंतरिक्ष हो, एआई हो, डिजिटल नवाचार हो, हरित प्रौद्योगिकी हो या और भी बहुत कुछ। हम विज्ञान और अनुसंधान के माध्यम से भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने की अपनी

प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। प्रौद्योगिकी मानवता का उत्थान करे, हमारे राष्ट्र को सुरक्षित करे और भविष्य के विकास को गति दे। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर भारत उन वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीशियनों को सलाम करता है, जो हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नई तकनीक विकसित करके योगदान देते हैं। हम अपने वैज्ञानिकों के असाधारण प्रयासों को गर्व से याद करते हैं, जिसके कारण 1998 में पोखरण में सफल परीक्षण हुए। यह भारत के इतिहास में एक निर्णायक क्षण था।

बता दें कि राजस्थान के पोखरण में हुए परमाणु परीक्षणों की याद में भारत हर साल 11 मई को नेशनल टेक्नोलॉजी डे' मनाता है। इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति करने में मदद करने वाले वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, इंजीनियरों और अन्य लोगों को सलाम करना है। पहली बार 'नेशनल टेक्नोलॉजी डे' 11 मई 1999 को मनाया गया था।

ड्रग तस्करी के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने ओडिशा से दिल्ली लाए जा रहे गांजे की एक बड़ी खेप को जब्त किया। इसके साथ ही दो अंतरराज्यीय तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। तस्करों के कब्जे से 365.030 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाला गांजा बरामद हुआ है, जिसकी बाज़ार में कीमत लगभग एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह गांजा एक ट्रक में बनाए गए गुप्त तहखाने में छिपाकर लाया जा रहा था।क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदोरा ने बताया कि इंस्पेक्टर संजय कौशिक के नेतृत्व में बनी टीम ने तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर तस्करी में इस्तेमाल ट्रक की मूवमेंट को ट्रैक किया। ट्रक के रास्ते में पड़ने वाले टोल प्लाज़ा, मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल की गहन जांच की गई। ट्रक को झारखंड के जमशेदपुर से दिल्ली लाते समय बीच में पेपर रोल लादे गए, ताकि गांजे की गंध और शक से बचा जा सके। डीसीपी ने आगे बताया कि 9 मई की रात को पुलिस ने ट्रक को दिल्ली के रोहिणी इलाके में काली माता मंदिर रोड के पास

घेराबंदी कर रोका। जांच के दौरान ट्रक के केबिन के पीछे एक गुप्त तहखाना पाया गया, जिसमें गांजे की बोरियां छिपाई गई थी। पुलिस ने मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया। जिनकी पहचान सोनीपत निवासी दीपक और सुनील के रूप में हुई।

पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपितों को उनके परिचित संजेव राणा ने यह ट्रक चलाने और गांजा पहुंचाने का जिम्मा सौंपा था। ट्रक सुनील मलिक के नाम पर रजिस्टर है और उसे चिप्स की डिलीवरी के नाम पर कोलकाता भेजा गया था, जिसके बाद ओडिशा से गांजा लादा गया।

दीपक पेशे से ट्रक ड्राइवर है और पिछले 10 वर्षों से भारी वाहन चला रहा है। उसके साथ गिरफ्तार सुनील ने 12वीं तक पढ़ाई की है। वह पहली बार इस तरह की तस्करी में शामिल पाया गया है। दोनों आरोपितों ने स्वीकार किया है कि वे इस खेप को दिल्ली में किसी संपर्क सूत्र तक पहुंचाने वाले थे।

बुद्ध पूर्णिमा की राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति धनखड़ और पीएम मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली । देश में आज बुद्ध पूर्णिमा का पर्व मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने बुद्ध पूर्णिमा की देशवासियों को बधाई दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर लिखा, बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर मैं सभी देशवासियों और पूरे विश्व में भगवान बुद्ध के अनुयायियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं। करुणा के प्रतीक महात्मा बुद्ध का अहिंसा, प्रेम और करुणा का अमर संदेश समस्त मानवता के कल्याण का मूल मंत्र है। उनके आदर्शों से समानता, सद्भाव और न्याय जैसे शाश्वत मूल्यों में हमारी आस्था प्रबल होती है। उनकी शिक्षाएं हम सबको नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीने के लिए प्रेरित करती हैं। आइए, हम सब महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं को अपनाएं और अपने जीवन में सदाचार का अनुसरण करते हुए शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान करें। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुद्ध पूर्णिमा की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह पवित्र दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण का प्रतीक है, जिनकी गहन बुद्धि चुनौतीपूर्ण समय में हमारे लिए ध्रुव तारे के रूप में कार्य करती है। भगवान बुद्ध का अहिंसा, दया और मध्यम मार्ग का संदेश आज की दुनिया में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है, व्यक्ति और समग्र मानवता दोनों के लिए। आइए हम गौतम बुद्ध द्वारा बताए गए महान सिद्धांतों के प्रति खुद को फिर से प्रतिबद्ध करें और उनकी शिक्षाओं का प्रकाश सबके लिए अधिक शांतिपूर्ण, दया माया से भरा और सामंजस्यपूर्ण समाज बनाने की दिशा में मार्गदर्शन करें। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, सभी देशवासियों को बुद्ध पूर्णिमा की ढेरों शुभकामनाएं। सत्य, समानता और सद्भाव के सिद्धांत पर आधारित भगवान बुद्ध के संदेश मानवता के पथ-प्रदर्शक रहे हैं। त्याग और तप को समर्पित उनका जीवन विश्व समुदाय को सदैव करुणा और शांति के लिए प्रेरित करता रहेगा। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं दी।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों को बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ÷ज्ञान, करुणा और अहिंसा के मार्ग पर चलकर मानव समाज को समानता और एकता का संदेश देने वाले भगवान बुद्ध का जीवन मनसा, वाचा और कर्मणा की त्रिवेणी है। भगवान बुद्ध से सभी के सुख और शांति की कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स प लिखा, बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर मैं शांति, ज्ञान और करुणा के प्रतीक महात्मा बुद्ध को नमन करता हूं। उनकी शाश्वत शिक्षाएं मानवता को सद्भाव, आत्म-साक्षात्कार और धर्म के मार्ग पर ले जाती हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा, सत्य, अहिंसा व मानवता के आदर्श ज्योति को दुनिया में फैलाकर भारत को जगद्गुरु का सम्मान दिलाने वाले तथागत गौतम बुद्ध को आज उनकी जयंती पर शत्-शत् नमन व उनके अनुयाइयों को बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक बधाई एवं आतंक आदि से मुक्त सुखी जीवन की शुभकामनाएं।

टेंपो की टक्कर से व्यक्ति की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। आजादपुर मंडी इलाके के पास एक बेकाबू टेंपो ने साइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद युवक को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक युवक की पहचान 36 वर्षीय दिलीप शाह के तौर पर की है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भेज दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना की है। दिलीप शाह अपने एक पड़ोसी के साथ काम पर जा रहा था। तभी टेंपो ने साइकिल को हिट कर दिया। हादसे में दिलीप को गंभीर चोट आई थीं। पुलिस ने दिलीप शाह के पड़ोसी के बयान पर केस दर्ज किया है। पुलिस आगे मामले की जांच कर रही है।पुलिस अधिकारी के मुताबिक मृतक के पड़ोसी ने अपने बयान मं बताया है कि वे सुबह पांच बजे साइकिल पर आजादपुर मंडी जाने के लिए निकले थे और जैसे ही वे सुबह साढ़े पांच लिबासपुर बस स्टैंड से आगे बढ़े,

एक टेंपो ने पीछे से साइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में दिलीप की छाती में गंभीर चोट आई। उसे तुरंत पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस टेंपो चालक की तलाश में जुटी है।

भारत के 32 एयरपोर्ट का संचालन फिर से शुरू, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और पाकिस्तान के बीच 15 मई तक बंद भारत के 32 एयरपोर्ट्स को बंद करने का निर्णय लिया गया था। इसे लेकर अब भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने नया अपडेट दिया है। एएआई ने बताया कि ये सभी हवाई अड्डे तत्काल प्रभाव से नागरिक विमान संचालन के लिए उपलब्ध हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सोमवार को एक बयान में कहा, यात्रीगण कृपया ध्यान दें; 15 मई 2025 को सुबह 05 29 बजे तक 32 हवाई अड्डों पर नागरिक विमान संचालन के लिए अस्थायी बंदी की अधिसूचना जारी की गई थी। अब सूचित किया जाता है कि ये हवाई अड्डे तत्काल प्रभाव से नागरिक विमान संचालन के लिए उपलब्ध हैं।

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी उड़ान की स्थिति सीधे एयरलाइंस से जांचें और नियमित अपडेट के लिए एयरलाइंस की वेबसाइट पर नजर रखें।10 मई को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और संबंधित विमानन अधिकारियों ने नोटिस टू एयरमेन (नोटम) जारी कर उत्तरी और पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों को सभी नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की थी। ये आदेश 15 मई तक प्रभावी था। जिन एयरपोर्ट को

बंद करने का फैसला किया गया था, उनमें आदमपुर, अंबाला, अमृतसर, अवंतीपोरा, बठिंडा, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़, हलवारा, हिंडन, जैसलमेर, जम्मू, जामनगर, जोधपुर, कांडला, कांगड़ा (गग्गल), केशोद, किशनगढ़, कुल्लू मनाली (भुंतर), लेह, लुधियाना, मुंद्रा, नालिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर, राजकोट (हीरासर), सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलई शामिल हैं।इससे पहले, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने सोमवार को यात्रियों के लिए नई एडवाइजरी जारी की थी। इसमें कहा गया है कि दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी कार्य सामान्य रूप से चल रहे हैं, लेकिन कुछ उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने एक बयान में कहा, ÷दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी कार्य सामान्य रूप से चल रहे हैं। हालांकि, बदलती हवाई क्षेत्र की स्थिति और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा बढ़ाए गए सुरक्षा उपायों के कारण कुछ उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है।

गोदामों में चोरी करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के कंझावला थाना पुलिस ने गोदामों में चोरी करने वाले एक गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने गैंग के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने 32 कट्टे प्लास्टिक दाना और वारदात में इस्तेमाल की गई टाटा ऐस गाड़ी बरामद की है।रोहिणी जिले के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि सात मई को कंझावला थाना पुलिस को इलाके एक गोदाम में चोरी होने की शिकायत मिली। जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि कुछ अज्ञात बदमाश गोदाम से 32 कट्टे प्लास्टिक दाना चुराया है। थाना प्रभारी राजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के कई सीसीटीवी फुटेज की जांच की। पुलिस ने कैमरे में कैद हुए बदमाशों की पहचान के लिए मुखबिरों को सक्रिय किया। पुलिस टीम वारदात में इस्तेमाल वाहन के मालिक की पहचान करने में जुट गई। वाहन के जरिए पुलिस ने किराड़ी सुलेमान नगर निवासी समरुलहक की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपराध में शामिल होने की बात कबूल कर ली। उसके बाद पुलिस ने किराड़ी निवासी

> पुलिस अधिकारी ने बताया कि गैंग इलाके में बंद गोदामों को अपना निशाना बनाते थे।

सौरभ, भारत नगर निवासी जितेन्द्र और कंझावला निवासी लल्लन को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि समरुलहक ड्राइवर का काम करता है और गाड़ी का मालिक भी है। वहीं सौरभ और लल्लन मजदूरी और जितेन्द्र सेल्समैन का काम करता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गैंग इलाके में बंद गोदामों को अपना निशाना बनाते थे। पुलिस इनसे पूछताछ कर गैंग में शामिल अन्य बदमाशों की पहचान करने में जुटी है।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले के आरके पुरम थाना पुलिस ने दिल्ली में सक्रिय दो कुख्यात अपराधियों को मुठभेड़ के बाद के बाद गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए बदमाशों की पहचान सैनिक एन्क्लेव मोहन गार्डन निवासी सुरेश उर्फ सुभाष (33) और जे.जे. कॉलोनी, वजीरपुर अशोक विहार निवासी मनीष उर्फ मोगली (33) के रूप में हुई है। सुरेश को पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगी। जबकि मनीष को मौके पर ही दबोच लिया गया। दोनों पर दिल्ली के विभिन्न जिलों में हत्या, हत्या के प्रयास, पुलिस पर गोलीबारी, लूट, झपटमारी,आर्मस एक्ट सहित 50 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है।

दक्षिण-पश्चिम जिलेके डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि आर.के.पुरम थाना पुलिस को बीते कुछ समय से क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्ट रविंदर कुमार त्यागी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। जिसमें इंस्पेक्टर विनय कुमार यादव, इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह, एसआई अशोक कुमार, एसआई राहुल कुमार, हेड कांस्टेबल इंद्राज काजला, कांस्टेबल राकेश कुमार

आदि शामिल थे। डीसीपी के अनुसार रात 8-9 मई की दरम्यानी रात करीब 1:10 बजे पुलिस की दो पेट्रोलिंग बाइक टीमों ने आरटीआर मार्ग, सेक्टर-9 आरके पुरम के पास फुटपाथ पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। पूछताछ की कोशिश पर दोनों बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने हवाई फायर कर आत्मसमर्पण का निर्देश दिया। उसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी गोलीबारी में सुरेश को पैर में गोली लगी, जबकि मनीष को बिना घायल किए दबोच लिया गया। जांच में पता चला है कि पकड़ा गया सुरेश उर्फ सुभाष अविवाहित है। उसके माता-पिता की मृत्यु बचपन में हो गई थी। गरीबी के चलते शिक्षा पूरी नहीं कर सका और नशे की लत में पड़कर अपराध की दुनिया में चला पड़ा। वह कई बार पुलिस मुठभेड़, लूट, झपटमारी, अवैध हथियार रखने आदि के मामलों में शामिल रहा है। जबकि मनीष उर्फ मोगली विवाहित है और उसके दो बच्चे है। आरोपित ने कक्षा 5 में स्कूल छोड़ दिया था। शराब और नशे का आदी है और अपनी लत पूरी करने के लिए आपराधिक वारदात करता है। वह भारत नगर थाने का सक्रिय बदमाश है और अब तक 26 से अधिक गंभीर मामलों में शामिल रहा है। वहीं पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो .32 बोर की पिस्तौल, जिनमें कुल 3 चले हुए कारतूस और 4 जिंदा कारतूस थे। इसके अलावा एक चोरी की गई होंडा सीबी हॉर्नेट बाइकव एक फर्जी नंबर प्लेट बरामद किया है।

सोलर पावर प्लांट का एलजी ने किया शिलान्यास, दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र अगले आदेश तक के लिए स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली की विधानसभा पहले विधानसभा बनने जा रही है। जहां 500 केवी सोलर पावर प्लांट का शिलान्यास हो गया है। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली विधानसभा का कल बुलाया गया विशेष सत्र अगले आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने जानकारी दी है। दिल्ली विधानसभा सचिव रंजीत सिंह ने कहा कि पुराने 200 किलोवाट को उसकी पुरानी कीमत पर बेचा, नए 500 केवी सोलर पावर प्लांट से पूरी विधानसभा जगमगाएगी।ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली में सोलर पॉलिसी 25 हजार घरों पर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रति किलोवाट 10000 सब्सिडी देने का निर्णय लिया है। अगले साल 75 हजार घरों की छतों पर सौर ऊर्जा पैदा करने का लक्ष्य रखा है। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली में तीन महीने से ऊर्जा बढ़ गई है, जितने भी काम चल रहे हैं उनमें भ्रष्टाचार न हो, इसके लिए सरकार काम कर रही है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने नए प्रयोग किए हैं, उन्होंने विधानसभा को सोलर ऊर्जा से लैस करने की पहल की है। वह कर्मठ हैं, विधानसभा से लाल किले तक सुरंग भी है, वे जल्द ही उसको भी खुलवाएंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि क्लीन दिल्ली ग्रीन दिल्ली की योजना की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। दिल्ली में बिजली की कंजंप्शन 8000 मेगावाट पहुंच गई है, ये 9000 तक पहुंचने वाली है। आज विधानसभा में 500 किलोवाट छमता का सोलर प्लांट लगेगा तो हर महीने 15 लाख रुपये बचत होगी। इसलिए हमने पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत जो लोग घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाएंगे, इसके लिए प्रोत्साहन राशि 5000 से बढ़ाकर 10000 रुपये प्रति किलोवाट छूट देने का निर्णय लिया है। आगे कहा कि दिल्ली शहर को हाईटेंशन तारों से मुक्त करने के लिए 1000 करोड़ का बजट रखा है। घरों के ऊपर से हाईटेंशन तार नहीं दिखेंगे। ईवी पॉलिसी को आगे बढ़ाते हुए पब्लिक हमने 400 ईवी बसें दिल्ली को सौंपी, जल्द ही 4000 नई ईवी बसें लेकर आ रहे हैं।

आतंक पर पाक को कड़ी चेतावनी देते रणनीतिक बदलाव

>> **विचार**

> **ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के प्रवक्ता द्वारा दी गई प्रस्तुति में, सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद से हुई क्षति को रेखांकित करने के वास्ते पिछले आतंकी हमलों (2001 में संसद पर हमले से लेकर मुंबई 2008, उड़ी 2016, पुलवामा 2019 और पहलगाम हमले) का लेखा-जोखा दिखाया गया, जिसके अंत में 'झअब और नहीं' स्क्रीन पर चमका। भले ही यह प्रस्तुति नाटकीय दिखाई दे, लेकिन यह भारत के संकल्प को रेखांकित करती है कि वह पाकिस्तानी धरती से निकल रहे आतंकवाद को और बर्दाश्त नहीं करेगा। द्वितीय, सीजफायर के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने दो विकल्प हैं।**

ले.जन. डीएस हुड्डा (से.नि.)

छह-सात मई की रात, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ शृंखलाबद्ध सैन्य हमले किए गए। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिनमें से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और चार उसके पंजाब प्रांत में थे। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में मुरीदके और बहावलपुर रहे। लाहौर के नजदीक मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा का मुख्यालय है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जिसने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली, एलईटी से संबंधित बताया जाता है। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है। इसके बाद दो दिन और यह ऑपरेशन चला जिसमें दोनों ओर से सीमा पर गोलाबारी हुई। भारत ने दुश्मन के कई शहरों पर मिसाइलें गिराई वहीं पाक की ओर से भी ऐसी कोशिशें हुई। अब 10 मई को सीजफायर का ऐलान हुआ। ऑपरेशन सिंदूर 2016 और 2019 में सीमा पार किए गए सैन्य हमलों की तुलना में झ पैमाने और दायरे में झ काफी बड़ा रहा। इसका संदेश कहीं अधिक तगड़ा और स्पष्ट है। जिसमें, पाकिस्तान से निबटने के लिए भारत की भविष्य की रणनीति में किए गए कुछ महत्वपूर्ण बदलाव झलकते हैं। प्रथम, बड़े आतंकी हमलों का दंडात्मक प्रतिकर्म होगा। चूंकि 2016 और 2019 के सीमित हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को एक औजार की भांति इस्तेमाल किए जाने वाली अपनी राष्ट्रीय नीति त्यागने में असरदार नहीं रहे, इसलिए उन लोगों को दर्द महसूस करवाना जरूरी बन गया, जो आतंकवादी करतूतों को नियंत्रित कर रहे हैं। यदि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी नेतृत्व पर लगाम लगाने को तैयार नहीं, तो भारत सैन्य संसाधन का उपयोग करके ऐसा करेगा। भारत ने रणनीतिक और सामरिक कारणों से लंबे समय तक संयम मुद्रा अपनाए रखी। हालांकि, बदलते सुरक्षा परिवेश, विशेषतः पहलगाम हमले ने, पुनर्संतुलन में उत्प्रेरक का काम किया। 6-7 मई की रात बहावलपुर और मुरीदके जैसी अंदरूनी जगहों को निशाना बनाना संकेत है कि भारत अब सरसरी जवाबी

कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानता। नया दृष्टिकोण सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के लिए लागत-लाभ वाली गणना बदलने का प्रयास करता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के प्रवक्ता द्वारा दी गई प्रस्तुति में, सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद से हुई क्षति को रेखांकित करने के वास्ते पिछले आतंकी हमलों (2001 में संसद पर हमले से लेकर मुंबई 2008, उड़ी 2016, पुलवामा 2019 और पहलगाम हमले) का लेखा-जोखा दिखाया गया, जिसके अंत में 'झअब और नहीं' स्क्रीन पर चमका। भले ही यह प्रस्तुति नाटकीय दिखाई दे, लेकिन यह भारत के संकल्प को रेखांकित करती है कि वह पाकिस्तानी धरती से निकल रहे आतंकवाद को और बर्दाश्त नहीं करेगा। द्वितीय, सीजफायर के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह स्वयं द्वारा लंबे समय से पोषित सैन्य-जिहाद परिसर को खत्म करे या फिर देश को भारत के साथ विनाशकारी संघर्ष में डुबाने का जोखिम उठाए। जो पाकिस्तान को और अधिक अस्थिरता और संकट में धकेल सकता है। दशकों से, पाकिस्तानी सेना ने जिहादी समूहों को अपनी रणनीतिक संपत्ति के रूप में माना है, उनका उपयोग भारत को जख्म देने के लिए किया जाता है, जबकि आधिकारिक रूप से इनकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए भारत वे स्पष्ट किया कि राज्य और उसके द्वारा प्रायोजित छद्म स्वरूपों के बीच कोई अंतर नहीं है। पाकिस्तान में कई अंदरूनी जगहों को निशाना बनाकर भारत ने संकेत दे दिया है कि सुरक्षित पनाहगाहें भी अब उतनी सुरक्षित नहीं रही। प्रेस ब्रीफिंग में 6-7 मई की कार्रवाई पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत की 'कार्रवाई नपी-तुली, चीजों को और आगे न भड़काने वाली, आनुपातिक और जिम्मेदाराना थी। इसके निशाने का केंद्र आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना और भारत में भेजे जाने वाले आतंकवादियों को निष्क्रिय करना था'। यह पाकिस्तान के लिए संदेश था कि अगर वह किसी भी सैन्य जवाबी कार्रवाई से परहेज करे और आतंकवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने के दीर्घकालीन उपाय करे, तो बढ़ते तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि पाकिस्तानी सेना ने प्रतिक्रिया में युद्ध जैसे हालात रखे, जिसकाभारतीय सेना ने माकूल जवाब दिया। तृतीय, भारत इस बारे स्पष्ट है कि परमाणु युद्ध की नौबत बनने से जरा पहले तक, सीमित पारंपरिक संघर्ष के वास्ते गुंजाइश मौजूद है। जब भी भारत-पाकिस्तान संकट बनता है, तो पाकिस्तान सबसे पहले अपना परमाणु कार्ड लहराने लग जाता है। मंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति रोकता है, तो इस्लामाबाद परमाणु हथियारों से हमला करने को तैयार रहेगा। पाकिस्तान के राजदूत ने भी ऐसी धमकी दी। पाकिस्तान की परमाणु ब्लैकमेलिंग से भारत अब खुद को बंधक नहीं मानता। पारंपरिक बलों के इस्तेमाल के जरिए पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ढांचे को निशाना बनाने में वाले तौर-तरीके में धीरे-धीरे बदलाव आया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी पंजाब समेत कई आतंकी गढ़ों पर धावा बोलने में, हवाई हमले की उपयोगिता के रूप में नया मानक स्थापित हुआ है। चतुर्थ, भारत में हुए आतंकी हमलों के तार पाकिस्तान से जोड़ने वाले प्रत्यक्ष सबूत उपलब्ध करवाने की कुछ अंतरराष्ट्रीय हलकों की मांग अब जाती रही है। भारत दशकों से पाक प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है और जब भी वह कहता है कि आतंकवाद का स्रोत पाकिस्तान है, तो यह बात सही है। समस्या यहां हमले करने वाले की नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी और उस सैन्य नेतृत्व की है, जो आतंकवाद को पाल-पोस रहे हैं। अकाट्य सबूत की मांग छद्म युद्ध की प्रकृति को नजरअंदाज करती है। आतंकी संगठनों का ढांचा ही इस प्रकार तैयार किया जाता है कि सिद्ध करना मुश्किल हो जाए। भारत में आतंकी हमलों की निरंतरता, अपराध करने वालों की पहचान, प्रशिक्षण केंद्र और फंडिंग स्रोत- ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र की ओर इशारा करते हैं जो राज्य के संरक्षण बिना काम नहीं कर सकता। पंचम, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए भी एक संदेश है। आतंकवाद को शह-मदद करने वाले पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने में संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं की अक्षमता को लेकर भारत में निराशा है। बेशक, भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय जनमत और कूटनीतिक समर्थन जुटाना अहम है किंतु पाकिस्तान के आतंकवाद का जवाब देने में, भारत के लिए विकल्पों पर निर्णय लेते वक्त अड़चन बनने में ये कारक अहम नहीं रहे। इस बार उकसावे के बावजूद संयम बरतने का आह्वान करने वाली बातों को भारत ने नजरअंदाज किया। तीन दिन चले ऑपरेशन सिंदूर ने नए सैद्धांतिक मानदंड स्थापित किए हैं कि आतंकी ढांचे पर हमला किया जाएगा; कि परमाणु हमले का डर दिखाना छिपकर करतूतें करने वालों को नहीं बचा पाएगा; कि वैश्विक समुदाय की नैतिक दुविधा भारत की संप्रभुता के विकल्पों को नजरअंदाज नहीं कर सकती; कि पाकिस्तानी सेना को जिहादी समूहों के साथ लंबे समय से जारी अपने गठजोड़ के परिणामों का सामना करना होगा। यह स्थिति दक्षिण एशिया को कम स्थिर क्षेत्र बनाती है। यदि पाकिस्तान अब भी आतंकवाद को राज्य नीति के औजार के रूप में इस्तेमाल करने की राह पर बढ़ता रहा, तो उसे भविष्य में कठोर सच्चाई का सामना करना होगा।

(लेखक थल सेना की उत्तरी कमान में कमांडर रहे हैं।)

संपादकीय

'ऑपरेशन सिंदूर' अधूरा

एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव हो गया है। यह युद्धविराम नहीं है।' जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों से लेकर पंजाब और राजस्थान के कई शहरों और गुजरात के कच्छ तक पाकिस्तान ने ड्रोन हमले कर सेना के ठिकानों और आम नागरिक जिंदगी को निशाना बनाने की कोशिश की। अंततः नाकाम रहा और उसके हमलों को हवा में ही नष्ट कर दिया गया। क्या युद्धविराम का सच यही है? गंभीर सवाल यह है कि क्या भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपना तय लक्ष्य हासिल कर लिया है? भविष्य में देश में आतंकी हमला होगा, तो क्या उसे वाकई 'युद्ध' करार देते हुए भारत पलटवार करेगा? बेशक भारतीय सेनाओं ने जिस तरह आतंकियों के अड्डे 'मिट्टी-मलबा' किए हैं और 100 से अधिक आतंकियों को मौत के घाट उतारा है, वह निश्चित ही विराट सफलता है, लेकिन आतंकियों का आका पाकिस्तान बच गया है। बहुत कुछ मिट्टी में मिलाया नहीं जा सका। पाकिस्तान की वायुसेना का बर्बाद ढांचा फिर से खड़ा किया जा सकता है। चीन और तुर्किये की मदद से एयर डिफेंस, रडार सिस्टम और अन्य सुरक्षा बंदोबस्त दोबारा हासिल किए जा सकते हैं। आईएमएफ ने पाकिस्तान का एक अरब डॉलर का कर्ज मंजूर कर दिया है। हालांकि यह राशि हथियारों के लिए नहीं है। चीन और तुर्किये उधार पर भी मदद कर सकते हैं। फिलहाल भारत के पास सटीक मौका था। लड़ाई का ऐसा मोर्चा निकट भविष्य में बनना असंभव है। इस बार पाकिस्तान की सेना को छिन्न-भिन्न किया जा सकता था। बल्कि उसे सेनाविहीन की स्थिति में लाया जा सकता था। पाकिस्तान जैसे आतंकी और गैर-जिम्मेदाराना देश से 'परमाणु शक्ति' छीनने के प्रयास भी किए जा सकते थे। 'इस्लामी परमाणु बम' की अवधारणा के खिलाफ भारत विश्व-मत तैयार कर सकता था। एक सिरफिरा और आत्मा से 'रक्तबीज' जैसा देश कभी भी परमाणु हथियारों का दुरुपयोग कर सकता है। भारत ऐसी भूमिका से वंचित रहा। भारत यह टकराव जीत कर भी विजेता नहीं बन सका। हम युद्धोन्मादी, युद्ध के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन ऐसे अवसर को खोया भी नहीं जा सकता। पाकिस्तान आतंकिस्तान है।

इसे कहते हैं सेना को युद्ध की भट्टी में झोंकना !

संजय पराते

जब बिना किसी सुविचारित नीति के चुनाव को नजर में रखकर युद्धोन्माद फैलाया जाता है और फिर जनता को संतुष्ट करने और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को मजबूत करने के लिए युद्ध की 'रचना' की जाती है, तो उसका वही हश्र होता है, जो कल हमें दिखा। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पूरे देश में युद्ध और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का जो वातावरण बनाया गया, उसमें पाकिस्तान पर 'सीमित हमला' करना जरूरी था, वरना भाजपा के घरेलू चुनाव के मोर्चे पर मात खाने की उम्मीद बन रही थी। गोदी मीडिया द्वारा इस सीमित हमले को इस तरह दिखाया गया कि अब दुनिया के नक्शे से पाकिस्तान का नाम ही मिटने वाला है और पाक हुक्मरान दया की भीख मांग रहे हैं। मीडिया ने कराची और पेशावर तक चढ़ाई कर दी थी कि अमेरिका ने युद्ध विराम का फैसला सुना दिया और भारत ने उसे एक अच्छे बच्चे की तरह मान लिया। लेकिन फिर खबर आई कि पाकिस्तान ने अमेरिका-प्रायोजित इस युद्ध विराम का भी उल्लंघन कर दिया है। सेना की सर्वोच्च अधिकारी राष्ट्रपति मौन है, प्रधानमंत्री आम जनता से नजरें चुरा रहे हैं। उधर पाकिस्तानी हुक्मरान संसद से मुखातिब है और वहां भारत की हार का जश्न मनाया जा रहा है। कश्मीर का जो मामला वर्ष 1971 के बाद से आज तक द्विपक्षीय बना हुआ था, अब उसके अंतर्राष्ट्रीय बनने की संभावना बलवती हो गई है। भारत-पाक के किसी युद्ध में या झड़प में भारत की ऐसी हास्यास्पद स्थिति कभी नहीं हुई, जैसी आज हो रही है। आम जनता यह सवाल पूछ रही है कि आखिर इस युद्ध से भारत को क्या हासिल हुआ? असली सवाल यही है कि इस सीमित युद्ध से और जब पाकिस्तान पर भारत हर दृष्टि से हावी था, युद्धविराम करके भारत को हासिल क्या हुआ? भारत को हासिल क्या हुआ, यह सवाल पहली बार नहीं पूछा जा रहा है? उस समय भी पूछा गया था, जब नोटबंदी की गई थी। तब बताया गया था कि इससे आतंकवाद की कमर टूट जाएगी। पता चल रहा है कि नोटबंदी के बाद आतंकवाद और मजबूत हो गया है कि हमारी ही कमर तोड़ रहा है। जब कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करके उसे टुकड़ों में बांटा गया, तब भी यही कहा गया कि इससे आतंकवाद खत्म हो जाएगा, लेकिन आतंकी हमले रुके नहीं। इस आतंकी हमले ने पहलगाम में कश्मीरियों पर भी हमला किया, उनकी भी शहादतें लीं। पाक-प्रायोजित आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछकर उन्हें मारा, ताकि आतंकवाद के धर्म को दिखाया जा सकें, लेकिन कश्मीर की हिंदू-मुस्लिम जनता ने एकजुटता के साथ यह दिखा दिया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। आतंक केवल आतंक होता है, बस ! इसलिए आम जनता यह सवाल पूछ रही है कि आखिर इस युद्ध से भारत को क्या हासिल हुआ? यह सवाल जायज भी है, क्योंकि बिहार की धरती से हमारे प्रधानमंत्री ने कसम खाई थी कि "आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे।" इस सीमित युद्ध के दौरान बताया जा रहा था कि आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद किया जा रहा है, ताकि कोई इस देश में घुसकर आतंकी हरकत करने की हिम्मत न कर पाए। पाकिस्तान में 40 से ज्यादा शिविर हैं, जहां आतंकवादियों को प्रशिक्षित किया जाता है, उन्हें पाला-पोसा जाता है। खबरों के अनुसार, 8-10 शिविर नष्ट हुए हैं। बाकी को क्यों छोड़ दिया गया, किसके कहने पर छोड़ा गया, यह सब जानने का अधिकार जनता का नहीं है? बचे हुए आतंकी शिविर क्या अमेरिका में आतंक फैलाने का काम करते हैं, जिससे निपटने की जिम्मेदारी अमेरिका पर छोड़ दी गई है? मोदी सरकार ने जिस सीमित लक्ष्य के साथ यह युद्ध छेड़ा था, उसे भी प्राप्त करने में असफल रही है। यह हमारी युद्ध नीति की भी असफलता है और कूटनीति की भी। और यह असफलता क्यों हैं? इसलिए कि घरेलू मोर्चे पर मोदी सरकार आजादी के बाद की सबसे ज्यादा असफल सरकार साबित हुई है, जिसने घरेलू समस्याओं को हल करने के बजाए, आम जनता का ध्यान इससे हटाने के लिए हर मौके पर विभाजनकारी नीतियां अपनाई और लगातार सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिए चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने को अपना एकमात्र लक्ष्य बना लिया है। देश विरोधी ताकतें भी इसका फायदा उठाने में लगी है, जो पहलगाम में आतंकी हमले से सही साबित होता है। ये ताकतें चाहती थी कि सांप्रदायिक आधार पर पहले से ही विभाजित भारतीय समाज और ज्यादा ध्रुवीकृत हो। उन्हें इसमें कामयाबी भी मिली, जब प्रधानमंत्री कश्मीर जाने के बजाए, दो-दो सर्वदलीय बैठक में जाकर विचार-विमर्श करने के बजाए, बिहार जाकर इसे चुनावी मुद्दा बनाते हैं और संघी गिरोह पूरे देश भर में मुस्लिमों पर हमला करके हिंदुओं की शहादत का बदला लेता है। युद्ध की परिस्थितियों में सरकार और सत्ताधारी पार्टी की जिम्मेदारी पूरे देश को एकजुट करने की होती है, इसके बजाय वह देश को और विभाजित करने का काम कर रही थी। इस सबके बावजूद, पूरा विपक्ष और पूरा देश सरकार के साथ एकजुट था कि वह इस आतंकी हमले का प्रतिकार करने के लिए किसी भी प्रकार का कदम उठाने को स्वतंत्र है। मोदी सरकार ने कूटनीति के जरिए पाकिस्तान की घेराबंदी करने के बजाए, युद्धनीति को प्राथमिकता दी। पहलगाम में आतंकवादी हमले की अभी तक मोदी सरकार ने साफ साफ जिम्मेदारी नहीं ली है। बैसरन घाटी में सुरक्षा बलों की अनुपस्थिति के बारे में सर्वदलीय बैठक में उसने जो सफाई दी है, वह गले उतरने लायक नहीं है और उसकी इस सफाई पर प्रश्नचिन्ह भी लग चुके हैं। आम जन मानस में यह सवाल भी तैर रहा है कि हर चुनाव के पहले ही आतंकी हमले क्यों होते हैं और इसकी आड़ में एक धार्मिक समुदाय को निशाने पर लेकर युद्धोन्मादी वातावरण क्यों बनाया जाता है? जिस तरह पहले की आतंकी घटनाओं की कोई विश्वसनीय जांच रिपोर्ट सामने नहीं आई हैं, पहलगाम की घटना के भी कोई तथ्य सामने नहीं आने वाले हैं। अब अगला सवाल यह है कि इस सीमित युद्ध का जो हश्र हुआ, क्या उसकी ही कोई जिम्मेदारी मोदी सरकार लेने के लिए तैयार है? इस युद्ध विराम से पहले हमारी सेना को भी विश्वास में लिया गया है, ऐसा भी नहीं लगता। यह हमारी सेना के शौर्य और सैनिकों की शहादत का अपमान नहीं, तो और क्या है ! आज तक हम इस नीति का पालन कर रहे थे कि भारत और पाकिस्तान के बीच का कोई भी विवादित मुद्दा हमारा आपसी मामला है और दोनों देश आपसी संवाद के जरिए कश्मीर सहित सभी मुद्दों को सुलझा सकते हैं। शिमला समझौते की भावना भी यही है। पाकिस्तान ने बार-बार इस समझदारी का उल्लंघन किया है, लेकिन उसे कभी सफलता नहीं मिली और हमारी सरकार की सफल कूटनीति ने विश्व जनमत को हमारे पक्ष में बनाए रखा। लेकिन वर्ष 1971 के बाद यह पहली बार हो रहा है कि भारत-पाक विवाद का हल अमेरिका की मध्यस्थता में खोजा जा रहा है। यह आश्चर्य की बात है कि युद्ध विराम की घोषणा भारत या पाकिस्तान नहीं, अमेरिका करता है। पाकिस्तान इसकी मीडिया में पुष्टि करता है और भारत दबी जुबान "ऐसा नहीं" कहने पर मजबूर है, लेकिन अमेरिका की मध्यस्थता का खंडन करने की हिम्मत नहीं करता। अमेरिका ही यह घोषणा भी करता है कि "दोनों पक्ष बड़े मुद्दों पर किसी तटस्थ स्थल पर वार्ता के लिए सहमत हो गए हैं।" अब यह बड़ा मुद्दा कश्मीर के सिवा और क्या हो सकता है? यह स्पष्ट नहीं है कि "किसी तटस्थ स्थल" पर अमेरिका की मौजूदगी होगी या नहीं? लेकिन संचार-प्रौद्योगिकी के इस युग में अमेरिका की भौतिक उपस्थिति कोई मायने नहीं रखती। युद्ध विराम में मध्यस्थता और बड़े मुद्दों पर वार्ता की अमेरिका की घोषणा से ही जाहिर है कि अब भविष्य में कश्मीर मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण होने जा रहा है, जो पाकिस्तान के मन-माफिक है। इसलिए युद्ध विराम की अमेरिकी घोषणा को पाकिस्तान अपनी जीत और भारत की हार बता रहा है, तो इसमें गलत क्या है? अमेरिका चाहता तो पाक प्रायोजित आतंकवाद पर लगाम लगा सकता था। लेकिन अमेरिका ही है, जो पूरी दुनिया में आतंकवाद का निर्यात करता है और आतंकवादियों को पनाह भी देता है। पाकिस्तान के राजनेताओं ने भी, जो जब-तब सत्ता में भी रहे हैं, यह माना है कि उनकी जमीन पर आतंकवाद अमेरिका के इशारे पर और उसके हितों के लिए पाला-पोसा गया है। इसलिए भारत में आतंकवाद केवल पाक-प्रायोजित ही नहीं है, अमेरिका-समर्थित आतंकवाद भी है। इसलिए पाकिस्तान के खिलाफ लड़ना जितना जरूरी है, उससे ज्यादा जरूरी आतंकवाद के सरगना अमेरिका के खिलाफ लड़ना है। लेकिन मोदी सरकार के पास बाबर और औरंगजेब के औलादों के खिलाफ लड़ने की ताकत तो है, अमेरिका के खिलाफ चूं तक करने की हिम्मत नहीं है। जब अमेरिका हमारे प्रवासी देशवासियों को जंजीर से जकड़कर हमारी ही धरती पर पटक रहा था, तो इस अपमान के खिलाफ मोदी सरकार की न केवल घिग्घी बंधी हुई थी, बल्कि संसद के अंदर उसने अमेरिका के इस कुकृत्य को सही भी ठहराया था, जबकि पूरी दुनिया अमेरिका की इस दादागिरी के खिलाफ लड़ रही थी। इसलिए इस सीजफायर के लिए मध्यस्थता कर रहे अमेरिका की किन शर्तों को भारत ने माना है, इसका भी खुलासा उसे आम जनता के सामने करना चाहिए। दो देशों के बीच का युद्ध वास्तव में उन देशों की सत्ताधारी पार्टियों और शासक वर्ग के बीच का युद्ध होता है, जिसमें जनता को सुनियोजित रूप से खींचा जाता है। आजादी के बाद से ही भारतीयों के मन में पाकिस्तानी जनता के खिलाफ और पाकिस्तानियों के मन में भारतीय जनता के खिलाफ नफरत पैदा करने का काम होता रहा है। भारत-पाक के इस सीमित युद्ध के जरिए दोनों देशों के सत्ताधारियों के हित साधे गए हैं। पाकिस्तान में सैन्य शासकों ने वैधता प्राप्त करने की कोशिश की है, तो भारत में मोदी सरकार ने बिहार चुनाव को साधने की। वास्तव में तो सेना को, उसकी इच्छा-अनिच्छा के परे, युद्ध की भट्टी में ही झोंकने का काम किया गया है। वह एक लोकतांत्रिक सरकार के अधीन अपना सैन्य कर्तव्य ही पूरा कर रही थी। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए इस युद्ध विराम ने वास्तव में भारतमाता के माथे के सिंदूर को थोड़ा-सा और पोंछने का ही काम किया है।*(लेखक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं)

दूषित नदियों से सेहत के बढ़ते खतरे

विजय गर्ग

वर्तमान युग को पर्यावरणीय संकट का युग कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। विकास, शहरीकरण, उद्योगीकरण और बढ़ती जनसंख्या के दबाव ने प्राकृतिक संसाधनों पर जो बोझ डाला है, उसका परिणाम आज हमारे सामने साफ दिखाई दे है। जल संसाधनों का संकट भी इन्हीं समस्याओं का विकराल रूप है। भारत की संस्कृति और सभ्यता नदियों के किनारे विकसित हुई, लेकिन आज वह नदियों के अस्तित्व को बचाने के लिए जूझ रहा है। कनाडा के शोधकर्ताओं ने हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में भारत की नदियों के संदर्भ में चिंताजनक स्थिति उजागर की है। अध्ययन के अनुसार भारत की लगभग अस्सी फीसद नदियां प्रदूषण के कारण गंभीर पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संकट का सामना कर रही हैं। इस शोध में 72 के 877 नदी स्थलों 21 सामान्य एंटीबायोटिक की मौजूदगी का परीक्षण किया और पाया गया कि भारत, पाकिस्तान, नाइजीरिया, इथियोपिया और वियतनाम जैसे देशों में स्थिति बेहद भयावह है। एंटीबायोटिक प्रदूषण का अर्थ है- मानव, पशु चिकित्सा या कृषि में प्रयुक्त दवाइयों के अंशों का अनियंत्रित, अनियमित एवं अनावश्यक रूप से पर्यावरण में उत्सर्जित होना। जब ये अंश जल, मृदा या वायु में प्रवेश करते हैं, तो ये केवल स्थलीय जीवन को नहीं, जलीय और समग्र पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रभावित करते हैं। भारत में विशेष रूप से कई दवाओं के अत्यधिक स्तर पाए गए हैं। इनमें से 'सेफिक्सिम' की उपस्थिति भारतीय नदियों में व्यापक पाई गई है। ये तथ्य स्वयं इस बात की पुष्टि कही हैं। वर्तमान अध्ययन के निष्कर्षों के करते हैं कि एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग और निपटान में गंभीर त्रुटियां हो अनुसार, भारत में लगभग 31.5 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में निवास कर रहे हैं, जहां जलस्रोत एंटीबायोटिक अवशेषों से प्रभावित हैं। यह तथ्य अत्यंत गंभीर है क्योंकि दूषित जल मानव स्वास्थ्य के लिए प्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न करता है। दिल्ली, लखन, गोवा और चेन्नई जैसे प्रमुख महानगरों में नदियों के जल में एंटीबायोटिक दवाओं की सांद्रता विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से दो से पांच गुना अधिक पाई गई है। इस संदर्भ में यह समझना आवश्यक है कि जल में उपास है कि जल में उपस्थित एंटीबायोटिक अवशेष सीधे तौर पर न

केवल मानव जीवन, बल्कि जलीय जीव-जंतुओं, सूक्ष्मजीवों और संपूर्ण खाद्य श्रृंखला को प्रभावित करते हैं। पर्यावरण में एंटीबायोटिक पोटिक प्रदूषण के विविध स्रोत हैं। प्रमुख औषधि उद्योगों से उत्पन्न अपशिष्ट जल शामिल है, जिसे उपचारित किए बिना जल स्रोतों में प्रवाहित कर दिया जाता है। भारत में अनेक औषध निर्माण इकाइयां पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करते हुए अपशिष्ट जल को नदियों, में मिलाती हैं। इसके अलावा मानव तथा पशु चिकित्सा में एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक तथा अनियंत्रित उपयोग भी इस संकट का बड़ा कारण है। अक्सर देखा जाता है कि बिना चिकित्सक के परामर्श के ही दवाइयां खरीदी जाती हैं और स्व-चिकित्सा की प्रवृत्ति आम हो चली है। इसके कारण न केवल दवाओं का अनावश्यक सेवन बढ़ता है, बल्कि इनके अवशेष शरीर से बाहर निकल कर जल स्रोतों को भी दूषित करते हैं। पशुपालन और कृषि क्षेत्र में भी वृद्धि दर बढ़ाने और बीमारियों से सुरक्षा के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग होता है। इसके परिणामस्वरूप मृदा तथा जल प्रदूषित होते हैं। एंटीबायोटिक प्रदूषण के दुष्परिणाम अत्यंत व्यापक हैं। जब जल स्रोतों में एंटीबायोटिक अवशेषों की अधिकता होती है, तो सूक्ष्मजीवी समुदायों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने में सूक्ष्मजीवों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इनके असंतुलन से संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो सकता है। जलीय जीवों की प्रजातियां, विशेष कर मछलियां झींगे आदि, एंटीबायोटिक प्रदूषण के प्रति अत्यंत संवेदनशील होती हैं। इससे उनकी जैव विविधता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जो दीर्घकाल में खाद्य श्रृंखला को भी प्रभावित करता है। मानव स्वास्थ्य पर भी इसके दुष्प्रभाव अत्यंत गंभीर हैं। एंटीबायोटिक अवशेषों के निरंतर संपर्क से जलजनित रोगों का खतरा बढ़ जाता है। दूषित जल के सेवन या उससे सिंचित फसलों के माध्यम से मानव शरीर में एंटीबायोटिक के प्रवेश कर कर सकते हैं, जिससे आंतों के संक्रमण, एलर्जी, प्रतिरक्षा तंत्र की दुर्बलता, यकृत तथा गुर्दे की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। सबसे गंभीर प्रभाव एंटीबायोटिक प्रतिरोध के रूप में सामने आता है। जब जीवाणु निरंतर एंटीबायोटिक दवाओं के के संपर्क में रहते हैं, तो वे उनके विरुद्ध प्रतिरोधी बन जाते हैं, जिससे सामान्य संक्रमणों का उपचार कठिन हो जाता है। वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एंटीबायोटिक प्रतिरोध को वैश्विक स्वास्थ्य संकटों में से एक घोषित किया है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग अट्ठावन हजार नवजात शिशुओं की मृत्यु इसी कारण हो रही। इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करता है। कृषि पर भी इस संकट का सीधा प्रभाव पड़ रहा । इस प्रकार एंटीबायोटिक प्रदूषण केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, अपितु आर्थिक एवं सामाजिक समस्या भी बन चुका है, जिसका समाधान तत्काल आवश्यक है। भारत सरकार ने इस दिशा में कुछ प्रयास किए गए हैं।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं ?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं।आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डयो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं ?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

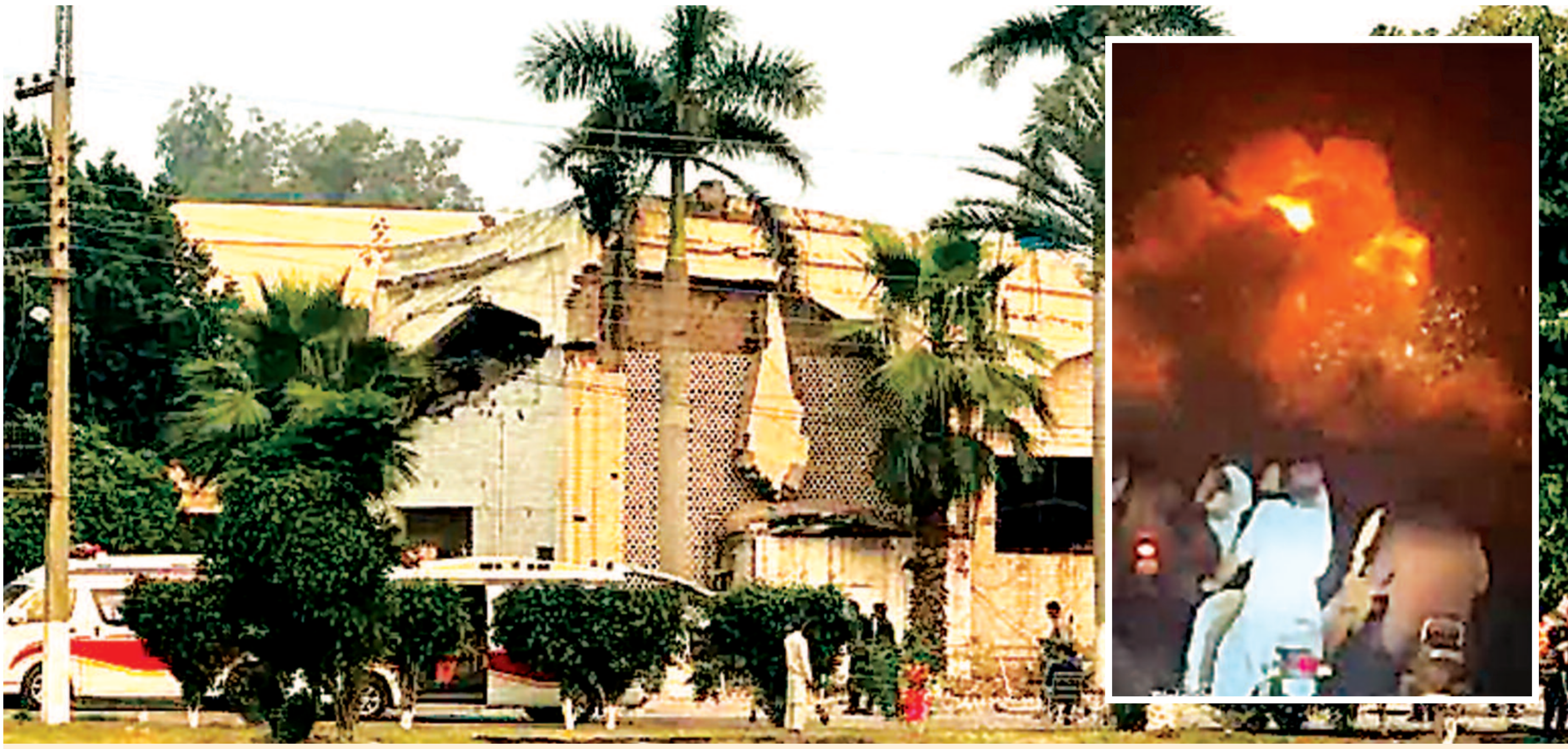

खाक हो गए आतंक के 5 आका.. भारत ने टारगेट लॉक कर यूं कर दिया ढेर

रुचिर शुक्ला

नई दिल्लीः भारत और पाकिस्तान में जंग जैसे हालात के बाद अब बॉर्डर पर शांति है। हालांकि, भारतीय सेना ने दो टूक कहा कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। सेना ने बताया कि 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के पहले दिन पाकिस्तान और ढङ्क में आतंकी ठिकानों पर हमले किए गए थे। भारतीय सेना ने इस कार्रवाई में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया। सेना ने बताया कि मारे गए आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा (छीळ) और जैश-ए-मोहम्मद (खीट) के पांच बड़े कमांडर भी शामिल थे। इन कमांडरों में मुदस्सर खादियान खास, खालिद उर्फ अबू अकाशा, मोहम्मद युसूफ अजहर, हाफिज मोहम्मद जलील और मोहम्मद हसन खान जैसे नाम थे। ये सभी आतंकी भारत में कई हमलों में शामिल थे।

ऑपरेशन सिंदूर में मारा गया जैश आतंकी मोहम्मद युसूफ अजहर : 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मारा गया मोहम्मद युसूफ अजहर सबसे खतरनाक आतंकी था। वह जैश-ए-मोहम्मद (खीट) के बड़े आतंकियों में से एक था। उसे उस्ताद जी, मोहम्मद सलीम और घोसी साहब के नाम से भी जाना जाता था। युसूफ अजहर, खीट के संस्थापक मसूद अजहर का रिश्तेदार था। वह 1999 के क्क-814 विमान अपहरण मामले में भी शामिल था और भारत का मोस्ट वांटेड आतंकी था। 2000 से वह इंटरपोल की रेड नोटिस लिस्ट में भी था। 2019 में, जब भारतीय वायुसेना (क्आ) ने पुलवामा हमले के जवाब में बालाकोट में खीट के ट्रेनिंग कैंप पर हमला किया, तब यूसुफ अजहर ही उस कैंप को चला रहा था। उस कैंप में आतंकवादियों को आत्मघाती हमलों के लिए तैयार किया जाता था।

इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी-814 अपहरण में निभाई थी बड़ी भूमिका : मोहम्मद यूसुफ अजहर ने इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी-814 के अपहरण में भी बड़ी भूमिका निभाई थी। इस विमान को अफगानिस्तान के कंधार में ले जाया गया था। इसके बाद मसूद अजहर को भारतीय जेल से रिहा कर दिया गया था। हालांकि यूसुफ अजहर खुद विमान में मौजूद नहीं था, लेकिन वह अपहरण की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में शामिल था। उसने अपहरणकर्ताओं को हथियार और भागने की योजना बनाने में भी मदद की थी।

भारत के एक्शन में मारा गया आतंकी मुदस्सर खादियान खास : मुदस्सर खादियान खास लश्कर (छीळ) का एक बड़ा नेता था। वह पाकिस्तान के मुरीदके में मरकज तैयबा का काम देखता था। मरकज तैयबा को छीळ का मुख्यालय माना जाता है। यहीं पर छीळ का चीफ हाफिज मोहम्मद सईद अपने भाषण देता था और बड़े आतंकी हमलों की योजना बनाता था। 26/11 के आतंकवादी अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली को भी इसी जगह पर ट्रेनिंग दी गई थी।

अबू जुंदाल के नाम से जाना जाता था मुदस्सर : मुदस्सर खास को मुदस्सर और अबू जुंदाल के नाम से भी जाना जाता था। उसे छीळ के डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद कसूरी ने छीळ में शामिल किया था। पहले, वह हाफिज अब्दुल रउफ़ (अल खिदमत कमेटी के चेयरमैन) के साथ उनकी सुरक्षा का काम करता था। उसने हाफिज सईद के दामाद हाफिज खालिद वलीद के साथ भी काम किया था, जो लाहौर में पीएमएमएल नाम की एक राजनीतिक पार्टी का जनरल सेक्रेटरी है।

मुदस्सर के जनाजे में दिखे पाकिस्तानी आर्मी चीफ : मुदस्सर जिस जगह का काम देखता था, उसे 1980 के दशक में हाफिज सईद और उसके साथियों ने बनाया था। उन्होंने छीळ को मरकज दावा वाल इरशाद से अलग करके बनाया था। यह जगह 200 एकड़ में फैली है। यहां ट्रेनिंग के लिए मैदान, रहने के लिए कमरे और अन्य सुविधाएं हैं। यह छीळ का विचारधारा और भर्ती केंद्र था। यहां आतंकवादियों को अलग-अलग चरणों में सैन्य ट्रेनिंग दी जाती थी। मुदस्सर कितना पॉवरफुल था कि उसके जनाजे के वीडियो में नजर आया कि पाकिस्तान आर्मी ने उसे गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पाक आर्मी चीफ और पंजाब के मुख्यमंत्री (मरियम नवाज) की तरफ से फूल भी चढ़ाए गए। पाक आर्मी का एक लेफ्टिनेंट जनरल और पंजाब पुलिस का आईजी भी शामिल हुआ। उसकी अंतिम प्रार्थना एक सरकारी स्कूल में हुई, जिसे हाफिज अब्दुल रऊफ ने करवाया। हाफिज अब्दुल रउफ़ को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया गया है।

मारे गए आतंकियों में हाफिज मोहम्मद जलील भी शामिल : हाफिज मोहम्मद जलील खीट का एक बड़ा नेता था। वह खीट के संस्थापक मसूद अजहर का सबसे बड़ा साला था। सूत्रों के मुताबिक, वह पाकिस्तान पंजाब के बहावलपुर में खीट के मुख्यालय मरकज सुभान अल्लाह का इंचार्ज था। सेना के मुताबिक, जलील खीट की शूरा (सबसे बड़ी निर्णय लेने वाली संस्था) का सदस्य था और मसूद अजहर का करीबी था। सेना ने बताया कि जलील अक्सर ढङ्क जाता था ताकि खीट के लिए नए लोगों को भर्ती कर सके और पैसे जुटा सके।

कौन था आतंकी जलील जो एयर स्ट्राइक हुआ जमींदोज : सूत्रों के मुताबिक, जलील के परिवार के कुछ सदस्यों की भी हवाई हमले में मौत हो गई है। खीट ने 1999 में मसूद अजहर द्वारा स्थापित बहावलपुर सुविधा को 2009 तक विकसित किया। यह 6.5 एकड़ का एक परिसर है, जिसका इस्तेमाल आतंकवादियों को ट्रेनिंग देने के लिए किया जाता था। इस परिसर को जामिया मस्जिद सुभानल्लाह के नाम से जाना जाता है। यह पाकिस्तान आर्मी के 31 कोर के मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूर है। सूत्रों के मुताबिक, इस सुविधा का इस्तेमाल 2016 के पठानकोट एयरबेस हमले और 2019 के पुलवामा आत्मघाती हमले में भी किया गया था, जिसमें 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे।

मोहम्मद हसन खान भी भारतीय सेना का बना निशाना : मोहम्मद हसन खान खीट के ढङ्क के ऑपरेशनल कमांडर मुफ्ती असगर खान कश्मीरी का बेटा था। वह भारतीय भगोड़े आशिक नेंगरू के साथ भी जुड़ा हुआ था, जो 2019 के पुलवामा हमले में वांटेड था। सेना ने एक बयान में कहा कि वह शाकरगढ़ स्थित खीट के आतंकवादियों, जैसे मोहम्मद अदनान अली उर्फ डॉक्टर मुसादिक, अली काशिफ जान उर्फ उस्मान हैदर और मोहम्मद यासिर के साथ भी मिलकर काम करता था। सेना ने कहा कि मुफ्ती असगर खान अपने पिता के साथ शूरा की बैठकों में जाता था। कश्मीरी खीट के ट्रेनिंग कैंपों का काम देखता है, जिसमें मुजफ्फराबाद में मरकज सैयदाना बिलाल कैंप भी शामिल है। यह कैंप आतंकवादियों को जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने से पहले ट्रेनिंग देने का काम करता है।

मारे गए आतंकियों में खालिद उर्फ अबू अकाशा : खालिद उर्फ अबू अकाशा जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी हमलों में शामिल था। उसने एलईटी के लिए अफगानिस्तान से हथियार लाने में भी बड़ी भूमिका निभाई थी। पाकिस्तान में भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने में उसकी भूमिका को इस बात से समझा जा सकता है कि फैजाबाद में उसके जनाजे में पाकिस्तान आर्मी के बड़े अधिकारी और फैजाबाद के डिप्टी कमिश्नर भी शामिल हुए थे। भारतीय सेना ने रविवार को बताया कि खालिद लश्कर का ट्रेंड आतंकवादी था। वह जम्मू कश्मीर में काम करता था और फिर पाकिस्तान भाग गया था। वहां से वह पेशावर में काम करता था। हाल ही में वह मुरीदके में एलईटी के मुख्यालय में चला गया था और ग्रुप की सेंट्रल कमेटी का हिस्सा बन गया था। वह लश्कर/जैश के बड़े नेताओं, जैसे याह्या मुजाहिद, कारी याकूब शेख, अब्दुल रहमान, खालिद वलीद, इंजीनियर हारिस डार और अब्दुल रहमान आबिद के साथ मिलकर काम करता था।

भारत से तुर्की किस बात की दुश्मनी निकाल रहा है...एर्दोगन को क्या है टीस

दिनेश मिश्र

नई दिल्ली : 2016-17 की बात है, जब तुर्की में एक विद्रोह हुआ। तुर्की ने इसके लिए अमेरिका स्थित तुर्की के धार्मिक नेता फेतुल्लाह गुलान के संगठन को जिम्मेदार बताया था। तुर्की ने तब आरोप लगाया था कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी उक्अ उनका इस्तेमाल कर तुर्की में तख्तापलट करना चाहती है। गुलान मूवमेंट भारत में भी सक्रिय रहा है। उस वक्त तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने भारत से उम्मीद की थी कि वो अपने यहां गुलान मूवमेंट के जो भी स्कूल या दफ्तर हैं, उन्हें बंद करवा दे। माना जाता है कि उस वक्त भारत ने तुर्की की अपील अनसुनी कर दी। इसके बाद से ही राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन लगातार कश्मीर का मुद्दा उठाने लगे। हालांकि, इस दुश्मनी की जड़ें अतीत में कहीं बेहद गहरे तक धंसी हुई हैं। हाल ही में पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके में ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इसके बाद तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने पाकिस्तान और पाकिस्तानियों के प्रति हमदर्दी जताई है। इस बीच, सीजफायर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच ऊंटड लेवल की बात होनी है। जानते हैं तुर्की से दुश्मनी की वो कहानी।

दिल्ली सल्तनत के 4 वंश मूल रूप से तुर्क थे : आज से करीब 800 साल पहले जब हिंदुस्तान में दिल्ली सल्तनत की स्थापना हुई। यह सल्तनत काल 1206 से 1526 तक रहा। इसमें पहले के चार वंश गुलाम वंश (या मामलुक वंश), खिलजी वंश, तुगलक वंश और सैयद वंश मूल रूप से तुर्क थे। कुतुबुद्दीन ऐबक जो दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान था, एक तुर्क गुलाम था। ऐबक ने मोहम्मद गोरी की हत्या के बाद दिल्ली की सत्ता संभाली। वहीं, गुलाम वंश का प्रमुख शासक इल्तुतमिश भी एक तुर्क था और दिल्ली सल्तनत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति था। हालांकि, खिलजी वंश को स्थापित करने वाला अलाउद्दीन खिलजी भी तुर्क ही था। उसने तो तुर्कियों के अलावा अन्य जातीय समूहों को अपनी सेना और शासन में शामिल किया। इसी तरह तुगलक वंश के सुल्तानों की सेना और शासन में भी तुर्क महत्वपूर्ण पदों पर थे।

बाबर की तुजुके बाबरी भी मूल रूप से तुर्की में :अब जरा इतिहास की ओर चलते हैं। दिल्ली के सुल्तानों और शुरुआती मुगलों के शासनकाल के दौरान भारतीय राजनीति पर तुर्की भाषा का महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है। तुर्की के कई शब्दों का इस्तेमाल आमतौर पर हिंदी, उर्दू और अन्य भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं में भी किया जाता है। मुगल सम्राट बाबर तुर्क-उजबेक भाषा का इस्तेमाल करने वाले एक सफल लेखक और कवि थे। उन्हें गद्य और पद्य दोनों में एक विशेष शैली के आविष्कारक के रूप में भी जाना जाता है। रामपुर की रजा लाइब्रेरी में 50 ऐसी दुर्लभ पुस्तकों और पांडुलिपियों का संग्रह मौजूद है, जो तुर्की भाषा में हैं।

शीत युद्ध के दौरान भारत ने गुटनिरपेक्षता को अपनाया : भारत और तुर्की के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना 1948 में हुई। मगर, जब अमेरिका और रूस शीतयुद्ध में उलझे तो तुर्की अमेरिका के समर्थन में उतर आया। वहीं, भारत-रूस की गहरी दोस्ती थी, मगर भारत ने गुट निरपेक्षता को अपनाया। इसके बाद से तुर्की पाकिस्तान के करीब आता गया। क्योंकि पाकिस्तान भी अमेरिका का परंपरागत दोस्त बनता गया।

बाल्कन युद्धों के दौरान तुर्की गए थे डॉ. एमए अंसारी : हिंदी और तुर्की भाषाओं में 9,000 से भी अधिक शब्द समान हैं। 1912 में बाल्कन युद्धों के दौरान मशहूर भारतीय स्वतंत्रता सेनानी डॉ. एमए अंसारी के नेतृत्व में तुर्की के लिए चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई गई थी। भारत ने 1920 के दशक में तुर्की के स्वतंत्रता संग्राम और तुर्की गणराज्य के गठन में भी सहयोग दिया था। इसके अलावा प्रथम विश्व युद्ध के अंत में तुर्की पर हुए अन्याय के खिलाफ महात्मा गांधी ने भी उनका साथ दिया था। 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता की घोषणा के ठीक बाद तुर्की ने भारत को मान्यता दी और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए।

तुम व्योम छूने के लिए बनी हो... विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने पूरा किया सपना

अनुभव शाक्य

नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली की तंग गलियों से लेकर नीले आसमान की अनंत ऊंचाइयों तक, व्योमिका सिंह की कहानी किसी सुपरहीरो की तरह है। एक ऐसी लड़की, जिसका नाम ही 'व्यों' यानी हवा से बना, और जिसने हवाओं को अपना रास्ता बनाकर देश का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया। कभी उनकी टीचर ने लिखा था- 'तुम व्योम को छूने के लिए बनी हो।' यह सिर्फ एक वाक्य नहीं, बल्कि एक भविष्यवाणी साबित हुई। आज, विंग कमांडर व्योमिका सिंह भारतीय वायु सेना की शान हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की कहानी देश के सामने रखकर इतिहास रचा।

स्कूल का वो आखिरी दिन जब एक लाइन ने बदली तकदीर : बात उन दिनों की है जब दिल्ली के सेंट एंथनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक स्टूडेंट व्योमिका अपनी ऑटोग्राफ बुक लिए स्टाफ रूम के बाहर कतार में थी। ये स्कूल का आखिरी दिन था, और हर स्टूडेंट अपने टीचर्स से कुछ यादगार शब्द चाहता था। जब व्योमिका की बारी आई, उनकी हिंदी टीचर नीलम वासन ने उनकी बुक में लिखाः 'व्योम को छूने के लिए बनी हो। नीलम मैम को क्या पता था कि ये लाइन सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि व्योमिका की जिंदगी का नक्शा बन जाएगी। आज, वही व्योमिका इंडियन एयर फोर्स की विंग कमांडर हैं, जो न सिर्फ आसमान छू रही हैं, बल्कि देश की शान बढ़ा रही हैं।

बचपन का वो जज्बा : इंडियन एक्सप्रेस ने व्योमिका की बचपन की दोस्त के हवाले से एक कहानी शेयर की। व्योंमिका की दोस्त शालिनी

रामन परक्कट, जो अब बैंगलोर में आर्टिस्ट हैं ने बताया, एक बार दिल्ली की बस में एक लड़के ने व्योमिका को परेशान करने की कोशिश की। वो बस से उतरने वाली थीं, लेकिन रुक गईं। फिर उस लड़के को ऐसी डांट पड़ी कि वो डर गया। शालिनी हंसते हुए कहती हैं, 'वो ट्यूशन सेंटर आई तो थोड़ा परेशान हुई थी, लेकिन डर? वो तो उसकी डिक्शनरी में था ही नहीं। ऐसी थी हमारी व्योमिका!

क्लासरूम से कोर्ट तक, हर जगह जलवा : स्कूल में व्योमिका वो स्टार थीं, जो हर जगह चमकती थीं। उनकी इंग्लिश टीचर ज्योति बिष्ट बताती हैं, 'वो इंग्लिश और हिंदी दोनों में डिबेट करती थी। उसकी बातों में इतना दम था कि सामने वाला चुप हो जाता था। बास्केटबॉल कोर्ट पर भी वो कमाल थी।' बिष्ट कहती हैं, 'टीवी पर उसे देखकर लगा कि वह वही व्योमिका है, लेकिन अब देश के लिए एक मजबूत आवाज बन चुकी है।'

पतंग से प्लेन तक का सफर : 1998 में स्कूल खत्म करने के बाद व्योमिका ने दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। लेकिन उनका दिल तो आसमान को छूने में था। उनकी दोस्त सुरुचि जैन बताती हैं, 'क्लास 11 में उसने पतंग उड़ाने पर एक फिजिक्स प्रोजेक्ट बनाया था। आज वो खुद आसमान में बिना किसी डोर के उड़ रही है। व्योंमिका ने इंडियन एयर फोर्स जॉइन की और विंग कमांडर बन गईं। उनकी दोस्त शालिनी कहती हैं, 'उस वक्त फौज में लड़कियां कम थीं। घरवालों को मनाना आसान नहीं रहा होगा, लेकिन व्योमिका ने कर दिखाया।

ऑपरेशन सिंदूर की कहानी दुनिया को बताई : हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 26 नागरिकों को निशाना बनाया। भारत ने इसका जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया, जिसमें पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया गया। इस मिशन की जानकारी देने के लिए सरकार ने दो महिला ऑफिसर्स को चुना। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह। टीवी पर व्योमिका की दमदार आवाज और कॉन्फिडेंस देखकर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। व्योमिका आज एक बेटी की मां भी हैं। लेकिन देश की सेवा में वो कभी पीछे नहीं हटतीं। उनकी दोस्त शालिनी बताती हैं, '2013 में स्कूल के व्हाट्सऐप ग्रुप में हम दोबारा मिले। जब पता चला कि व्योमिका एयर फोर्स में है, हम सब हैरान थे। वो वही मस्तीखोर लड़की थी, बस अब वर्दी में।

अमेरिका चीन की वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर 30फीसदी करेगा, बीजिंग 90 दिनों तक लगाएगा 10फीसदी कर

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन इस बात पर सहमत हुए हैं कि वे 90 दिनों की शुरुआती अवधि के लिए अपने पहले से घोषित पारस्परिक शुल्क और जवाबी शुल्क वापस ले लेंगे। इस बीच, चीन अमेरिकी वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाएगा, और अमेरिका चीनी वस्तुओं पर लगभग 30 प्रतिशत कर लगाएगा। सोमवार को एक संयुक्त बयान के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए उनके द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों के महत्व को पहचानते हुए अमेरिका और चीन के बीच सहमति बनी। दोनों देशों ने एक स्थायी, दीर्घकालिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक और व्यापार संबंधों के महत्व को पहचाना। दोनों देशों ने अपनी हालिया चर्चाओं पर विचार किया और माना कि निरंतर चर्चाओं में उनके आर्थिक और व्यापार संबंधों में प्रत्येक पक्ष की चिंताओं को दूर करने की क्षमता है। आगे बढ़ते हुए, दोनों देश आर्थिक और व्यापार संबंधों के बारे में चर्चा रखने के लिए एक तंत्र स्थापित करेंगे। इन चर्चाओं के लिए चीनी पक्ष के प्रतिनिधि स्टेट काउंसिल के वाइस प्रीमियर हे लिफेंग होंगे, और अमेरिकी पक्ष के प्रतिनिधि ट्रेजरी के सचिव स्कॉट बेसेंट और यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमीसन ग्रीर होंगे। दोनों देशों की ओर से एक संयुक्त बयान में कहा गया, ये चर्चाएं चीन और अमेरिका में बारी-बारी से आयोजित की जा सकती हैं, या पार्टियों की सहमति से किसी तीसरे देश में की जा सकती हैं।

जलवायु संरक्षण में भारत की भूमिका अहम, दुनिया ने माना- एशिया का लीडर

नई दिल्ली। जलवायु संरक्षण की दिशा में भारत द्वारा किए जा रहे कामों को पूरी दुनिया में मान्यता मिल रही है। एक वैश्विक मंच ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की प्रगति की जमकर तारीफ की है और कहा कि भारत ऊर्जा परिवर्तन के मामले में एशिया का नेता बनकर उभर रहा है। क्लाइमेट ग्रुप की सीईओ हेलेन क्लार्कसन ने सिंगापुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'एशिया में ऊर्जा परिवर्तन में भारत की अग्रणी भूमिका है। यह अपने जलवायु लक्ष्यों में लगातार प्रगति कर रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा पर खास फोकस किया जा रहा है। यह उत्साहजनक है। हेलेन क्लार्कसन ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में देखी गई प्रगति के साथ अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति शानदार है। उन्होंने भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025 तक भारत की कुल अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षमता 220 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसमें सौर ऊर्जा का सबसे बड़ा योगदान है। यह कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का करीब 48 प्रतिशत है।

भारत ने मालदीव को दी 50 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता, विदेश मंत्री ने जताया आभार

नई दिल्ली। भारत ने 50 मिलियन डॉलर के ट्रेजरी बिल के रोलओवर के माध्यम से मालदीव को वित्तीय सहायता प्रदान की है। मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने ट्वीट किया, मैं 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल के रोलओवर के माध्यम से मालदीव को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और भारत सरकार के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। यह समय पर की गई सहायता मालदीव और भारत के बीच मित्रता के घनिष्ठ संबंधों को दर्शाती है और आर्थिक लचीलेपन के लिए राजकोषीय सुधारों को लागू करने के लिए सरकार के चल रहे प्रयासों का समर्थन करेगी। मालदीव में भारतीय उच्चायोग के अनुसार, भारत ने 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल को रोलओवर करके मालदीव को वित्तीय सहायता प्रदान की है। मालदीव सरकार के अनुरोध पर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मालदीव के वित्त मंत्रालय की ओर से जारी 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सरकारी ट्रेजरी बिल को एक और वर्ष के लिए सब्सक्राइब किया है। मार्च 2019 से, भारत सरकार एसबीआई ऐसे कई ट्रेजरी बिलों की सदस्यता की सुविधा प्रदान कर रही है और सालाना, ब्याज-मुक्त तरीके से मालदीव सरकार को रोलओवर कर रही है।

चालू वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। हम एक उचित आधार, मजबूत आर्थिक बुनियाद के साथ शुरुआत कर रहे हैं। अर्थव्यवस्था देशों के मुद्दों के अल्पकालिक प्रभाव से उबरने में भी सक्षम है। भारतीय उद्योग परिसंघ यानी सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने कहा, देश को बढ़ती व्यापार बाधाओं की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने चाहिए। पुरी ने कहा, ऊर्जा, परिवहन, मेटल, केमिकल और हॉस्पिटालिटी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निजी निवेश में वृद्धि हो रही है। देशों में मौजूदा तनाव से उपजी अनिश्चितता के कारण निवेश में कुछ कमी आ रही है। विकास और प्रतिस्पर्धा के घरेलू चालकों पर ध्यान देने की जरूरत है। पुरी ने कहा, भारत ने निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को दंडित करने का सही काम किया है।

स्रीगी डीएलएफ ने आईपीओ निवेशकों को किया मालामाल, पहले दिन ही लगभग डबल हुए पैसे

एजेंसी

नई दिल्ली। कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के लिए प्लास्टिक मोल्डिंग्स, होम अप्लायंसेज मोल्डिंग्स और एडवांस्ड इंजेक्शन मोल्डिंग्स का काम करने वाली कंपनी स्रीगी डीएलएम के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 99 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 188.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 197.50 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया। स्रीगी डीएलएम का 16.98 करोड़ रुपये का आईपीओ 5 से 7 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 490.93 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 136.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,534.66 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 243.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 17,14,800 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी ग्रेटर नोएडा में मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी सेटअप करने, मशीनरी खरीदने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 1.13 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 2.81 करोड़ और 2023-24 में 3.10 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 28 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 54.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की बात करें तो अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच कंपनी को 3.77 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 54.47 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

भारत के खुदरा व्यापार पर कब्ज़े की कोशिशों के खिलाफ 16 मई को कैट की राष्ट्रीय संगोष्ठी

एजेंसी

नई दिल्ली। खुदरा कारोबारियों के संगठन कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने आज कहा कि भारत के सालाना 140 लाख करोड़ रुपये के खुदरा व्यापार को विदेशी पूंजी पोषित ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स कंपनियों द्वारा कब्ज़ाने की साज़िश के विरोध में कैट 16 मई को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है।

कैट के महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस अहम कांफ्रेंस में देशभर से 100 से अधिक व्यापारिक नेता हिस्सा लेंगे, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी मुख्य वक्ता होंगी। श्री खंडेलवाल ने बताया कि इस संगोष्ठी में व्यापारियों के साथ-साथ स्वदेशी उत्पादों के समर्थक, ट्रांसपोर्ट संगठनों, एमएसएमई, महिला उद्यमियों, किसानों, स्टार्टअप्स और उपभोक्ता संगठनों सहित व्यापार जगत के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस मंच से एक संयुक्त रणनीति बनाई जाएगी, जिसका उद्देश्य देशव्यापी जागरूकता अभियान शुरू कर इन कंपनियों के खिलाफ जनमत तैयार करना है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने इस आयोजन को बेहद महत्वपूर्ण करार देते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि विदेशी कंपनियों की अनैतिक गतिविधियों का व्यापारी वर्ग संगठित होकर विरोध करे। उन्होंने आरोप लगाया कि इन कंपनियों ने अब तक मोबाइल, एफएमसीजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, किराना, होटल-रेस्तरां जैसे क्षेत्रों में भारी नुकसान पहुंचाया है और अब अन्य सेक्टरों पर भी कब्ज़े की कोशिश में जुटी हैं। श्री भरतिया ने स्पष्ट किया कि यह कांफ्रेंस एक निर्णायक पहल* होगी, जिसकी रणनीति के आधार पर पूरे देश में जागरूकता और विरोध अभियान शुरू किया जाएगा, जिससे देश के पारंपरिक खुदरा व्यापार को बचाया जा सके।

शुरुआती कारोबार में ही निवेशकों को 10.59 लाख करोड़ का फायदा, 176 शेयरों पर लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान सीमा पर हुए सीजफायर के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान रौनक बनी हुई है। बाजार में जबरदस्त उत्साह का माहौल बना हुआ है, जिसके कारण बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग तीन प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की जा चुकी है?। बाजार खुलते ही आज खरीदारी का इतना जोरदार रुझान बना कि शुरुआती कुछ मिनट में ही स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 10.59 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। शुरुआती कारोबार में निफ्टी के फार्मास्यूटिकल इंडेक्स को छोड़ कर शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। फार्मास्यूटिकल इंडेक्स फिलहाल उतार-चढ़ाव के बीच सपाट स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह मिडकैप और स्मॉल कैप शेयरों में भी आज जोरदार खरीदारी होती हुई नजर आ रही है। बाजार की तेजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कारोबार शुरू होने के कुछ देर बाद ही बीएसई में

लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपीटलाइजेशन बढ़ कर 427 लाख करोड़ रुपये हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को इन कंपनियों का मार्केट केपीटलाइजेशन 416.41 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) था। इस तरह बाजार खुलते ही निवेशकों की संपत्ति में करीब 10.59 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में शामिल शेयरों में से सन फार्मास्यूटिकल्स और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। इसके अलावा इन दोनों सूचकांक में शामिल शेष सभी शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। फिलहाल बीएसई पर 2,933 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही है। इनमें से 2,584 शेयर मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 256 शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं।

टॉप 10 में शामिल 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.60 लाख करोड़ की गिरावट, रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 2 कंपनियों के मार्केट कैप में करीब तीन हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), आईटीसी और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में 1,60,314.48 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और इंफोसिस के मार्केट कैप में 2,952.89 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। 5 मई से 9 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 59,799.34 करोड़ रुपये घट कर 18,64,436.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 30,185.36 करोड़ रुपये कम होकर 9,90,015.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 27,062.52 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 14,46,294.43 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 18,429.34 करोड़ रुपये घट कर 6,95,584.89 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 13,798.85 करोड़ रुपये कम होकर 5,36,927.95 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 8,321.89 करोड़ रुपये की कमी के साथ 5,29,972.97 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 2,138.29 करोड़ रुपये कम होकर 10,53,891.62 करोड़ रुपये के स्तर पर और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 578.89 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,45,418.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,537.56 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,48,382.85 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप 415.33 करोड़ रुपये उछल कर 6,26,083.70 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 18,64,436.42 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,46,294.43 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,45,418.09 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,53,891.62 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,90,015.33 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 6,95,584.89 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,26,083.70 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,48,382.85 करोड़ रुपये) बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,36,927.95 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,29,972.97 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

1.75 करोड़ घरों को रोशन करेगा अदाणी का खावड़ा सोलर प्लांट

एजेंसी

खावड़ा। भारत के शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाने में महत्ती भूमिका निभा रही कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीआईएल) की गुजरात के कच्छ के खावड़ा में बन रही दुनिया की सबसे बड़ी सौर परियोजना पूरी तरह से तैयार होने पर 1.75 करोड़ घरों को बिजली की आपूर्ति की जा सकेगी। यह परियोजना 538 वर्ग किलोमीटर अर्थात 132943 एकड़ में फैली है जो लगभग मुंबई के आकार के बराबर है और पेरेसि से पांच गुना बड़ा है। इस संयंत्र ये पौलेंड , कनाडा या स्पेन की पूरी आबादी को बिजली आपूर्ति की सकता है। कंपनी के अनुसार इस सोलर पार्क को आसमान से देखा जा सकता है। यह परियोजना 30 हजार मेगावाट क्षमता की है जिसमें 26 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा और चार हजार मेगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। अभी इस परियोजना में 4106.9 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। कंपनी का लक्ष्य 2030 तक 50

गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का है और खावड़ा प्लांट की क्षमता 30 गीगावॉट है। एजीईएल ने 2029 तक करीब 1.60 लाख करोड़ रुपये के निवेश से इस परियोजना को पूरा करने वाली है। इसके पूर्ण होने में इसमें 6 करोड़ सोलर पैनल लगगें और करीब 800 पवन चक्की लगेगी। कंपनी ने नयी प्रौद्योगिकी से ऐसी पवन चक्की बनायी है जो एक पवन चक्की 5.2 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने में सक्षम है। कंपनी ने जर्मनी के डब्ल्यू 2ई विंड टू एनर्जी के साथ मिलकर 5.2 मेगावाट की सबसे शक्तिशाली ऑनशोर विंड टर्बाइन विकसित की है, जिसमें 160 मीटर का रोटर व्यास, 20,106 मीटर का स्वीप्ट एरिया और 200 मीटर की टिप ऊंचाई है। कंपनी इस प्लांट में ऐसे सोलर पैनल लगा रही है जो दोनों ओर से बिजली उत्पादन करने में सक्षम है। इनमें से अधिकांश सोलर पैनलों ऐसे लगाये गये हैं जो धूप के साथ घुमने में सक्षम है। सोलर पैनलों की प्रतिदिन स्वचालित रोबोटिक मशीनों से सफाई की जाती है जिसमें पांनी का उपयोग नहीं किया जाता है। यह कंपनी का पूरी तरह से शून्य पानी उपयोग वाला प्लांट है और इससे 171.6 करोड़ लीटर पानी का बचत होगा। कंपनी ने हाल ही में करीब 700 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं का संचालन शुरू किया है, जिससे खावड़ा में कुल क्षमता चार हजार मेगावाट हो गई है। खावड़ा प्लांट अकेले 87.4 अरब यूनिट बिजली पैदा करेगा, जो 1.74 करोड़ घरों को बिजली आपूर्ति करने में सक्षम होगा। इससे सालाना 6.36 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होगा। खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क अकेले भारत की कुल सोलर ऊर्जा उत्पादन का 9 फीसदी उत्पादन कर सकता है। खावड़ा परियोजना पूरी दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा पावर प्लांट है। इससे 15200 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मिलने का अनुमान है। कंपनी ने पूरा होने के बाद, यह सभी ऊर्जा स्रोतों में ग्रह का सबसे बड़ा बिजली संयंत्र होगा।

मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड, पाम तेल महंगा

एजेंसी

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में भाव तेजी लिए रहे। मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड तथा पाम तेल ऊंचा बिका। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली घटी रही, इससे भाव कम हुए। मूंगफली तेल 1310 से

1320 रुपये प्रति 10 किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1340 से 1360 रुपये पर रुका। हालांकि कारोबार के दौरान भाव ऊपर नीचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड 1215 से 1220 रुपये पर खुलकर 1265 से 1270 रुपये बिका। पाम तेल 1280 से 1285 रुपये खुलकर 1290 से 1295 रुपये होकर थमा। तिलहन जिन्सों में मांग से भाव ऊपर नीचे हुए। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली से मजबूती दर्ज की गई।

मनोज ज्वेलर्स ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी का कारोबार करने वाली कंपनी मनोज ज्वेलर्स के शेयरों ने आज अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इस शेयर की आज डिस्काउंट रेट पर लिस्टिंग हुई और थोड़ी ही देर में गिर कर यह लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग 5 पैसे के डिस्काउंट के साथ 53.95 रुपये के स्तर पर हुई। डिस्काउंटेड लिस्टिंग के बाद निवेशकों को उसे समय और झटका लगा, जब बिकवाली के दबाव में थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर टूट कर 51.26 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के शुरुआती

कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.07 प्रतिशत का नुकसान हो गया। मनोज ज्वेलर्स का 16.20 करोड़ रुपये का आईपीओ 5 से 7 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.14 गुना ही सब्सक्राइब हो सका था। इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 30 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 36 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 62 लाख और 2023-24 में 3.24 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 153 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 43.38 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की बात करें तो अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच कंपनी को 3.77 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 42.97 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी थी।

अगले सप्ताह दो नए आईपीओ की लॉन्चिंग, दो शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार 19 मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में दो नए आईपीएल लॉन्च होने वाले हैं। ये दोनों आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इनके अलावा पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 9 मई को लॉन्च हुए एक आईपीओ में भी इस सप्ताह 14 मई यानी बुधवार तक बोली लगाई जा सकेगी। जहां तक लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह दो कंपनियां के शेयर लिस्ट होकर स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे। इस सप्ताह इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर्स का 12 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 15 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 16 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 20 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसी तरह 14 मई यानी बुधवार को एक्रेशन फार्मास्यूटिकल्स का 29.75 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 16 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 96 से 101 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 19 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 21 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।इन दोनों नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 9 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले वर्चुअल गैलेक्सी इन्फोटेक के 93.29 करोड़ रुपये के आईपीओ में बुधवार 14 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 135 से 142 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 15 मई को किया जाएगा। वहीं, इनकी लिस्टिंग 19 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इस आईपीओ को अभी तक 69 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका है सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान दो कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करने जा रही हैं। इनमें एक कंपनी श्रीगी डीएलएम लिमिटेड है।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.07 अरब डॉलर घटकर 686.06 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी होने से 02 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.07 अरब

डॉलर घटकर 686.06 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.98 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 688.13 अरब डॉलर पर रहा था।रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 02 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 51.4 करोड़ डॉलर की मजबूती के साथ 581.2 अरब डॉलर पर पहुंच गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 2.5 अरब डॉलर की भारी कमी आई और यह घटकर उछलकर 81.8 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर तीन करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 18.6 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 30 लाख डॉलर की कमी आई और यह पिछले सप्ताह के मुकाबले घटकर 4.5 अरब डॉलर रह गई।

सर्राफा बाजार में बड़ी गिरावट, 1,800 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। आज के कारोबार में सोना 1,650 रुपये से लेकर 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 96,880 रुपये से लेकर 97,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 88,800 रुपये से लेकर 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 96,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के

स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 96,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 88,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 96,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 88,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 96,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 96,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 88,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 96,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 88,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, कहा- जीवन भर याद रहेगी इस प्रारूप से मिली सीख

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। इस चौंकाने वाले फैसले की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से दी। कोहली ने अपने भावुक पोस्ट में टेस्ट क्रिकेट के प्रति अपने जुनून, इस प्रारूप से मिली सीख और अपने 14 साल के शानदार सफर को साझा किया। विराट ने अपने पोस्ट में लिखा, '14 साल पहले मैंने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में ब्लू कैप पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे ऐसी यात्रा पर ले जाएगा। इसने मुझे परखा, मुझे गढ़ा और ऐसी सीख दी जो मैं जीवनभर साथ रखूंगा। कोहली ने कहा, सफेद जर्सी में खेलने में कुछ खास है। ये एक शांत, लंबा और धैर्य से भरा सफर होता है। ये छोटे-

छोटे पल जो कोई नहीं देखता लेकिन जो हमेशा आपके साथ रहते हैं। अब जब मैं इस फॉर्मेट से विदा ले रहा हूं, तो मन भारी है लेकिन अंदर से सही लग रहा है। मैंने टेस्ट क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया, और इसने मुझे उससे कहीं ज्यादा लौटाया। कोहली ने पोस्ट में आगे लिखा, 'मैं कृतज्ञता से भरा हुआ हूं। इस खेल के लिए, उन सभी साथियों के लिए जिनके साथ मैंने मैदान साझा किया, और हर उस व्यक्ति के लिए जिन्होंने मुझे इस सफर में सराहा। हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कान के साथ याद करूंगा। विराट कोहली ने भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने इन मैचों में 46.85 की औसत के साथ 9,230 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 30 शतक और 31 अर्धशतक लगाए। टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली का उच्चतम स्कोर नाबाद 254 रन रहा। विराट कोहली ने ऐसे समय संन्यास की घोषणा की है जब कुछ ही दिन पहले रोहित शर्मा ने भी क्रिकेट के इस सबसे लंबे प्रारूप को अलविदा कह दिया था। विराट कोहली पहले ही टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। इसका मतलब है कि कोहली अब रोहित की तरह सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते नजर आएंगे।

तन्वी शर्मा ने जीता डेनमार्क चैलेंज बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली। उभरती हुई भारतीय शटलर तन्वी शर्मा ने महिला एकल के फाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया की नी कडेक ढिंडा अमर्त्य प्रतिवी को हराकर डेनमार्क चैलेंज 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता। 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने फाइनल में मुकाबले में इंडोनेशियाई खिलाड़ी नी कडेक ढिंडा अमर्त्य प्रतिवी को 21-13, 21-10 से हराया। तन्वी का यह बीडब्ल्यूएफ इंटरनेशनल चैलेंज स्तर का दूसरा खिताब है। आज खेले गये मुकाबले की शुरुआत में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी संघर्ष करती दिखीं, और इंडोनेशियाई प्रतिद्वंद्वी ने 6-2 की बढ़त बनाई। हालांकि, तन्वी ने धैर्य रखते हुए स्कोर 8-8 से बराबर कर दिया और मैच पर अपना दबदबा बनाते हुए सीधे गेम में मैच अपने नाम कर लिया। तन्वी ने सेमीफाइनल में इंडोनेशियाई शटलर मुटियारा आयु पुष्पितसारी पर 23-21, 19-21, 21-19 से हराया था।

टूर्नामेंट में उन्होंने सबसे बड़ी जीत दूसरे राउंड में यूक्रेन की दुनिया की 44वें नंबर की खिलाड़ी पोलिना बुहरोवा के खिलाफ दर्ज की।

भारत की पुरुष और मिश्रित रिले टीमें विश्व चैंपियशनिप क्वालीफिकेशन से चूकी

एजेंसी

गुआंगझोउ (चीन)। भारत की पुरुष और मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर टीमें विश्व एथलेटिक्स रिले 2025 से आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने में विफल रहीं। अपना पहला अवसर चूकने के बाद आज हुई स्पर्धा में टीमों को इस सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने के लिए अपनी हीट में शीर्ष तीन में जगह बनाने की आवश्यकता थी। मिश्रित 4गुणा 400 मीटर रिले में भारत की टी संतोष, रूपल, विशाल टीके और सुभा वेंकटेशन की चौकड़ी ने 3:14.81 का समय निकालकर हीट 2 में चौथा स्थान हासिल कर पाई और क्वालीफिकेशन से चूक गईं। स्पर्धा में इटली (3:12.53) समय के साथ पहले, फ्रांस (3:12.66) समय के साथ दूसरे और कनाडा (3:12.95) समय के साथ तीसरा स्थान पर रहते हुए क्वालीफिकेशन हासिल किया।

चेनाई और हासिस की भारतीय जोड़ी ने जीता ट्रैप मिश्रित टीम का कांस्य पदक

निकोसिया (साइप्रस)। ओलंपियन केनान चेनाई और सबीरा हारिस की भारतीय जोड़ी ने आईएसएसएफ विश्वकप 2025 में ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। आज यहां साइप्रस के निकोसिया में आयोजित शॉटगन निशानेबाजों के लिए आईएसएसएफ विश्व कप ओलंपियन केनान चेनाई और 18 वर्षीय सबीरा हारिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया।

आईएसएसएफ विश्व कप में इस वर्ष में भारत का पहला शॉटगन पदक है। भारतीय निशानेबाजी जोड़ी ने एक करीबी मुकाबले में तुर्किये के रुमेसा पेलिन काया और टोलगा ट्यूनसर को 34-33 से हराकर पोडियम पर अपना स्थान सुरक्षित किया।

मलोग में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर जुब्बल क्षेत्र के में नंदपुर पंचायत के अंतर्गत मलोग में नवयुवक मण्डल मलोग द्वारा आयोजित स्वर्गीय राय सिंह रांटा मेमोरियल पंचायत स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता के शुभारम्भ समारोह की अध्यक्षता की। इस प्रतियोगिता में 35 टीमें भाग ले रही हैं। श्री ठाकुर ने नवयुवक मण्डल मलोग के सदस्यों को इस आयोजन पर बधाई दी और कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास में खेलों का सर्वाधिक महत्त्व और योगदान है। हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में जहाँ बड़े मैदान और खुली जगह की उपलब्धता कम है, वहाँ पर वॉलीबाल, कब्बडी और खो-खो जैसे खेल उपयुक्त माने जाते हैं। इसलिये हम इन खेलों को अपने पारम्परिक खेल भी मानते है। उन्होंने बताया कि जुब्बल क्षेत्र ने वॉलीबाल में एक से बढ़कर एक राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिये है। युवाओं से आह्वान करते हुए उन्होंने बताया कि वे बढ़चढ़ कर खेलों में भाग लें और नशीले पदार्थों के सेवन की कुप्रवृति से दूर रहे। उन्होंनें बताया कि सरकार ने युवाओं को खेल की ओर प्रेरित करने के लिए विभिन्न प्रयास किये हैं और इसी दिशा में खेल छात्रावास जुब्बल के नवनिर्मित भवन को जनता को समर्पित किया गया है। खेल छात्रावास में वॉलीबॉल के साथ-साथ अब कबड्डी और बैडमिंटन का भी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है जिससे कि राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं बच्चों को प्राप्त हो रही हैं।

भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 97 रनों से हराकर त्रिकोणीय श्रृंखला जीती

कोलंबो । स्मृति मंधाना (116) की शतकीय, हरलीन देओल (47), जेमिमाह रॉड्रिग्स (44) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (41) की शानदार पारियों के बाद स्नेह राणा (चार विकेट) और अमनजोत कौर (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने फाइनल में मुकाबले में श्रीलंका को 97 रनों से हराकर त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला अपने नाम कर ली। 343 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की बेहद शुरुआत खराब रही और उसने अपना पहला विकेट हसिनी परेरा (शून्य) के रूप में गवां दिया। परेरा को अमनजोत कौर ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान चामरी अटापट्टू ने विष्मी गुणारत्ने के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिये 68 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में अमनजोत कौर ने विष्मी गुणारत्ने (36) को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद नीलाक्षी डिसिल्वा और अटापट्टू के बीच तीसरे विकेट लिये 73 रन जोड़े। 24वें ओवर में स्नेह राणा ने चामरी अटापट्टू (51) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। हर्षिता समाराविक्रमा (26) रन और देवमी विहंगा (चार) रन बनाकर आउट हुई।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में खेलेंगे रैना-धवन, गुप्टिल-दिलशान जैसे दिग्गज करेंगे शिरकत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) में हिस्सा लेने जा रहे हैं। यह टूर्नामेंट 27 मई से 5 जून के बीच ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेला जाएगा। इस ग्लोबल क्रिकेट लीग में श्रीलंका के पूर्व ओपनर तिलकरत्ने दिलशान, न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान जैसे इंटरनेशनल दिग्गज खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से इंडियन वॉरियर्स टीम उतरेगी, जिसमें रैना और धवन के अलावा पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार और मनप्रीत गोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल होंगे। कुल 6 टीमें टूर्नामेंट में भाग लेंगी, जो दुनिया के छह अलग-अलग महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करेंगी। ये टीमें हैं - इंडियन वॉरियर्स, अफ्रीकन लायंस, ट्रांस टाइटन्स (ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड), यूरो ग्लैडिएटर्स, अमेरिकन स्ट्राइकर्स और एशियन एवेंजर्स। आईएलसी के डायरेक्टर गौरव कमल ने टूर्नामेंट को लेकर एक बयान में कहा, इन दिग्गज खिलाड़ियों ने सालों तक हमें रोमांचित किया है,

और अब एक बार फिर ये मैदान में लौटकर हमें पुरानी यादें ताजा कराएंगे। ILC उनके क्रिकेटिंग करियर को सम्मान देने के साथ-साथ खेल की वैश्विक एकता का उत्सव भी है। वहीं, आईएलसी के एक और निदेशक मनीष भट्ट ने कहा, शिखर धवन की क्लासिक बल्लेबाजी और सुरेश रैना की धमाकेदार स्ट्रोक्स इस टूर्नामेंट को बेहद खास बना देंगे। इनका अनुभव और करिश्मा युवा क्रिकेट फैंस को प्रेरित करेगा। इस लीग में कुल 18 मुकाबले खेले जाएंगे और सभी मैच सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव प्रसारित किए जाएंगे।

नीरज चोपड़ा समेत चार भारतीय एथलीट्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग में लेंगे हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 16 मई को दोहा में होने वाली प्रतिष्ठित डायमंड लीग मीटिंग में तीन अन्य भारतीय एथलीट्स के साथ हिस्सा लेंगे। यह पहली बार होगा जब डायमंड लीग के किसी एक इवेंट में भारत की तरफ से चार एथलीट्स भाग लेंगे।

नीरज चोपड़ा 2023 में दोहा डायमंड लीग का खिताब जीत चुके हैं, जहां उन्होंने 88.67 मीटर भाला फेंका था। वहीं, 2024 में वह 88.36 मीटर की थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। इस बार भी उनसे गोल्डन थ्रो की उम्मीद की जा रही है।

नीरज के साथ पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में किशोर जेना भी नजर आएंगे। जेना ने 2024 में भी हिस्सा लिया था और 76.31 मीटर की थ्रो के साथ नौवें स्थान पर रहे थे। इस बार वह अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिश करेंगे।

अन्य दो भारतीय एथलीट्स का ट्रैक पर होगा दमदार प्रदर्शन

इस बार ट्रैक इवेंट्स में भी भारत की दमदार मौजूदगी देखने

को मिलेगी। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर सिंह अपना डायमंड लीग डेब्यू करने जा रहे हैं। वहीं, महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में पारुल चौधरी उतरेंगी, जो इस इवेंट की भारतीय रिकॉर्डधारक हैं। नीरज और जेना को इस बार सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। मैदान में दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा), 2024 के विजेता याकुब वाडलेच (चेक गणराज्य), जूलियन वेबर और मैक्स डेनिंग (जर्मनी), जूलियस येगो (केन्या) और रोडरिक डीन (जापान) जैसे दिग्गज होंगे।

आईएसएसएफ शॉटगन वर्ल्ड कप 2025: किन्नन चेनाई-सबीरा हारिस ने ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में जीता कांस्य

जेंसी

नई दिल्ली। ओलंपियन किन्नन चेनाई और 18 वर्षीय सबीरा हारिस की जोड़ी ने साइप्रस के निकोसिया में आयोजित आईएसएसएफ शॉटगन वर्ल्ड कप 2025 में ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया।

कांस्य पदक मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने तुर्की की टीम – टोल्गा टंसर और रुमेया काया – को 34-33 के करीबी अंतर से हराया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में भारत ने 142 अंक बनाए थे और चीनी ताइपे की टीम (वान-यू लियू और कुन-पी यांग) को शूट-ऑफ में 4-2 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल मैच में प्रवेश किया।

सबीरा का शानदार प्रदर्शन

18 वर्षीय सबीरा हारिस ने क्वालिफिकेशन में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 75 में से 72 शॉट्स लगाए, जबकि 34 वर्षीय अनुभवी किन्नन चेनाई ने 70 शॉट्स पूरे किए। सबीरा इससे पहले भी जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में शार्दूल विहान के साथ मिक्स्ड ट्रैप इवेंट में मेडल जीत चुकी हैं।

गोल्ड मुकाबले से चूकी तुर्की की टीम

दिलचस्प बात यह रही कि तुर्की की टीम गोल्ड मेडल मुकाबले में जगह बनाने से भी चूक गई। वे दूसरे स्थान पर रही चीन की जोड़ी झांग ज़िक्सी और क्वी यिंग से शूट-ऑफ में 1-2 से हार गए, जबकि पोलैंड की टीम ने 146 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया।

दूसरे भारतीय दल का औसत प्रदर्शन

भारत की दूसरी टीम जिसमें शार्दूल विहान (72) और कीर्ति गुप्ता (65) शामिल थे, ने कुल 137 अंक बनाए और 34 टीमों में 17वें स्थान पर रही।

दीपिका कुमारी, पार्थ सालुंखे ने जीते कांस्य पदक

एजेंसी

शंघाई। ओलंपियन दीपिका कुमारी और पार्थ सालुंके ने तीरंदाजी विश्व कप 2025 में व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धाओं में कांस्य पदक अपने नाम किये। इसके साथ ही भारत ने टूर्नामेंट में कुल सात पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया। दीपिका कुमारी ने आज शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। यह तीरंदाजी विश्व कप में उनका 37वां पदक है। इससे के साथ ही वह अब सबसे अधिक पदक जीतने वाली भारतीय तीरंदाज बन गईं। 12वीं वरीयता प्राप्त दीपिका ने महिलाओं के व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी कांस्य पदक मैच में टोक्यो 2020 में स्वर्ण पदक जीतने वाली कोरिया गणराज्य टीम की सदस्य कांग चाए-यंग को 7-3 से हराकर यह पदक जीता। इससे पहले दीपिका ने क्वार्टरफाइनल में चीन की ली जियामन को 6-2 से हराया था। सेमीफाइनल में उन्हें दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन लिम सिहयोन से 1-7 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पार्थ सालुंखे ने पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के दौरान कई उलटफेर किए। सालुंखे ने कांस्य पदक के लिए हुए मैच में फ्रांसीसी तीरंदाज बैपटिस्ट एडिस को 6-4 से हराया। भारतीय तीरंदाज ने पहले राउंड में शूट-ऑफ में टोक्यो 2020 ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज को हराया और फिर इसके बाद उन्होंने क्वार्टरफाइनल में दक्षिण कोरिया की किम जे देओक को 6-2 से मात दी।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अल नास्त्र सऊदी प्रो लीग के खिताबी दौड़ से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगुवाई वाली अल नास्त्र टीम को सऊदी प्रो लीग खिताब के लिए अब अगले सीजन तक इंतजार करना होगा। मिली ताज़ा हार के बाद टीम 2024-25 सीजन के खिताबी दौड़ से बाहर हो गई है। अब एएफसी चैंपियंस लीग एलीट में क्वालीफाई करना ही उसका प्रमुख लक्ष्य रह गया है। लीग में टॉप पर चल रही अल इत्तिहाद ने करीम बेंजेमा के दो गोलों की मदद से अल फैहा को 3-0 से हराकर अपने शीर्ष स्थान को और मजबूत कर लिया। 31 मैचों के बाद इत्तिहाद के 74 अंक हो चुके हैं, जबकि अल नास्त्र अधिकतम 72 अंक ही हासिल कर सकती है। इस तरह वह खिताब की दौड़ से बाहर हो गई है। गौरतलब है कि अल नास्त्र ने पिछली बार 2018-19 सीजन में सऊदी प्रो लीग खिताब जीता था।

इसके बाद अल हिलाल ने चार बार और इत्तिहाद ने एक बार खिताब पर कब्जा जमाया है।

चैंपियंस लीग एलीट में कैसे पहुंचेगी अल नास्त्र?

2024-25 एएफसी टूर्नामेंट के अनुसार, सऊदी प्रो लीग की शीर्ष तीन टीमें एएफसी चैंपियंस लीग एलीट के लिए क्वालीफाई करेंगी। इसके अलावा, किंग्स कप का विजेता एएफसी चैंपियंस लीग टू (एसीएल 2) में जाएगा, जो एशिया की द्वितीय श्रेणी की प्रतियोगिता है। अगर किंग्स कप विजेता पहले से लीग की टॉप-3 में है, तो चौथे स्थान की टीम को एसीएल 2 का टिकट मिलेगा। इस साल के किंग्स कप फाइनल में पहुंची अल इत्तिहाद और अल क़दीसिया दोनों ही लीग की टॉप तीन की दौड़ में हैं। ऐसे में अगर इनमें से कोई एक कप जीतता है और लीग में भी टॉप-3 में रहता है, तो चौथे स्थान वाली टीम एसीएल 2 में पहुंचेगी।

रोनाल्डो की टीम के लिए समीकरण

अभी अल नास्त्र अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। टीम को एएफसी चैंपियंस लीग एलीट में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे चारों मुकाबले जीतने होंगे और साथ ही टॉप टीमों के नतीजे भी उसके पक्ष में आने चाहिए। अगर टीम दूसरे स्थान पर पहुंचती है, तो उसका एलीट में खेलना तय है। अगर वह तीसरे या चौथे स्थान पर रहती है और किंग्स कप विजेता टॉप-3 में रहता है, तो अल नास्त्र को कम से कम एसीएल 2 में खेलने का मौका मिल सकता है।

नवोन को हराकर सिनर इटालियन ओपन के अगले दौर में

रोम। डोपिंग मामले में तीन महीने के निलंबन के बाद मैदान पर लौटे इटली के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी यानिस सिनर ने अर्जेंटीना के मारियानो नवोन को हराकर इटालियन ओपन के अगले दौर में

जगह बना ली है। यानिस सिनर ने पुरुष एकल मुकाबले में घरेलु दर्शकों के सामने शानदार प्रदर्शन करते हुए मारियानो नवोन को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया। उन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहली बार घरेलु दर्शकों के सामने खेलते हुए यह पहली जीत दर्ज की है यह उनकी लगातार 22वीं जीत है। सिनर अगले दौर में नीदरलैंड के जेसपर डे जोंग से मुकाबला होगा।

हारिस ने नेशनल टेनिस रैंकिंग टूर्नामेंट में लगातार चौथा खिताब अपने नाम किया

एजेंसी

प्रयागराज। संत जोसफ कॉलेज के कक्षा 7 के छात्र हारिस खान ने सोनीपत हरियाणा में 05 से 10 मई तक आयोजित एआईटीए (चैम्पियनशिप सीरीज-7) अंडर-12 टेनिस टूर्नामेंट में एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए एकल का खिताब अपने नाम किया। हारिस ने फाइनल में तमिलनाडु के श्रविन रुबेस को 6-1, 6-2 से सीधे सेटों से हराकर यह उपलब्धि हासिल की।

इससे पहले सेमीफाइनल में हारिस ने हरियाणा के यश दहिया को 6-0, 6-1 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था। हारिस ने अंडर-14 में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। अंडर-14 के सेमी फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के प्रथम सीडेड वेदांत शुक्ला को 6-4, 6-0 से सीधे सेटों में पराजित किया। अंडर-14 फाइनल में दिल्ली के रेयांश भल्ला के हाथों उन्हें 6-3, 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। परन्तु अपने ज़बरदस्त फोरहैंड और ड्राप शॉट्स से सभी का दिल जीत लिया। हारिस ने अंडर-14 (डबल्स) में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई और उप विजेता का ख़िताब जीता। इस जीत के साथ हारिस ने अपने टेनिस कैरियर का लगातार चौथा एआईटीए चैम्पियनशिप का ख़िताब जीत कर यह दिखा दिया कि मेहनत और लगन से बड़ा से बड़ा लक्ष्य भी आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। उनकी इन

उपलब्धियों पर उनके कोच सैफ इकबाल ने बधाई देते हुए आने वाले टूर्नामेंट में ऐसे ही प्रदर्शन के लिए शुभकामनायें दी।

रियल मैड्रिड को हराकर ला लीगा खिताब के करीब पहुंचा बार्सिलोना

एजेंसी

बार्सिलोना। ला लीगा में खेले गए एल क्लासिको मुकाबले में बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 4-3 से हराकर खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने तालिका में मैड्रिड पर सात अंकों की बढ़त बना ली है और अब सिर्फ तीन मैच बाकी हैं।

मबाप्पे की हैट्रिक पर भारी पड़ा बार्सिलोना का जज़्बा

रियल मैड्रिड की ओर से किलियन मबाप्पे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक लगाई, लेकिन बार्सिलोना की तरफ से राफिन्हा के दो गोल और लामिन यमाल व एरिक गार्सिया के एक-एक गोल ने मैच का पासा पलट दिया। चैंपियंस लीग से बाहर होने के बाद यह मैच बार्सिलोना के लिए 'करो या मरो' जैसा था, लेकिन कोच हैंसी फ्लिक की टीम ने शानदार वापसी करते हुए चौथे क्लासिको में भी जीत दर्ज की।

मबाप्पे ने दिलाई शुरुआती बढ़त

रियल मैड्रिड ने दमदार शुरुआत की और महज चौथे मिनट में मबाप्पे ने पेनल्टी पर गोल करके टीम को बढ़त दिला दी। यह पेनल्टी तब मिली जब गोलकीपर वोज्शेच शेचनी ने मबाप्पे को गिराया, हालांकि

बार्सिलोना ने ऑफसाइड की मांग की थी। 14वें मिनट में मबाप्पे ने दूसरा गोल किया, जिससे मैड्रिड ने 2-0 की बढ़त ले ली। यह उनका 26वां लीग गोल था, जिससे उन्होंने रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को पीछे छोड़ते हुए टॉप स्कोरर बन गए।

राफिन्हा की जोड़ी और यमाल का जलवा

मैड्रिड की बढ़त ज्यादा देर टिक नहीं सकी। राफिन्हा ने दो मिनट बाद ही गोल दागा, फिर पहले हाफ के अंतिम क्षणों में उन्होंने लुकास वाज़क्वेज़ से गेंद छीनकर दूसरा गोल भी कर डाला। लामिन यमाल ने भी मैच में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने एक गोल भी किया, जबकि एक हैडर पर राफिन्हा को शानदार क्रॉस दिया जो गोल में तब्दील नहीं हो सका।

मबाप्पे की तीसरी बार कामयाबी, पर जीत नहीं दिला सके: दूसरे हाफ में मबाप्पे ने विनीसियस जूनियर की सहायता से तीसरा गोल करते हुए हैट्रिक पूरी की, लेकिन बार्सिलोना की डिफेंस और मिडफील्ड ने इसके बाद कोई बड़ी चूक नहीं की। विक्टर मुनोज के पास अंत में स्कोर बराबर करने का मौका था, लेकिन उन्होंने गेंद ऊपर मार दी।

पाकिस्तानी यूजर ने पति को छोड़ने की दी सलाह, तो

देवोलीना भट्टाचार्जी

ने उड़ाई धज्जियां, कहा- 2 दिन में तेरी आर्मी भीख मांगने पे आ गई...

देवोलीना भट्टाचार्जी टेलीविजन इंडस्ट्री का जाना माना नाम हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं. हाल ही में उन्होंने भारत-पाकिस्तान में तनाव के मामले को लेकर कई सारे पोस्ट शेयर किए हैं. एक्ट्रेस ने इंडियन आर्मी के सपोर्ट के लिए कई सारे ट्वीट किए हैं. हालांकि इन्हीं सब के बीच देवोलीना का एक पाकिस्तानी फैन सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को उनके पति को छोड़ने की सलाह दी है. इस पर एक्ट्रेस ने उसे करारा जवाब दिया है.जब से पहलगाम में आतंकी अटैक हुआ है, तभी से कई सारे स्टार्स ने पाकिस्तान और आतंकवादियों के विरोध में पोस्ट शेयर की है. इन्हीं में से एक नाम देवोलीना का भी है. हालांकि, इसी दौरान ज्यादातर स्टार्स को पाकिस्तानी

फैंस की तरफ से निगेटिव कमेंट मिल रहे हैं, जो कि लाजमी हैं. हाल ही में एक पाकिस्तानी यूजर न देवोलीना के पोस्ट पर कमेंट करते हुए उन्हें उनके पति को छोड़ने के लिए कहा गया है.

'अपने पति को छोड़ दें'

दरअसल, पाकिस्तानी यूजर ने लिखा कि मैं भारत के सभी प्रोड्यूसर्स से ये रिक्वेस्ट करता हूं कि प्लीज देवोलीना को कुछ काम दे दें, ये घर बैठकर पागल हो गई है. देवोलीना हर वक्त लोगों के बीच नफरत फैला रही है और मुझे इसका फैन होने का अफसोस है. यह गंदी, गंदगी फैलाने वाली और बेवकूफ है. साथ ही अगर ये इस्लाम से इतनी नफरत है, तो अपने पति को छोड़ दे, घटिया. बता दें कि देवोलीना ने शाहनवाज शेख से शादी रचाई है.

एक्ट्रेस ने दिया करारा जवाब

पाकिस्तानी यूजर के इस कमेंट पर एक्ट्रेस ने उसे मुंहतोड़ जवाब दिया है. उन्होंने लिखा है कि अब इनको मेरे काम की फिक्र है, जिनका खुद का कोई भरोसा नहीं है. अरे जाकर अपना देश और आतंकी कैंप संभाल. 2 दिन में तेरी आर्मी इंटरनेशनल फंड्स से भीख मांगने पे आ गई है. मेरे पति की फिक्र में अपना खून मत जला इतना, जो आतंकवादी पाल रखे हैं अपने देश में उनको भारत सरकार के हवाले कर दे, बेचारे परेशान हो गए हैं मुझसे.

कितनी अमीर हैं 'तेरे नाम' की निर्जला, 22 साल बाद अब कहां हैं और क्या कर रही हैं भूमिका चावला?

हिंदी सिनेमा में कई ऐसी एक्ट्रेसेस रही हैं, जो अपनी पहली ही फिल्म के जरिए ही दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब हो गईं. एक्ट्रेस भूमिका चावला भी इसी लिस्ट में शामिल है. शायद आप समझ नहीं पाए होंगे कि भूमिका चावला आखिर कौन हैं. तो आपको बता देते हैं कि भूमिका ने ही 22 साल पहले 2003 में सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'तेरे नाम' में निर्जला का किरदार निभाया था.निर्जला का किरदार निभाकर भूमिका चावला काफी पॉपुलर हो गई थीं. तेरे नाम उनकी बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म थी और सलमान के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म देकर वो रातोंरात स्टार बन गई थीं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि अब भूमिका चावला कहां हैं और वो क्या कर रही हैं ? अगर नहीं तो चलिए हम आपको बताते हैं.

तेलुगु फिल्म 'युवाकुडू' से किया एक्टिंग डेब्यू

भूमिका का जन्म 21 अगस्त 1978 को नई दिल्ली में हुआ था. भूमिका ने अपने फिल्मी करियर का आगाज साउथ सिनेमा से किया. उनके करियर की पहली फिल्म 'युवाकुडू' थी. ये तेलुगु पिक्चर साल 2000 में रिलीज हुई थी. भूमिका ने साउथ की कई फिल्मों में काम किया है और अच्छा खासा नाम कमाया.

अब क्या कर रही हैं भूमिका चावला ?

भूमिका ने साउथ की कई फिल्मों में काम किया जबकि बॉलीवुड में वो तेरे नाम के अलावा 'रन', 'सिलसिले', 'गांधी माई फादर', 'दिल जो भी कहे' और 'दिल ने जिसे अपना कहा' जैसी फिल्मों में भी नजर आईं. भूमिका ने साल 2007 में भारत ठाकुर से शादी कर ली थी. इसके बाद वो एक्टिंग से दूरी बनाने लगी. वहीं जल्द ही एक्ट्रेस फिल्मी दुनिया के लिए एक गुमनाम चहेरा बन गईं. हालांकि सालों बाद उन्होंने एक्टिंग कमबैक किया. बॉलीवुड में फिर उन्हें सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के अलावा कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' में भी देखा गया.

इतने करोड़ की मालकिन हैं भूमिका

फिल्मी दुनिया में कदम रखने से पहले भूमिका ने 1998 के शो 'हिप हिप हुर्रे' में काम किया था. उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषा की 50 से ज्यादा फिल्में की हैं. एक्ट्रेस की नेटवर्थ की बात करें तो रिपोर्ट्स के अनुसार वो करीब 15 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन हैं.

भारत की सबसे रईस एक्ट्रेस, जिनकी फिल्में नहीं देखते उन्हीं के बच्चे, 100 से ज्यादा पिक्चर्स में किया काम

कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेस ने 80 के दशक में खूब नाम कमाया. ऐसी ही एक अदाकारा के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं, जो अब भारत की सबसे अमीर एक्ट्रेस हैं. उन्होंने कई शानदार फिल्में दी हैं. हालांकि फिर भी आपको ये जानकर हैरानी होगी कि उनके बच्चे उनकी फिल्में नहीं देखते हैं.यहां बात हो रही है जानी-मानी एक्ट्रेस जूही चावला की. जूही चावला ने अपने करियर का आगाज 80 के दशक में किया था. अपने लंबे और सफल करियर में उन्होंने कई शानदार फिल्में दी थीं. अब चाहे वो फिल्मों से दूर हैं, लेकिन वो भारत की सबसे अमीर एक्ट्रेस हैं. आइए आपको जूही की नेटवर्थ बताते हैं.

'सल्तनत' से किया था बॉलीवुड डेब्यू

57 वर्षीय जूही चावला का जन्म हरियाणा के अंबाला में 13 नवंबर 1967 को हुआ था. जूही ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1986 में आई फिल्म 'सल्तनत' से की थी, लेकिन उन्हें पहली बड़ी और खास पहचान साल 1988 की फिल्म 'कयामत से कयामत तक' से मिली थी. आमिर खान ने इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था. दोनों की ये पिक्चर ब्लॉकबस्टर हुई थी.

जूही ने अपने करियर में 'कयामत से कयामत तक' के बाद 'डर', 'दीवाना मस्ताना', 'भूतनाथ', 'इश्क', 'यस बॉस', 'हम हैं राही प्यार के', 'राजू बन गया जेंटलमैन', 'बोल राधा बोल' और 'स्वर्ग' जैसी बेहतरीन फिल्मों सहित कुल 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है. एक्ट्रेस के अलावा जूही ने बतौर प्रोड्यूसर भी काम किया. वो 'अशोका, 'फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी' और 'चलते चलते' जैसी फिल्मों की प्रोड्यूसर रह चुकी हैं.

जूही की फिल्में नहीं देखते उनके बच्चे

जूही बॉलीवुड की कामयाब एक्ट्रेस हैं. दर्शक उनकी फिल्में बड़े चाव के साथ देखते हैं. हालांकि उनके बेटे अर्जुन मेहता को उनकी फिल्मों में दिलचस्पी नहीं है. जूही ने खुद इसके पीछे की वजह बताई थी. एक बार जूही के बेटे अर्जुन ने उनसे ये कहा था कि उन्हें वो फिल्में पसंद नहीं हैं, जिनमें वो रोमांटिक रोल करती हैं.

4600 करोड़ है जूही की नेटवर्थ

हुरुन रिच लिस्ट 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक जूही चावला की टोटल संपत्ति 4600 करोड़ रुपये है और वो भारत की सबसे अमीर एक्ट्रेस हैं. 850 करोड़ की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में ऐश्वर्या राय बच्चन दूसरे नंबर पर मौजूद हैं.

भारत-पाक में तनातनी के बीच भोजपुरी एक्ट्रेस

अक्षरा सिंह

ने इस कदम से जीत लिया दिल

भारत और पाकिस्तान के बीच कई दिनों तक गरमा गरमी के बाद अब सीजफायर का ऐलान हो गया है. हालांकि बीते कुछ दिनों में बने युद्ध जैसे हालात का असर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर भी पड़ा. बॉलीवुड फिल्मों की थिएटर्स रिलीज रोक दी गई और कई कलाकारों ने अपने इवेंट्स भी पोस्टपोन कर दिए. भोजपुरी सिनेमा में एकलौती ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने ऐसा एक फैसला लिया है. जी हां, हम बात अक्षरा सिंह की कर रहे हैं जो दोनों देशों में तनातनी से बेहद दुखी हैं.अक्षरा सिंह के पिछले कुछ पोस्ट में आप देख सकते हैं कि वो पहलगम में हुए आतंकी हमले से दुखी थीं इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के बारे में लिखते हुए भारतीय सेना की तारीफ भी की. लेकिन एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट पोस्ट में बताया है कि उन्होंने एक बड़ा फैसला लिया है.

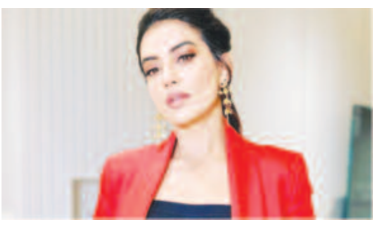

अक्षरा सिंह ने लिया है बड़ा फैसला

अक्षरा सिंह ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर किया था. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'जब तक सबकुछ ठीक नहीं हो जाता कोई पोस्ट, कोई गाना रिलीज नहीं होगा.' इसमें हैशटैग भी अक्षरा सिंह ही लिखा गया और हाथ जोड़ने वाली इमोजी भी बनाई गई.

इस पोस्ट में लिखा था, 'इस कठिन समय में मैं अक्षरा सिंह देश के साथ एकजुटता से खड़ी हूं. हे ईश्वर, हमारे देश भारत को आशीर्वाद दें और प्रगति, शांति और समृद्धि प्रदान करें. देश के जवानों की रक्षा करें, हमारे लोगों को सुरक्षित रखें. एकता और प्रेम में रहने की सद्बुद्धि प्रदान करें.' अक्षरा सिंह के इस पोस्ट को उनके फैंस और फॉलोवर्स काफी पसंद कर रहे हैं. ज्यादातर फैन ने कमेंट बॉक्स में हार्ट इमोजी और जय हिंद लिखा है. वहीं एक ने लिखा, 'बहुत सही फैसला.' वहीं किसी दूसरे ने लिखा, 'भोजपुरी सिनेमा की शेरनी हैं आप, जय हिंद, जय भारत.' फैंस अक्षरा सिंह के इस कदम से काफी खुश हैं.

अक्षरा सिंह के पिछले पोस्ट में क्या था ?

दो दिन पहले अक्षरा सिंह ने एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें लिखा था चलो हमारी बहादुर सेना के लिए प्रार्थना करते हैं, साथ बना रहे. प्रार्थना जाप, जय हिंद, जय भारत. वहीं 'ऑपरेशन सिंदूर' की भी अक्षरा ने एक पोस्ट के जरिए तारीफ की थी. अक्षरा सिंह पिछला गाना पांच दिन पहले रिलीज हुआ था, जिसका नाम 'खेला होबे' था. ये गाना प्रिया मलिक ने गाया था और ये गाना अक्षरा सिंह पर फिल्माया गया था. यूट्यूब पर इस गाने को खूब पसंद किया जा रहा है.

आपात स्थिति से निपटने को वालंटियर पंजीकरण करेगा हरियाणा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता को डरने या घबराने की आवश्यकता नहीं है, प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है। सरकार के साथ जनभागीदारी को जोड़ें, ताकि वे सेवाभाव से सरकार का सहयोग कर सके। इसके लिए एक विशेष पोर्टल विकसित किया जाए, जिस पर नागरिक और भूतपूर्व सैनिक वॉलिंटियर्स के तौर पर अपना पंजीकरण करवा सकें। आपात स्थिति में यह वालंटियर अपने कौशल के अनुसार जैसे, ड्राइवर, डॉक्टर या अन्य विशेषज्ञता के अनुसार अपनी सेवाएं दे सकें। मुख्यमंत्री वर्तमान हालातों के मद्देनजर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्तों, पुलिस आयुक्तों व पुलिस अधीक्षकों सहित प्रशासनिक सचिवों के साथ अहम बैठक कर प्रदेश में नागरिक सुरक्षा अभ्यास की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सभी जिलों में आपात स्थिति में संपर्क करने हेतु व्हाट्सएप ग्रुप बनाए जाएं और एक जिम्मेदारी अधिकारी या कर्मचारी की ड्यूटी लगाई जाए । अधिकारी का नंबर भी साझा किया जाए, ताकि नागरिक आपात स्थिति में उन नंबरों पर कॉल या मैसेज करके जानकारी दे सकें। इसके अलावा प्रदेशभर में संचालित

560 सरकारी और 600 निजी एंबुलेंस की भी मैपिंग की जाए ताकि वे जल्द से जल्द समय में घटनास्थल पर पहुंच सकें। साथ ही पांच हजार से अधिक आबादी वाले गांवों में पंचायतों के सहयोग से एंबुलेंस सेवा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ब्लैकआउट के दौरान पुलिस गश्त जारी रहे और सार्वजनिक स्थलों व आवासीय क्षेत्रों में पुलिस की उपस्थिति बनी रहे, जिससे जनता के बीच विश्वास बना रहे और लोग अनावश्यक रूप से घबराएं नहीं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि सभी उपायुक्तों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे फील्ड कार्यालयों को भारत सरकार की एडवाइजरी की तर्ज पर दिशा-निर्देश जारी करें। शांति-व्यवस्था बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उपायुक्त आवश्यक वस्तुओं की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करें।

मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने कहा कि उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक संयुक्त रूप से बैठक कर जिले में स्थिति की समीक्षा करें और आपदा प्रबंधन अधिनियम के नियमों और जिले की आपदा कार्य योजना को सावधानीपूर्वक लागू करें। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि जिला कंट्रोल रूम को अंतर-एजेंसी समन्वय प्रोटोकॉल और चेतावनी सायरन के प्रावधानों के साथ 24 घंटे एक्टिव रहने के निर्देश दिए गए हैं।

इंदिरा गांधी ने देश का सबसे ज्यादा नुकसान किया : अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी के शासनकाल में देश को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। उन्होंने विशेष रूप से शिमला समझौते की आलोचना करते हुए कहा कि इसके लिए उन्हें कभी माफ नहीं किया जा सकता। विज ने कहा कि इंदिरा गांधी ने जो लड़ाई सेना ने मैदान में जीती, उसे टेबल पर हार दी। उन्होंने आरोप लगाया कि 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान की 13 हजार एकड़ जमीन पर कब्जा किया था और 93 हजार युद्धबंदियों को अपने कब्जे में लिया था, लेकिन इंदिरा गांधी ने शिमला समझौते में ये सब मुफ्त में पाकिस्तान को दे दिया। उन्होंने कहा कि उस समय पीओके वापस लेने का सुनहरा मौका था, जिसे इंदिरा गांधी ने गंवा दिया। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर के बाद विपक्ष द्वारा विशेष सत्र बुलाने की मांग पर विज ने कहा कि सिक्रेट बातों को डिस्क्लोज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध से जुड़ी सभी गोपनीय जानकारियाँ सार्वजनिक नहीं की जा सकतीं, क्योंकि इससे देश की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। आज भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ की मीटिंग पर विज ने कहा कि यह पाकिस्तान नहीं, ना-पाकिस्तान है।

सरकार अंत्योदय उत्थान की दिशा में कर रही है कार्य, निरन्तर मिल रहे है सकारात्मक परिणाम : कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने आज नरवाना के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में खुला दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करके उन्हें एक्शन टेकन रिपोर्ट दें। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार अंत्योदय उत्थान की दिशा में निरन्तर कार्य कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम मिल रहे है। किसानों की एमएसपी पर फसल खरीद की जा रही हैं और निर्धारित समय में भुगतान किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग के लिए काम कर रही है। चुनावी संकल्प पत्र के अनुसार सरकार विकास के काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नरवाना क्षेत्र में निरंतर विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है और आने वाले समय में भी क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेक परियोजनाएं आरंभ की जाएंगी। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि नरवाना क्षेत्र के किसी भी नागरिक को मूलभूत सुविधाओं के लिए किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। विकास कार्यों में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अत्यंत गंभीर और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद में विस्तृत चर्चा जरूरी : सैलजा

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद की चर्चा होनी चाहिए ऐसे में जल्द से जल्द विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम पर चर्चा करना लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए बहुत जरूरी है। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी एक अवसर होगा। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री को भेजा गया पत्र विपक्ष की सर्वसम्मत भावनाओं को दर्शाता है। अत्यंत गंभीर और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद में विस्तृत चर्चा आवश्यक है। यह देश की लोकतांत्रिक परंपरा, सुरक्षा नीति और जनता के प्रति हमारी जवाबदेही का हिस्सा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार इन विषयों पर चुप्पी साधे हुए है, जबकि देश चिंतित है और स्पष्टता चाहता है। जनता को सच जानने का अधिकार है, और संसद इसका सर्वोच्च मंच है। विपक्ष देशहित में एकजुट होकर इस विशेष सत्र की मांग कर रहा है, और यदि सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती है, तो उसे तत्काल संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए।

खेलो इंडिया में पदक जीतकर लाए खिलाड़ी का किया अभिनंदन

झज्जर। खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैराकी प्रतियोगिता में हरियाणा ने चार पदक हासिल किए हैं। चैंपियंस एक्वेटिक अकादमी बहादुरगढ़ के तैराक अर्जुन ने दो स्वर्ण और दो रजत पदक हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। विजेता खिलाड़ी का बहादुरगढ़ की एचएल सिटी में स्थित चैंपियंस एक्वेटिक अकेडमी के स्विमिंग पूल पहुंचने पर स्वागत किया गया। हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव एवं हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने विजेता खिलाड़ी को मेडल और नोटों की माला पहनाकर अभिनंदन किया। विजेता खिलाड़ी अर्जुन ने बताया कि हाल ही में बिहार राज्य में 4 मई से 15 मई तक खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन किया गया है। इन खेलों की तैराकी प्रतियोगिता गत शुक्रवार को संपन्न हुई। प्रतियोगिता में हरियाणा की ओर से भाग लेते हुए अर्जुन ने चार पदक हासिल किए। खिलाड़ी अर्जुन ने तैराकी के 50 मी. बैक स्ट्रोक और 50 मी. फ्री स्टाइल इवेंट में 2 स्वर्ण पदक और 100 मी. बैक स्ट्रोक व 100 मीटर फ्री स्टाइल इवेंट में दो रजत पदक हासिल किए हैं। अर्जुन ने कहा कि वह आगामी नेशनल चैंपियनशिप में नया रिकॉर्ड बनाकर प्रदेश के लिए पदक जीतना चाहता है।

कर्मचारियों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, कृषि मंत्री को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

यमुनानगर। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के बैनर तले एसकेएस राज्य, जिला व ब्लॉकों के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ उपप्रधान राकेश धनखड़ की अध्यक्षता में अनाज मंडी रादौर में इकट्ठा होकर हरियाणा कौशल रोजगार निगम से हटाए गए कर्मचारियों के समायोजन के बारे व वेतन न मिलने के विरोध में प्रदर्शन किया और उसके उपरांत कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के आवास पर पहुँचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन पर बोलते हुए कृषि मंत्री ने हटाये गए कौशल कर्मचारियों के बारे में जल्द ही मुख्यमंत्री के साथ बात करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा सरकारी स्कूलों में कौशल निगम के अध्यापकों को सात महीने से वेतन ना मिलने की समस्या को लेकर कृषि मंत्री ने मौके पर ही शिक्षा मंत्री महिपाल डांडा को फोन करके वेतन जारी करने के लिए बोला। मौके पर उपस्थित राज्य महासचिव नरेश

कुमार ने कृषि मंत्री के साथ बातचीत करते हुए बताया कि राज्य सरकार ने कौशल रोजगार निगम के तहत नियुक्त कर्मचारियों को 58 वर्ष की आयु तक सेवा सुरक्षा देने का आश्वासन दिया था। ये सभी कर्मचारी अपने पदों के लिए योग्यता पूरी करते हैं। इनके काम की आवश्यकता भी मौजूद है। यदि एक स्थान पर आवश्यकता न रही हो तो दूसरे स्थान पर समायोजित किया जा सकता है। इससे पहले संघ ने 11 अप्रैल को उपायुक्तों के माध्यम से ज्ञापन देकर इस बारे में आग्रह किया था। इसके बाद भी 20 अप्रैल को हजारों प्रभावित कौशल कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के कुरुक्षेत्र आवास पर जाकर प्रतिवेदन दिया। हमें विश्वास दिलाया गया था कि शीघ्र ही मुख्यमंत्री बातचीत करके रास्ता निकालेंगे। अभी तक हमारे पक्ष को नहीं सुना गया है और न ही समायोजन किया गया है। संघ पदाधिकारियों ने कृषि मंत्री को अनुरोध करते हुए कहा कि उपयुक्त मंच पर चर्चा करके हटाए गए कर्मचारियों का समाधान करवाये तथा देश के समक्ष मौजूद चुनौतीपूर्ण परिस्थिति को देखते हुए एचकेआरएन कर्मचारियों को तत्काल समायोजित करें,राज्य में कहीं भी काम उपलब्ध रहने पर किसी कच्चे कर्मचारी को हटाया न जाए,अपरिहार्य स्थिति में हटाना पड़े तो राज्य में कनिष्ठतम से वरिष्ठतम का नियम लागू होना चाहिए। सरकार नीति बनाकर दो वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कच्चे कर्मचारियों की सेवाएं नियमित करे।

सोनीपत में 26 करोड़ से बदलेगी पार्कों की नुहार,परियोजनाएं शुरू

एजेंसी

सोनीपत। नगर निगम सोनीपत क्षेत्र के पार्कों के सौंदर्यीकरण और विकास के लिए 26 करोड़ रुपये की योजनाएं लागू की जा रही हैं। मेयर राजीव जैन ने विभिन्न सेक्टरों और कॉलोनियों में पार्कों का निरीक्षण करते हुए बताया कि 10 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से पार्कों में झूले, ओपन जिम, दीवारों की मरम्मत और फुटपाथों का निर्माण कराया जाएगा। ऋषि कॉलोनी में दिव्य नगर योजना के तहत 12 एकड़ भूमि में भव्य पार्क निर्माण की योजना है, जिस पर प्रथम चरण में 10 करोड़ और द्वितीय चरण में मल्टीपर्पज हॉल व अन्य सुविधाओं समेत कुल 26 करोड़ की लागत आएगी। मेयर ने बताया कि सेक्टर 14 के पार्कों की मरम्मत पर 93 लाख, सेक्टर 15 में 2.3 करोड़ और सेक्टर 23 में एक करोड़ की लागत से कार्य चल रहा है। सेक्टर 12, 13 और अन्य क्षेत्रों के लिए एस्टीमेट तैयार किए जा रहे हैं। रेवली, शाहपुर और गढ़ शाहजहांपुर गांवों में भी नए पार्क विकसित किए जाएंगे। निगम क्षेत्र में कुल 160 से अधिक छोटे-बड़े पार्क हैं, जिनमें से अधिकांश का रखरखाव रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से किया जा रहा है। ड्रेन नंबर 6 को पूरी तरह कवर कर वहां ग्रीन बेल्ट विकसित करने की योजना भी है, जिसे नागरिक पार्क की तरह उपयोग कर सकेंगे। मेयर जैन ने बताया कि 2014-2019 के बीच भाजपा सरकार के दौरान शहर के गंदे स्थलों पर भी सुंदर पार्क बनाए गए हैं, और शुभम गार्डन, सेक्टर 12, कबीरपुर व राडघना रोड पर भी नई योजनाएं प्रगति पर हैं।

पर्यटन विभाग की नई पहल: विभागीय बैंक्केट हाल, कन्वेंशन सेंटर और लॉन की बुकिंग होगी अब ऑनलाइन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में आम जनता की सुविधा के लिए पर्यटन विभाग ने अपने बैंक्केट हाल, कन्वेंशन सेंटर व लॉन की बुकिंग के ऑनलाइन सुविधा शुरू करने का ऐलान किया है। प्रदेश के 42 पर्यटन स्थलों की वास्तविक समय बुकिंग प्रणाली से बीते वर्ष से 33.9 प्रतिशत राजस्व वृद्धि हुई है। हरियाणा के विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने विभागीय रिपोर्ट पेश करते हुए उक्त जानकारी दी है। मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने बताया कि प्रदेश में पर्यटन केंद्रों की व्यवस्था में पारदर्शिता लाने व पर्यटकों को बुकिंग प्रणाली के माध्यम से अधिक अवसर देने के मकसद से डिजिटलाइजेशन व्यवस्था तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला से ठीक पहले जनवरी 2025 में हरियाणा पर्यटन निगम की वेबसाइट www.haryana-tourism.gov.in को शुरू किया गया था। वेबसाइट के माध्यम से पर्यटकों को बुकिंग सुविधा व निगरानी की सुविधा मिलना सुनिश्चित हुई। उन्होंने बताया कि

आज प्रदेश के 42 पर्यटक परिसर में रियल टाइम ऑनलाइन बुकिंग सुविधा उपलब्ध है, जहां निजी क्षेत्र के ऑनलाइन एजेंसियों को भी जोड़ा गया है।

मंत्री ने बताया कि विभाग की वेबसाइट और निजी क्षेत्र के ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफार्म के साथ जुड़कर प्रदेश के 42 पर्यटन स्थलों की वास्तविक समय बुकिंग प्रणाली से बीते वर्ष से 33.9 प्रतिशत राजस्व वृद्धि हुई है। इसे देखते हुए पर्यटन निगम जल्द ही अपने पर्यटक स्थलों के बैक्केंट हाल, कन्वेंशन सेंटर व लॉन की बुकिंग भी ऑनलाइन करने जा रहा है। मंत्री शर्मा ने बताया कि अप्रैल 2023 में 7254 कमरों की बुकिंग से 1 करोड़ 78 लाख रुपये, अप्रैल 2024 में 8063 कमरों की बुकिंग से 1 करोड़ 96 लाख रुपये का राजस्व एकत्रित हुआ, जबकि अप्रैल 2025 में 9618 कमरों की बुकिंग से 2 करोड़ 63 लाख रुपये का राजस्व एकत्रित हुआ था । वर्ष 2024 से वर्ष 2025 के अप्रैल माह में ही 33.9 प्रतिशत राजस्व वृद्धि हुई, जबकि वहीं वर्ष 2023 से वर्तमान वर्ष में 47.5 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि बीते 2 वर्षों में कमरों की बुकिंग में 32.6 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत हाथों में है देश की कमान : अरविंद शर्मा

एजेंसी

झज्जर। राज्य के सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान को भारत की ताकत का अहसास हो गया है और उसको मुंह की खानी पड़ी है। भारत की कमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत हाथों में है इसलिए भविष्य में भी देश की सुरक्षा को किसी प्रकार की आंच नहीं आएगी।

शर्मा गांव खरहर में आयोजित एक कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। मंत्री शर्मा ने कहा, पूरी दुनिया ने देखा कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने किस प्रकार आतंकवाद व आतंकियों के खात्मे के लिए कड़े कदम उठाते हुए उनके ठिकाने नेस्तनाबूद कर दिए। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों व सीमित ठिकानों को लक्ष्य बनाकर पाकिस्तान को बड़ी हानि पहुंचाई हैं, वहीं पाकिस्तान ने हमारे रिहायशी इलाकों को लक्ष्य बनाने की कोशिश की। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर आतंकी घटनाओं की पुनरावृत्ति न होना सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि आपस में भाईचारा मजबूत होगा तो समाज तरक्की करेगा और आगे बढ़ेगा, एक-दूसरे की मदद करें और विकास

कार्यों में भागीदारी निभाएं। गांव खरहर में उन्होंने अपने सांसद कार्यकाल के दौरान सांसद निधि से दिए गए 65 लाख रुपये से पीडब्ल्यूडी रोड से दादी सती मन्दिर तक नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण किया। उन्होंने दादी सती मन्दिर में आयोजित भंडारे में भागीदारी की व रक्तदान शिविर में युवाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि आज बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि हर नागरिक को इनका पूरा लाभ मिल सके। हम सबको मिलकर अपने भाईचारे को मजबूत करना चाहिए, ताकि प्रदेश और समाज अधिक तरक्की कर सके।

इस अवसर पर काला प्रधान, बलराज, श्रवण, पंडित रामकरण, सुनील शर्मा, राजीव शर्मा, चांद मोखरा, सुरेश शर्मा, महेंद्र पंडित आदि उपस्थित रहे।

सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को दिया गया आपदा में मदद का प्रशिक्षण

एजेंसी

झज्जर। जिला प्रशासन झज्जर द्वारा आपदा प्रबंधन की तैयारियों को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल की उपस्थिति में लघु सचिवालय स्थित संवाद भवन में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स (नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों) का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एसडीआरएफ के भोंडसी केंद्र से आए विशेषज्ञों की देखरेख में संपन्न हुआ। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स किसी भी आपदा के समय स्थानीय प्रशासन के फ्रंट लाइन सहयोगी होते हैं और प्रशिक्षित टीम का हिस्सा बनने से उनका योगदान और अधिक प्रभावी हो जाता है। एसडीआरएफ के ईएचसी रवि कुमार और अनिल कुमार ने जिलाभर से आए पूर्व सैनिक, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस वॉलेंटियर्स (स्वयंसेवकों) को आपातकालीन स्थितियों में राहत और बचाव कार्यों की तकनीकी जानकारी दी। प्रशिक्षण में रेडक्रॉस सोसायटी से जुड़े

वालंटियर्स, जिले के पूर्व सैनिक और सभी कॉलेजों के एनसीसी कैडेट्स ने सक्रिय भागीदारी की। ट्रेनिंग उपरांत ये जिलाभर में लोगों को नागरिक सुरक्षा का प्रशिक्षण देंगे। इस अवसर पर एसडीएम बादली सतीश यादव, एसडीएम झज्जर रविंद्र यादव, सीटीएम रविंद्र मलिक, डीआरओ प्रमोद चहल, डीआईपीआरओ सतीश कुमार, नोडल अधिकारी जीतपाल, रेड क्रॉस सचिव देवेंद्र चहल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों को आपदा की स्थिति में नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, प्राथमिक चिकित्सा देने और वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए संकट काल के समय क्या सावधानियां बरतनी इन सब बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही फर्स्ट एड, स्ट्रेचर इस्तेमाल, सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) और रेस्क्यू उपकरणों के उपयोग पर भी अभ्यास करवाया।इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को जिले के सभी कॉलेजों, निजी व सरकारी शिक्षण संस्थानों में आयोजित करवाया जाएगा ताकि सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स तैयार हो और किसी भी आपदा के समय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। सिविल डिफेंस (नागरिक सुरक्षा) के इस अभ्यास में प्रतिभागियों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर विशेष अभ्यास कराया गया। (हृदय पुनर्जीवन प्रक्रिया) व प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, स्ट्रेचर संचालन और घायल व्यक्ति की सुरक्षित निकासी के अभ्यास, आपातकालीन अलर्ट प्रणाली की कार्यप्रणाली, रेस्क्यू ऑपरेशन में उपयोगी रस्सी तकनीक, संकट की स्थिति में नागरिकों के साथ संवाद बनाए रखने की विधियां आदि।

विकसित भारत में देश के प्रतिभावान युवाओं की अहम भूमिका : महिपाल ढांडा

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने में देश के प्रतिभावान युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। महिपाल ढांडा रविवार दादा लख्मीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट रोहतक के वार्षिक कला प्रदर्शनी अवार्ड समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित विद्यार्थियों व स्टाफ को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कला प्रदर्शनी में हर विषय को गहराई से छुआ है। अद्भुत व अकल्पनीय कल का यहां प्रस्तुतीकरण किया गया है, जिसके आधार पर कहा जा सकता है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि दादा लख्मीचंद जैसे ऐसे महान व्यक्ति के नाम से विश्वविद्यालय का नाम रखा गया है, जिसका पूरे विश्व में कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि दादा लख्मीचंद ने देश की प्रतिभा को निखारने का काम किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके हुनर का लाभ मिले यह विश्वविद्यालय प्रशासन को सुनिश्चित करना होगा। शिक्षा मंत्री

महिपाल ढांडा ने कहा कि भारत पहले भी विश्व गुरु रहा है और फिर से विश्व गुरु बनकर रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत का विचार दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। हिंदू कोई धर्म नहीं बल्कि जीवन जीने की पद्धति है। उन्होंने कहा कि दुनिया के बहुत से देशों में गृह युद्ध जैसी स्थिति है। इन परिस्थितियों में विश्व के बुद्धिजीवियों के समक्ष यह सवाल आया है कि क्या दुनिया में कोई एक सरकार-एक कानून अथवा करेंसी हो सकती है। जब इस विषय को लेकर शोध किया गया तो भारत को 48 प्रतिशत नंबर मिले। दोबारा शोध हुआ तो 67 प्रतिशत अंक भारत को मिले और तीसरे शोध में 72 प्रतिशत अंक भारत को मिले हैं। इस आधार पर कहा जा सकता है कि अब भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि विश्व गुरु बनने के संकल्प को हम सब मिलकर सिद्धि तक लेकर जाएंगे।

झज्जर में प्रेमिका पर शक में प्रेमी ने की हत्या

झज्जर। जिले में बीती 4 मई को एक महिला की हत्या उसके प्रेमी ने ही की थी। हत्या करके शव को एक तालाब में फेंक दिया था। प्रेमी को अपनी प्रेमिका का किसी अन्य से भी प्रेम संबंध होने का शक हो गया था। पुलिस ने हत्या के आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। जिले के गांव बहू की निवासी महिला रेखा की हत्या गत 4 मई को की गई थी। हत्या के आरोप में पकड़ा गया युवक मंजीत भी इसी गांव का निवासी है। दरअसल, गांव रुड़ियावास के एक तालाब में 4 मई को एक महिला का शव तैरता हुआ मिला था। अपने पशुओं को तालाब में पानी पिलाने के लिए पहुंचे गांव के एक पशुपालक की नजर पड़ी तो उसने गांव के चौकीदार को बताया। चौकीदार ने तालाब में महिला का शव होने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची। आवश्यक कार्रवाई कर शव को तालाब से बाहर निकलवाया। मृतका की पहचान उसके कपड़ों में मिले पहचान पत्र से हुई। वह झाड़ली स्थित एक फैक्टरी में काम करती थी।

कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में भीषण आग, तीन फैक्ट्रियां चपेट में, लाखों का नुकसान

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में सुबह भीषण आग लगने की घटना ने हड़कंप मचा दिया। आग नयरा पोलीरब प्राइवेट लिमिटेड नामक फैक्ट्री में लगी, जहां चप्पल और रबड़ उत्पादों का निर्माण किया जाता था। सुबह करीब नौ बजे अचानक फैक्ट्री में आग भड़क उठी, जिसनेकुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और पास की दो अन्य फैक्ट्रियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। फैक्ट्री में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैली। सूचना मिलते ही कुंडली, सोनीपत और राई से दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। आग की गंभीरता को देखते हुए नरेला, पानीपत, रोहतक और झज्जर से भी फायर ब्रिगेड की अतिरिक्त गाड़ियां बुलाई गईं। दमकल कर्मी ऑक्सीजन मास्क लगाकर बेसमेंट और ऊपरी मंजिलों में घुसे और आग बुझाने का प्रयास किया। फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूरों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया। किसी मजदूर के भीतर फंसे होने की आशंका के चलते राहत व बचाव कार्य चलाए गए। किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

आग की चपेट में मोहित ओवरसीज और विजीन केबल एलएलपी नामक फैक्ट्रियां भी आ गईं। वहीं, पीएनबी किचन मेट कंपनी के गोदाम का सामान भी खतरे में आ गया, जिसे दमकलकर्मियों ने तेजी से बाहर निकाला। फैक्ट्री नंबर 105 के मालिक बलराज सिंह के अनुसार, नयरा फैक्ट्री में मशीनों के चलते कंपन और प्रदूषण की समस्या थी, जिसकी शिकायत करने पर विवाद की स्थिति बनती थी। उन्होंने बतायाकि कई अन्य फैक्ट्रियों को भी आग से खतरा बना हुआ है।